@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
बुधवार, 22 अप्रैल 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 167 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

अमेरिका, यूएई, ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान में ईंधन की कीमतों में भारी वृद्धि के बावजूद भारत में कीमतें स्थिर

एजेंसी

नई दिल्ली । पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद होने के कारण ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमतें बढ़ने के बावजूद भारत में पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर बने हुए हैं। वहीं, कई देशों में ईंधन की कीमतों में 85 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी देखी गई है। एनडीटीवी प्रॉफिट की रिपोर्ट के अनुसार, कोटक द्वारा जारी आंकड़ों में भारत और अन्य विकसित व उभरते देशों के बीच बड़ा अंतर देखने को मिला है, जहां इस साल अब तक कई देशों में ईंधन की कीमतें काफी बढ़ी हैं, जबकि भारत में ऐसा नहीं हुआ। डीजल की बात करें भू-राजनीतिक तनावों के चलते हाल के महीनों में कई देशों में इसकी कीमतों में तेज बढ़ोतरी हुई है। देशों के हिसाब से देखें तो, यूएई में डीजल की कीमतें करीब 85 प्रतिशत बढ़ीं। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका में 65 प्रतिशत और 62 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी दर्ज की गई। वहीं, कनाडा, पाकिस्तान, फ्रांस, श्रीलंका और ब्रिटेन में कीमतें 35 से 53 प्रतिशत तक बढ़ीं। इसके अलावा, चीन और ब्राजील जैसे देशों में बढ़ोतरी थोड़ी कम रही, जबकि रूस में डीजल की कीमतें केवल 1 प्रतिशत से थोड़ी ज्यादा बढ़ीं। इसके विपरीत, भारत में डीजल की कीमत जनवरी के स्तर पर ही 87.6 रुपए प्रति लीटर बनी हुई है, यानी

इसमें कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है, भले ही अमेरिका-ईरान तनाव जारी है। पेट्रोल की कीमतों में भी ऐसा ही रुझान देखने को मिला। पड़ोसी पाकिस्तान में पेट्रोल के दाम सबसे ज्यादा, यानी 44 प्रतिशत बढ़े। इसके बाद अमेरिका (42 प्रतिशत) और यूएई (36 प्रतिशत) का स्थान रहा। वहीं, कनाडा, श्रीलंका और चीन में पेट्रोल की कीमतें 34 प्रतिशत तक बढ़ीं, जबकि ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और फ्रांस में अपेक्षाकृत कम बढ़ोतरी हुई। कम बढ़ोतरी वाले देशों में ब्राजील और रूस शामिल हैं, जहां कीमतें क्रमशः 7 प्रतिशत और 1 प्रतिशत से थोड़ा ज्यादा बढ़ीं। भारत में पेट्रोल की खुदरा कीमतें जनवरी के स्तर पर 94.7 रुपए प्रति लीटर पर स्थिर बनी हुई हैं, यानी उपभोक्ताओं के लिए कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है।भारत में ईंधन की कीमतें स्थिर रहना यह दिखाता है कि सरकारी नीतियों और सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों (ओएमसी) की कीमत निर्धारण व्यवस्था ने कीमतों को नियंत्रित रखने में मदद की है। वैश्विक बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद भारतीय उपभोक्ताओं पर इसका सीधा असर नहीं पड़ा है।

रिपोर्ट के अनुसार, पहली बार ऐसा हुआ है कि ईंधन कीमतों के डीरिगुलेशन के बाद सरकारी तेल कंपनियां रिफाइनरियों से पेट्रोल, डीजल, एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) और केरोसीन को कम कीमत पर खरीद रही हैं, ताकि खुदरा कीमतों को स्थिर रखने से होने वाले नुकसान को कम किया जा सके।

एक अन्य रिपोर्ट मे ब्रोकरेज फर्म मैक्वेरी ने कहा कि अगर पेट्रोल-डीजल की कीमत 135-165 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर रहती है, तो भारत की तेल कंपनियों को पेट्रोल पर लगभग 18 रुपए प्रति लीटर और डीजल पर 35 रुपए प्रति लीटर का नुकसान हो सकता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि कच्चे तेल की कीमतों में प्रति बैरल 10 डॉलर की बढ़ोतरी से मार्केटिंग घाटा लगभग 6 रुपए प्रति लीटर बढ़ जाता है।

आदि शंकराचार्य की शिक्षाएं आज भी दुनिया को दे रही हैं मार्गदर्शन : पीएम मोदी

'आदि शंकराचार्य भारत के महान आध्यात्मिक गुरुओं में से एक थे'

एजेंसी

नई दिल्ली । आदि शंकराचार्य जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया और उनके योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि आदि शंकराचार्य भारत के महान आध्यात्मिक गुरुओं में से एक थे, जिनका ज्ञान और उनकी शिक्षाएं हमें सत्य, करुणा और सामूहिक कल्याण के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर एक तस्वीर पोस्ट करते हुए कहा, 'आदि शंकराचार्य की गहरी शिक्षाएं, विचार और अद्वैत वेदांत का दर्शन दुनिया भर में अनगिनत लोगों को रास्ता दिखा रहा है। उन्होंने तालमेल, अनुशासन और सभी अस्तित्व की एकता पर जोर दिया। आध्यात्मिक विचारों को फिर से जगाने और पूरे देश में आध्यात्मिक केंद्र बनाने की उनकी कोशिशें हमेशा प्रेरणा बनी रहेंगी।' पीएम मोदी ने कहा, 'आदि शंकराचार्य का ज्ञान और शिक्षाएं हमारे मार्ग को निरंतर आलोकित

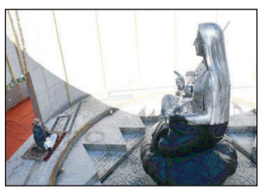

करती रहे और सत्य, करुणा तथा सामूहिक कल्याण के प्रति हमारे संकल्प को सुदृढ़ बनाए। 'मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने भी आदि शंकराचार्य जयंती के अवसर पर उनको नमन करते हुए उनकी शिक्षाओं को याद किया। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर कहा, 'अद्वैत वेदांत के प्रणेता, सांस्कृतिक एकता के सूत्रधार, महान दार्शनिक एवं रचनाकार, जगद्गुरु आदि शंकराचार्य जी की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन करता हूं। उन्होंने भारत की चारों दिशाओं में पवित्र मठों की स्थापना कर सनातन धर्म को पुनर्जीवित किया। ज्ञान, तर्क और भक्ति की त्रिवेणी प्रवाहित कर राष्ट्र को एक नई चेतना प्रदान की। उनका संपूर्ण जीवन लोक कल्याण और सत्य के लिए सदैव समर्पित रहने की प्रेरणा देता रहेगा।' वहीं, इस मौके पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आदि शंकराचार्य को याद किया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर एक तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा, 'महान आध्यात्मिक गुरु और महान दार्शनिक, जगद्गुरु श्री आदि शंकराचार्य को उनकी जयंती पर मेरा प्रणाम!'

पारदर्शी व्यवस्था के तहत किसानों का गेहूं हर हाल में खरीदा जाएगा : शिवराज चौहान

चौहान ने विदिशा संसदीय क्षेत्र की गेहूं खरीदी की समीक्षा की

एजेंसी

भोपाल । केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को विदिशा संसदीय क्षेत्र की गेहूं खरीदी की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से कहा है कि किसानों को किसी भी तरह की समस्या नहीं आना चाहिए और हर किसान का गेहूं हर हाल में खरीदा जाना चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विदिशा संसदीय क्षेत्र में गेहूं उपार्जन व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में विदिशा, सांची, गंजबासौदा, बुधनी, भोजपुर, खातेगांव और इछावर समेत सभी आठ

विधानसभा क्षेत्रों के विधायक एवं संबंधित जिलों के कलेक्टर तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। समीक्षा के दौरान केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने खरीदी व्यवस्था को सुचारु और पारदर्शी बनाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनप्रतिनिधियों के साथ पूरा समन्वय करते हुए सभी खरीदी केंद्रों पर पर्याप्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। साथ ही बारदाने की उपलब्धता, स्लॉट बुकिंग प्रणाली और किसानों की सुविधा से जुड़े हर पहलू पर सतर्कता बरती जाए। किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा या परेशानी नहीं होनी चाहिए और उपार्जन प्रक्रिया को पूरी तरह व्यवस्थित, सरल और किसान हितैषी बनाया जाए।

मुख्य मंत्री ने हॉलैंड के महान हॉकी खिलाड़ी फ्लोरिस जान बोवेलैंडर से की मुलाकात

कौमी पत्रिका

चंडीगढ़, 21 अप्रैल। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध हॉकी खिलाड़ी फ्लोरिस जान बोवेलैंडर से मुलाकात की और पंजाब में हॉकी को और मजबूत करने, विशेषकर प्रतिष्ठित एशियन चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारियों के लिए उनकी विशेषज्ञता का लाभ उठाने पर चर्चा की। विस्तृत बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने पंजाब में हॉकी और खेलों के समृद्ध वातावरण पर प्रकाश डाला और राष्ट्रीय खेल की पुरानी गरिमा को पुनर्स्थापित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने बोवेलैंडर के असाधारण कौशल और हॉकी में उनके महत्वपूर्ण योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उनका शानदार करियर दुनिया भर के युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। ओलंपियन बोवेलैंडर को पंजाब आने का निमंत्रण देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य अपने खिलाड़ियों की प्रतिभा को और निखारने के लिए उनकी सेवाएं लेना चाहता है। उन्होंने कहा कि पंजाब खेल प्रतिभा को विकसित करने और हॉकी को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी बताया कि इतिहास में पहली बार पंजाब एशियन चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करेगा, जो राज्य के खेल जगत के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। आगामी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के महत्व पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि एशियाई खेल अक्टूबर की शुरुआत में समाप्त होंगे, जिसके बाद शीर्ष छह टीमें चैंपियंस ट्रॉफी में भाग लेंगी। उन्होंने कहा कि ऐसे अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों की मेजबानी से पंजाब की पहचान वैश्विक स्तर पर हॉकी केंद्र के रूप में और मजबूत होगी। उन्होंने यह भी कहा कि दशकों से भारतीय हॉकी में पंजाबियों की मजबूत

उपस्थिति के बावजूद, पंजाब ने अब तक किसी बड़े अंतरराष्ट्रीय हॉकी टूर्नामेंट की मेजबानी नहीं की थी, और अब यह एक ऐतिहासिक बदलाव है। पंजाब और हॉकी के बीच गहरे संबंध का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि दोनों एक-दूसरे से अभिन्न रूप से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि पंजाबी खिलाड़ियों के बिना भारतीय हॉकी की कल्पना करना मुश्किल है। पंजाब के 50 से अधिक खिलाड़ियों ने ओलंपिक पदक जीते हैं और 10 पंजाबी खिलाड़ियों ने ओलंपिक में भारतीय टीम की कप्तानी की है। पंजाब की समृद्ध खेल विरासत पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि संसारपुर, खुसरोपुर और मिठापुर जैसे गांवों ने मिलकर 20 से अधिक ओलंपियन दिए हैं। हाल की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि टोक्यो 2020 ओलंपिक में भारत ने 41 वर्षों के अंतराल के बाद कांस्य पदक जीता, जिसमें मनप्रीत सिंह की कप्तानी वाली टीम में नौ पंजाबी खिलाड़ी शामिल थे। उन्होंने आगे बताया कि पेरिस 2024 ओलंपिक में भी भारत ने कांस्य पदक हासिल किया, जिसमें 10 पंजाबी खिलाड़ी शामिल थे, और हरमनप्रीत सिंह ने कप्तान के रूप में टीम का नेतृत्व करते हुए सर्वाधिक गोल किए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बैठक के कुछ अंश साझा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि नीदरलैंड में ओलंपियन फ्लोरिस जान बोवेलैंडर से मिलकर उन्हें अत्यंत खुशी हुई। उन्होंने कहा कि बोवेलैंडर का अनुभव और उपलब्धियां युवा खिलाड़ियों को प्रेरित करेंगी। उन्होंने बताया कि बोवेलैंडर ने पंजाब आने का निमंत्रण सहर्ष स्वीकार कर लिया है और आगामी एशियाई हॉकी चैंपियनशिप से पहले खिलाड़ियों के साथ जुड़कर उन्हें मार्गदर्शन देंगे। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि पंजाब खेल प्रतिभा को निखारने और हॉकी को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए पूरी तरह संकल्पित है।

बदरीनाथ धाम के कपाट गुरुवार को खुलेंगे

चमोली। चारधाम यात्रा के प्रमुख पड़ाव बदरीनाथ धाम के कपाट 23 अप्रैल को सुबह 6 बजकर 15 मिनट पर श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए जाएंगे। कपाटोद्घाटन परंपरा के तहत मंगलवार को नृसिंह मंदिर ज्योतिर्मठ से पूजा-अर्चना के पश्चात आदि गुरु शंकराचार्य की पवित्र गद्दी एवं भगवान गरुड़ की उत्सव डोली वैदिक मंत्रोच्चार के साथ बदरीनाथ धाम के लिए प्रस्थान कर गई। बदरीनाथ यात्रा की धार्मिक परंपराओं के तहत मंगलवार को श्री नृसिंह मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना के पश्चात एक भव्य धार्मिक आयोजन संपन्न हुआ। आदि गुरु शंकराचार्य की पवित्र पवित्र गद्दी और गरुड़जी की उत्सव मूर्ति को वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधिवत रूप से बदरीनाथ धाम के लिए रवाना किया गया। इस अवसर पर रावल अमरनाथ नंबूदरी और बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के उपाध्यक्ष ऋषि प्रसाद सती उपस्थित रहे।

श्रवण कुमार होंगे जदयू विधानमंडल दल के नेता

• नीतीश कुमार ने नाम पर लगाई मुहर

एजेंसी

पटना। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने संगठनात्मक स्तर पर बड़ा फैसला लेते हुए वरिष्ठ नेता और बिहार सरकार के पूर्व मंत्री श्रवण कुमार को विधानमंडल दल का नेता चुना है। इस निर्णय से पार्टी में उनकी भूमिका और प्रभाव दोनों में वृद्धि मानी जा रही है।

पार्टी की बैठक में जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को विधानमंडल दल का नेता चुनने के लिए अधिकृत किया गया था। इसके बाद उन्होंने श्रवण कुमार के नाम पर अंतिम मुहर लगाई। पार्टी ने उनका नाम विधानसभा सचिवालय को भेजा, जहां से आधिकारिक अधिसूचना जारी कर उनकी नियुक्ति की पुष्टि कर दी गई। हाल ही में श्रवण कुमार की सुरक्षा बढ़ाकर वाई प्लस श्रेणी में शामिल किया गया था, जो उनकी बढ़ती राजनीतिक अहमियत को दर्शाता है। वे नीतीश कुमार के करीबी सहयोगी माने जाते हैं और उनके गृह जिले नालंदा से ही चुनाव जीतते रहे हैं। उल्लेखनीय है कि 69 वर्षीय श्रवण कुमार का राजनीतिक सफर तीन दशक से अधिक का रहा है। उन्होंने 1995 में पहली बार समता पार्टी के टिकट पर नालंदा विधानसभा सीट से जीत दर्ज की थी और तब से लेकर अब तक लगातार सात बार विधायक चुने गए हैं। 1995 के चुनाव में समता पार्टी के मात्र सात उम्मीदवार जीत पाए थे, जिनमें श्रवण कुमार भी शामिल थे।

उन्होंने छात्र जीवन में ही जेपी आंदोलन के जरिए राजनीति में कदम रखा था। 1994 में जब नीतीश कुमार और जॉर्ज फर्नांडिस ने समता पार्टी का गठन किया, तभी से वे उनके करीबी सहयोगी रहे हैं। श्रवण कुमार ने 1995 और 2000 में समता पार्टी के टिकट पर चुनाव जीता, बाद में पार्टी के जदयू में विलय के बाद वे लगातार जदयू से ही चुनाव जीतते रहे।

झारखंड को पांच साल बाद मिला लोकायुक्त

जस्टिस अमिताभ गुप्ता को राज्यपाल ने दिलाई शपथ

एजेंसी

रांची । झारखंड को नया लोकायुक्त मिल गया है। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने मंगलवार को रांची स्थित लोक भवन के दरबार हॉल में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में झारखंड हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश अमिताभ कुमार गुप्ता को राज्य के लोकायुक्त पद की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण के बाद राज्यपाल ने उन्हें शुभकामनाएं दीं और उनके सफल कार्यकाल की कामना की। समारोह की शुरुआत में राज्य के मुख्य सचिव अविनाश कुमार ने लोकायुक्त पद पर नियुक्ति से संबंधित वारंट पढ़ा। इसके बाद राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव नितिन कुलकर्णी ने नवनियुक्त लोकायुक्त को शपथ के लिए आमंत्रित किया। झारखंड में लोकायुक्त का पद जून 2021 से खाली था और लगभग पांच वर्षों बाद इस महत्वपूर्ण संवैधानिक पद पर नियुक्ति हुई है। इससे राज्य में प्रशासनिक पारदर्शिता और जवाबदेही को लेकर नई उम्मीदें जगी हैं। उल्लेखनीय है कि इसी महीने की शुरुआत में झारखंड उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को लोकायुक्त सहित अन्य संवैधानिक पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया था, जिसके बाद 16 अप्रैल को राज्यपाल ने अमिताभ कुमार गुप्ता की नियुक्ति को मंजूरी दी थी। नवनियुक्त लोकायुक्त अमिताभ कुमार गुप्ता का जन्म 31 मई 1959 को हुआ था। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के विधि संकाय से एलएलबी और स्नातकोत्तर

की पढ़ाई पूरी की। उन्होंने 11 जून 1997 को बिहार उच्च न्यायिक सेवा में अतिरिक्त जिला न्यायाधीश के रूप में अपने न्यायिक करियर की शुरुआत की। वर्ष 2013 में उन्हें झारखंड हाईकोर्ट में अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया और 30 मई 2021 को वे सेवानिवृत्त हुए।

बंगाल की कानून व्यवस्था ठीक करने के लिए बदलनी होगी सरकार: धर्मेंद्र प्रधान

'ममता बनर्जी लोगों के लिए काम नहीं किया है और उन्हें धोखा दिया है'

एजेंसी

बारानगर । पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव को लेकर मंगलवार को केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बारानगर से भाजपा उम्मीदवार सजल घोष के समर्थन में चुनावी प्रचार किया। इस दौरान उन्होंने भरोसा जताया कि बंगाल का माहौल भाजपा के पक्ष में है और बंगाल की कानून व्यवस्था को ठीक करने के लिए सरकार बदलनी होगी। मीडिया से बातचीत के दौरान केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि बंगाल में चुनाव निष्पक्ष तरीके से होने चाहिए. क्योंकि ममता बनर्जी के पैरों तले से जमीन खिसक गई है। उन्होंने लोगों के लिए काम नहीं किया है और उन्हें धोखा दिया है, इसलिए लोग उनके खिलाफ हो गए हैं। हार के डर से ममता बनर्जी घबरा गई हैं और संवैधानिक संस्थाओं को गालियां दे रही हैं। बंगाल में कानून-व्यवस्था अच्छी नहीं है, इसे ठीक करना होगा और सरकार बदलनी होगी। विपक्षी दलों द्वारा महिलाओं के आरक्षण का विरोध किए जाने पर केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने ममता बनर्जी का जिक्र करते हुए कहा कि वे खुद एक महिला हैं, लेकिन वे नहीं चाहती हैं कि आधी आबादी को हक मिले। भाजपा महिलाओं को आरक्षण दिलाकर रहेगी। उन्होंने एक्स पोस्ट में बताया

कि बारानगर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार सजल घोष के समर्थन में बारानगर में शोभा यात्रा के दौरान लोगों की जबरदस्त भागीदारी देखकर मैं बहुत अभिभूत हूं। सड़कों पर जो गर्मजोशी और पक्का इरादा दिखाई दे रहा है, वह बदलाव की बढ़ती चाहत को दिखाता है। एक ऐसा बदलाव जो गरिमा, सुरक्षा और जवाबदेह शासन पर आधारित है। टीएमसी द्वारा भाजपा के इरादों को गलत तरीके से पेश करने की बार-बार की कोशिशों के बावजूद पश्चिम बंगाल के लोग डर और फूट की राजनीति को लगातार नकार रहे हैं और ऐसे नेतृत्व पर भरोसा जता रहे हैं जो उनकी उम्मीदों को समझता है।

पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनेगी: विष्णुदेव साय

एजेंसी

रायपुर । पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव को लेकर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने विश्वास जताते हुए कहा कि बंगाल की जनता टीएमसी के शासन से त्रस्त है। बदलाव की ओर जनता देख रही है, मुझे लगता है कि भाजपा बंगाल में सरकार बनाएगी। रायपुर में मीडिया से बातचीत के दौरान सीएम साय ने कहा कि पश्चिम बंगाल में भाजपा की स्थिति बहुत अच्छी है। मैंने स्वयं बंगाल जाकर चार विधानसभा क्षेत्रों में नामांकन रैलियों में हिस्सा लिया। कार्यकर्ताओं में

भारी उत्साह है और लोगों में टीएमसी तथा ममता बनर्जी सरकार के खिलाफ गहरा गुस्सा है। सीएम साय ने विश्वास जताते हुए कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि बंगाल में भाजपा की सरकार बनेगी। ममता बनर्जी के कार्यकाल पर तंज कसते हुए सीएम साय ने कहा कि 15 साल के टीएमसी शासन में कुछ भी नहीं हुआ। अब जनता परिवर्तन चाहती है। महिलाओं के आरक्षण पर उन्होंने कहा कि देश की माताओं-बहनों के साथ विपक्षी दलों ने बहुत बड़ा अन्याय किया है। पीएम मोदी 33 प्रतिशत आरक्षण देकर महिलाओं की राजनीति में भागीदारी बढ़ाना चाहते थे। लेकिन, विपक्षी दलों ने महिलाओं के हक को नहीं मिलने दिया। उन्होंने घोषणा की कि विधानसभा में इस मुद्दे पर निंदा प्रस्ताव पास किया जाएगा।

विजय का डीएमके और भाजपा पर हमला, खुद को बताया जनता की आवाज

एजेंसी

चेन्नई । तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) के अध्यक्ष विजय ने तमिलनाडु के लोगों से एक भावुक अपील करते हुए अपनी पार्टी के समर्थन में वोट देने को कहा है। 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले उन्होंने लोगों से 'सीटी' चुनाव चिन्ह पर वोट देने की बात कही। अभिनेता से राजनेता बने विजय ने राज्य की जनता को संबोधित अपने एक विस्तृत बयान में कहा कि राजनीति में आने के बाद उन्हें लोगों से जो प्यार और समर्थन मिला है, उसके लिए वे दिल से आभारी हैं। उन्होंने बताया कि उनका यह राजनीतिक सफर आसान नहीं रहा। इसमें कई तरह की चुनौतियां, मुश्किलें और दर्द भी शामिल रहे, लेकिन जनता के प्यार ने उन्हें हमेशा आगे बढ़ने की ताकत दी। उन्होंने अपने विरोधियों पर भी निशाना साधा। विजय ने सत्ताधारी पार्टी डीएमके को जनविरोधी ताकत बताया, वहीं बीजेपी पर भी आरोप लगाया कि वह समाज को बांटने वाली राजनीति

करती है। उन्होंने साफ कहा कि वे किसी भी तरह के दबाव या डर के आगे झुकने वाले नहीं हैं, चाहे वह राजनीतिक ताकतें हों या बड़े कॉर्पोरेट हित। विजय ने कहा कि उनके और जनता के बीच जो रिश्ता है, उसे कोई भी ताकत तोड़ नहीं सकती। उन्होंने अपनी पार्टी की बढ़ती ताकत का श्रेय दैवीय कृपा, महिलाओं और युवाओं को दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि दुनिया भर में रहने वाले तमिल लोगों का भी उन्हें भरपूर समर्थन मिल रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी राजनीति किसी बड़े राजनीतिक ढांचे या सिस्टम के सहारे नहीं खड़ी हुई है, बल्कि आम जनता के समर्थन से आगे बढ़ी है। लोग उन्हें अपने जैसा मानते हैं और यही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। विजय ने मतदाताओं को सतर्क भी किया कि वे ऐसे नेताओं से सावधान रहें जो सिर्फ अपने फायदे के लिए राजनीति में आते हैं।

मणिपुर में कांपी धरती, 5.2 तीव्रता का आया भूकंप, सो रहे लोग घरों से आए बाहर

-जापान में भूकंप के बाद कुजी बंदरगाह पर 80 सेंटीमीटर ऊंची दिखी सुनामी लहरें

इम्फाल (एजेंसी)। मंगलवार तड़के मणिपुर में 5.2 तीव्रता का भूकंप आया। वहीं दूसरी ओर जापान में आए विनाशकारी भूकंप के बाद समुद्र की लहरों ने तटीय इलाकों में दस्तक दी है। राहत की बात यह है कि अभी तक किसी बड़े जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक मंगलवार सुबह 5:59 बजे मणिपुर के कामजोंग जिले में भूकंप आया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.2 मापी गई। भूकंप का केंद्र जमीन से 62 किलोमीटर नीचे था। सुबह के समय आए इन झटकों से लोग डरकर घरों से बाहर आ गए। फिलहाल राज्य के किसी भी हिस्से से नुकसान की कोई खबर नहीं है। वहीं दूसरी ओर जापानी मौसम विज्ञान एजेंसी ने बताया कि इवाते प्रांत के कुजी बंदरगाह पर 80 सेंटीमीटर ऊंची सुनामी देखी गई। शाम 4:53 बजे आए भूकंप की तीव्रता जापान के भूकंपीय तीव्रता पैमाने पर 7 में से 5 के ऊपरी स्तर पर दर्ज की गई और इसका केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई पर था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने पिछले एक सप्ताह से इसी तरह के भूकंपों की चेतावनी जारी की थी। जापानी मौसम एजेंसी ने होक्काइडो, आओमोरी और इवाते प्रांतों के प्रशांत तटों के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की है और तत्काल 3 मीटर तक ऊंची लहरों के आने का पूर्वानुमान लगाया है। जापानी प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची ने भूकंप प्रभावित क्षेत्रों के लोगों से ऊंची जगहों पर जाने का आग्रह किया।

'आई-पैक' ने 1300 कर्मियों को छुट्टी पर भेजा, तरह-तरह के उठ रहे सवाल

कोलकाता(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस और सीएम ममता बनर्जी का चुनावी कैंपेन संभाल रही फर्म 'आई-पैक' का कोलकाता के विधाननगर स्थित दफ्तर दो दिन से बंद है। सूत्रों के मुताबिक इसके एचआर ने 1300 कर्मियों को छुट्टी पर भेज दिया है। यह सब ऐसे समय हुआ है जब पहले चरण का मतदान को कुछ दिन ही बचे हैं। 23 अप्रैल को पहले चरण के तहत 152 सीटों पर मतदान होना है। चुनाव प्रचार मंगलवार को खत्म हो गया। दूसरे चरण की वोटिंग 29 अप्रैल को है। रिजल्ट 4 मई को आएंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तृणमूल की बूथ लेवल की गतिविधि से लेकर नेताओं की सभाएं, रैलियां, सब कुछ तय करने में आईपैक एक पॉलिटिकल कंसल्टेंसी कंपनी की अहम भूमिका निभा रही है। बंगाल में पार्टी के मौजूदा करीब 33फीसदी विधायकों के टिकट काटने के फैसले के पीछे भी इसी का सर्वे आधार था। इसने बंगाल के 93 हजार पोलिंग बूथों के लिए एक लाख शैडो एजेंट्स तैयार किए थे। टीएमसी भले ही इसके बंद होने की खबरों को खारिज कर रही है, लेकिन मतदान से ठीक पहले संगठन और कार्यकर्ता असमंजस में आ गए हैं। हालांकि पार्टी सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने कहा कि हम संसद में दूसरी बड़ी विपक्षी पार्टी हैं। 5 एजेंसियों के साथ काम कर रहे हैं। सभी ठीक हैं। पार्टी के एक अन्य नेता ने बताया कि टीएमसी संगठन 4 स्तर पर काम कर रहा है। इस बीच, टीएमसी ने आशंका जताई है कि उसके 800 नेताओं, कार्यकर्ताओं को केंद्रीय सुरक्षा बल एहतियातन गिरफ्तार कर सकते हैं। इसे लेकर पार्टी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर तुरंत सुनवाई की मांग की है। पार्टी को आशंका है कि केंद्रीय बल राज्य के पुलिस थानों को कब्जे में ले सकते हैं।

दिल्ली में शराब के बाद गुजरात में हवाला कांड में फंस सकती आम आदमी पार्टी

श्रीनगर(एजेंसी)। सूरत,(ईएमएस)। गुजरात के सूरत जिले में सामने आए कथित हवाला मामले ने आम आदमी पार्टी (आप) की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। दिल्ली के कथित शराब घोटाले में ट्रायल कोर्ट से राहत मिलने के बाद जहां मामला हाई कोर्ट में पहुंच चुका है, वहीं अब गुजरात से एक नया विवाद सामने आया गया है। सूरत पुलिस ने दावा किया है कि एक बड़े हवाला रैकेट का खुलासा किया है, जिसमें पार्टी के कुछ पदाधिकारी शामिल हैं और जांच की आंच बड़े नेताओं तक भी पहुंच सकती है। पुलिस ने हवाला मामले में आकाश मिश्रा और अजय तिवारी को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि ये दोनों हवाला नेटवर्क के जरिए पैसे के लेनदेन में शामिल थे। पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह नेटवर्क कथित तौर पर दिल्ली से संचालित हो रहा था और इसमें पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के निर्देश होने की भी आशंका जाहिर की गई है। सूरत पुलिस की जांच में देखा जा रहा है कि क्या इन पैसों का उपयोग गुजराज की पटेल सरकार के खिलाफ माहौल बनाने और सोशल मीडिया पर प्रभाव डालने के लिए किया गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मिश्रा पहले सत्येंद्र जैन के साथ काम कर चुका है और कई राज्यों—दिल्ली, हरियाणा, बिहार और मध्य प्रदेश में सक्रिय रहा है। आरोप है कि हवाला के जरिए मिले पैसे सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और यूट्यूबर्स को देते थे, ताकि वे गुजरात सरकार के विरोध में माहौल तैयार करें और सामाजिक विभाजन को बढ़ावा दें। इस मामले में आयकर विभाग ने भी जांच शुरु की है। जांचकर्ताओं का कहना है कि आरोपियों ने सूरत के महिधरपुरा इलाके में एक अंगड़िया से कई बार 15-20 लाख तक की रकम प्राप्त की।

कोलकाता के आनंदलोक अस्पताल में भीषण आग... 75 से 80 मरीजों को बाहर निकाला गया

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के मशहूर आनंदलोक अस्पताल में भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग ने अस्पताल की कई मंजिलों को अपनी चपेट में ले लिया, जिसके बाद तत्काल राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। शुरुआती जानकारी के अनुसार, आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है और इसकी जांच जारी है। आग लगने के बाद अस्पताल में भर्ती मरीजों को तुरंत सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया गया। स्ट्रेचर और व्हीलचेयर की मदद से करीब 75 से 80 मरीजों को बाहर निकालकर पास की इमारतों में पहुंचाया गया।

देश में गर्मी ने पकड़ा जोर, कई जगह पारा 45 डिग्री पर पहुंचा, विदर्भ में लू की मार

-उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत के अलग-अलग इलाकों में हीटवेव की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कई हिस्सों में गर्मी का प्रकोप शुरू हो गया है। यूपी के बांदा में 17 अप्रैल को 45 डिग्री तापमान दर्ज करने वाला पहला शहर बना गया। विदर्भ के वर्धा में भी तापमान 45 डिग्री तक पहुंच गया है। दिल्ली में भी भीषण गर्मी को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। कई इलाकों में हीटवेव की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, विदर्भ और पूर्वी उत्तर प्रदेश में गर्मी का असर साफ दिखाई दे रहा है। नागपुर, गोंदिया, अमरावती समेत कई इलाकों में पारा 40 डिग्री से ऊपर पहुंच रहा है। पूरा विदर्भ क्षेत्र लू की मार झेल रहा है। इसके अलावा प्रयागराज, वाराणसी, सुल्तानपुर और फुर्सतगंज में लू का असर देखा जा सकता है। आने वाले दिनों में भी विदर्भ, मराठवाड़ा और मध्य महाराष्ट्र में तापमान ज्यादा रह सकता है।

पूर्वी उत्तर प्रदेश और आसपास के इलाकों में कुछ स्थानों पर तापमान 45 डिग्री तक पहुंच सकता है। 21 से 24 अप्रैल के बीच ओडिशा में भी तापमान बढ़ने के आसार हैं, बताया जा रहा है, फिलहाल गुजरात के कुछ हिस्सों में तापमान ज्यादा नहीं बढ़ेगा। इस हफ्ते पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली के कुछ हिस्सों में भी लू की स्थिति बनने के आसार जताए जा रहे हैं।

आईएमडी के मुताबिक इस साल अप्रैल के तापमान में एक नया ट्रेंड देखने को मिला है। बीते सालों में जहां अप्रैल की शुरुआत में ही गर्मी का भयानक कहर शुरू हो जाता था, इस बार गर्मी का असर देर से महसूस हुआ है। साल 2026 में अप्रैल महीने में 16 अप्रैल को अधिकतम तापमान 40.3 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि 17 अप्रैल को यह बढ़कर 41.0 डिग्री पहुंच गया था। वहीं, साल 2025 में अप्रैल की शुरुआत में ही तापमान 40 डिग्री के पार चला गया था।

नई दिल्ली (सफदरजंग) के आंकड़ों के मुताबिक पिछले कुछ सालों में अप्रैल महीने का सबसे ज्यादा तापमान 43.5 डिग्री रहा, जो 29 और 30 अप्रैल 2022 को दर्ज किया गया था। वहीं, नई दिल्ली (पालम) में पिछले पांच सालों में अप्रैल का सबसे ज्यादा तापमान 44.0 डिग्री दर्ज किया गया, जो 30 अप्रैल 2022 को रिकॉर्ड हुआ था। बता दें, भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक मंगलवार को दिल्ली में हीटवेव की स्थिति बनी रह सकती है। ज्यादा पारा 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। इसके अलावा आने वाले दिनों में उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत के अलग-अलग इलाकों में हीटवेव की संभावना है। पंजाब, पूर्वी राजस्थान, विदर्भ और छत्तीसगढ़, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली के कुछ इलाकों में 24 अप्रैल तक और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 25 अप्रैल तक हीटवेव का अलर्ट जारी किया है।

अनुमान लगाया जा रहा है कि वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के प्रभाव से 23 अप्रैल के आसपास एक नया सिस्टम पश्चिमी हिमालय तक पहुंचेगा, हालांकि इसका असर मुख्य रूप से पहाड़ी इलाकों तक ही सीमित रहने की संभावना है। दिल्ली में कुछ दिनों तक हल्के बादल छाए रह सकते हैं। दिल्ली और आसपास के इलाकों में हीटवेव जैसी स्थिति बनने की प्रबल संभावना है, और कुछ स्थानों पर तापमान 44डिग्री तक पहुंच सकता है।

नारी के हक को जिस-जिसने मारा है उसका सर्वनाश हुआ है : आचार्य प्रमोद

-देश में सबसे ज्यादा समस्या पैदा करने का काम राहुल गांधी कर रहे हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस से नाता तोड़ चुके सीनियर नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने महिला आरक्षण बिल को लेकर पार्टी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि देश की सबसे बड़ी समस्या अब राहुल गांधी बन चुके हैं। चाहे महिलाओं की बात हो, 370 की बात हो, तीन तलाक की बात हो, चुनाव आयोग की बात हो, सबसे ज्यादा समस्या पैदा करने का काम राहुल गांधी कर रहे हैं। कांग्रेस के नेता रह चुके आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि जो नारी शक्ति का सम्मान नहीं करेगा, उसका पतन सुनिश्चित है। पूरे देश के अंदर कश्मीर से कन्याकुमारी तक, अटक से कटक तक भारत की नारी एक ही नारा लगा रही है कि राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्ष ने नारी शक्ति का अपमान किया है। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि राहुल गांधी को यह पता चल चुका है कि देश की उन्होंने आधी आबादी के हकों को मारने का काम किया है। पीएम मोदी महिलाओं का सम्मान करना चाहते थे, लेकिन राहुल गांधी ने उसका विरोध किया। जबसे यह सृष्टि बनी है, तबसे लेकर आज तक नारी का अपमान जिस, जिसने किया है। नारी के हक को जिस-जिसने मारा है उसका सर्वनाश हुआ है। कृष्णम ने कहा कि राहुल गांधी ने जब से महिलाओं का अपमान किया है, उनकी आत्मा मन ही मन उन्हें कचोट रही है और वह अनर्गल बातें कर रहे हैं। सच बात यह है कि देश की जनता और खासतौर पर माताएं-बहनें अब कांग्रेस के पुतले जला रही हैं। उससे डरकर राहुल गांधी का मानसिक संतुलन बिगड़ चुका है।

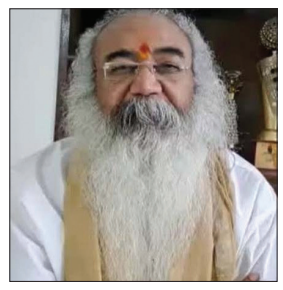

हाईकोर्ट ने मोहन भागवत की जेड प्लस सुरक्षा पर खर्च को लेकर याचिका खारिज की

-याचिकाकर्ता की मंशा पर जताई शंका, सार्वजनिक धन के दुरुपयोग के आरोप नहीं माने

नागपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत को मिली जेड प्लस सुरक्षा पर होने वाले खर्च को लेकर दायर जनहित याचिका को बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर खंडपीठ ने खारिज कर दिया है। अदालत ने न केवल याचिका को अस्वीकार किया, बल्कि याचिकाकर्ता की मंशा पर भी सवाल उठाए।

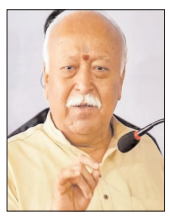

यह मामला हाईकोर्ट की नागपुर पीठ के समक्ष आया था, जहां मुख्य न्यायाधीश जस्टिस श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति जस्टिस अनिल किलोर की पीठ ने सुनवाई की। याचिका में दावा किया गया था कि भागवत को दी गई जेड प्लस सुरक्षा पर हर महीने लगभग 40 से 45 लाख रुपये खर्च हो रहे हैं, जो करदाताओं के पैसे का दुरुपयोग है। नागपुर निवासी ललन सिंह द्वारा दायर इस याचिका में कहा गया था कि चूंकि आरएसएस एक पंजीकृत संगठन नहीं है, इसलिए उसके प्रमुख को दी जा रही सुरक्षा का खर्च सरकार की बजाय संगठन को वहन करना चाहिए। याचिकाकर्ता ने अदालत से अनुरोध किया था कि इस खर्च की भरपाई संघ से कराई जाए। याचिका में मुकेश अंबानी से जुड़े एक मामले का भी हवाला दिया गया, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने 2023 में निर्देश दिया था कि उन्हें दी गई जेड प्लस सुरक्षा का खर्च उनके परिवार द्वारा उठाया जाए। हालांकि, हाईकोर्ट ने इस तर्क को स्वीकार नहीं किया और याचिका को खारिज करते हुए याचिकाकर्ता के इरादों पर सवाल उठाए। अदालत ने संकेत दिया कि इस तरह की याचिकाएं जनहित के नाम पर दाखिल की जाती हैं, लेकिन उनके पीछे वास्तविक उद्देश्य संदिग्ध हो सकता है।

गौरतलब है कि मोहन भागवत की सुरक्षा को जून 2015 में बढ़ाकर जेड प्लस श्रेणी में किया गया था, जिसके बाद उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी सीआईएसएफ को सौंप दी गई थी। इससे पहले उनकी सुरक्षा महाराष्ट्र पुलिस के पास थी। उल्लेखनीय है कि उन्हें पहली बार 2012 में तत्कालीन यूपीए सरकार के दौरान जेड प्लस सुरक्षा प्रदान की गई थी, जब सुशील कुमार शिंडे देश के गृहमंत्री थे।

तमिलनाडु चुनाव: स्टालिन की होगी वापसी, बीजेपी खाता खुलना भी मुश्किल !

-डीएमके गठबंधन को 120 से 140 तो एआईएडीएमके को मिल सकती है 90 सीटें

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की 234 सीटों पर 23 अप्रैल को मतदान होना है। सरकार बनाने के लिए 118 सीटें की जरुरत होती है। मुकाबला डीएमके और एआईएडीएमके के बीच है। एक तरफ सीएम एमके स्टालिन का द्रविड़ियन मॉडल और उनकी पॉपुलर योजनाएं हैं, दूसरी तरफ जयललिता की विरासत संभाल रही एआईएडीएमके और बीजेपी गठबंधन है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तमिलनाडु में स्टालिन सरकार की वापसी हो सकती है। डीएमके गठबंधन को 120 से 140 सीटें मिल सकती हैं। इनमें डीएमके को 100 से 110, कांग्रेस को 10 से 15 और गठबंधन की बाकी पार्टियों को 10 से 15 सीटें मिल सकती हैं। 2021 में डीएमके को 133 और कांग्रेस को 18 सीटें मिली थीं। गठबंधन ने 159 सीटें जीती थीं। डीएमके ने

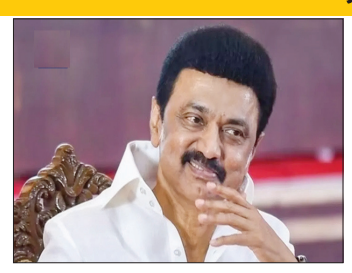

अपने दम पर बहुमत हासिल किया था। वहीं दूसरी बड़ी पार्टी एआईएडीएमके के गठबंधन को 90 से 100 सीटें मिल सकती हैं। एआईएडीएमके को 70 से 80 सीटें मिलने के आसार हैं। 27 सीटों पर लड़ रही बीजेपी का खाता खुलना मुश्किल दिख रहा है, लेकिन पार्टी ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया, तो 5 सीटें मिल सकती हैं। कोयंबटूर साउथ, तिरुनेलवेली, नागरकोइल, मोडाकुरिची और कारैकुडी सीट पर जीत के ज्यादा चांस हैं। गठबंधन की बाकी पार्टियों को 5 से 10 सीटें मिल सकती हैं। 2021 में एआईएडीएमके ने 66 और बीजेपी ने 4 सीटें जीती थीं। गठबंधन को सिर्फ 75 सीटें मिली थीं। रिपोर्ट के मुताबिक तमिल फिल्मों से सुपरस्टार थलापति विजय की नई पार्टी टीवीके का कोई खास असर नजर नहीं आ रहा है। पार्टी को 5 से 15 सीटें मिल सकती हैं। हालांकि पार्टी का वोट शेयर 12फीसदी रह सकता है। टीवीके पहली बार चुनाव लड़ रही है। पिछली बार एक्टर सीमान की पार्टी नाम तमिलर काची (एनटीके) और कमल हासन की मक्कल नीधि मय्यम (एमएनएम) का खाता नहीं खुला था। स्टालिन ने सेक्युलर प्रोग्रेसिव अलायंस को चुनाव के पहले मजबूत किया। गठबंधन को मैनेज करना उनकी सबसे बड़ी खासियत मानी जाती है। स्थानीय और जातियों वाली पार्टियों को साथ लाए। कलैगनार मगलिर उरीमाई थोगाई योजना के तहत हर महिला को एक हजार रुपए महीने दिया। ये पैसा करीब एक करोड़ महिलाओं को मिला। सरकारी बसों में महिलाओं के लिए फ्री सफर बड़ा फैक्टर है। सरकारी स्कूल से पढ़कर कॉलेज में जाने वाली लड़कियों को हर महीने एक हजार रुपए दिए गए। प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए फ्री कोचिंग, लाइब्रेरी, रीडिंग रूम, स्कॉलरशिप प्रोग्राम चलाए। इनका फायदा लेने वाले युवा फर्स्ट टाइम वोटर हैं। तमिलनाडु में करीब 12.51 लाख युवा पहली बार वोट डालेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक गठबंधन की कमजोरी कांग्रेस है। उसे 28 सीटें मिली हैं। पार्टी के स्टार प्रचारक राज्य में कम ही सक्रिय रहे। कांग्रेस ने प्रचार का पूरा जिम्मा डीएमके को सौंप दिया है।

केदारनाथ मंदिर कमेटी का फैसला...न मोबाइल, न फोटो, और न ही वीडियो या इंस्ट्राग्राम रील बनाएंगे

देहरादून। केदारनाथ मंदिर की पवित्रता और धार्मिक मर्यादा बनाए रखने के लिए मंदिर समिति ने बड़ा निर्णय लिया है। अब मंदिर परिसर में मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया है। समिति के सदस्य विनीत पोस्टी के अनुसार, श्रद्धालु मंदिर के अंदर मोबाइल नहीं ले जा सकते और न ही फोटो, वीडियो या इंस्ट्राग्राम रील बना पाएंगे। इस नियम का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होगी, जिसमें सजा का प्रावधान भी शामिल हो सकता है। इस फैसले का मुख्य उद्देश्य श्रद्धालुओं को शांतिपूर्ण और आध्यात्मिक वातावरण में दर्शन का अनुभव कराना है। देहरादून से मिली जानकारी के अनुसार, मंदिर समिति ने सभी यात्रियों से इन दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है ताकि धार्मिक स्थल की गरिमा बनी रहे। वहीं, रुद्रप्रयाग पुलिस प्रशासन ने आगामी केदारनाथ यात्रा को ध्यान में रखते हुए व्यापक यातायात प्रबंधन योजना तैयार की है। इस योजना के तहत यात्रा मार्गों पर ट्रैफिक को नियंत्रित करने, भीड़भाड़ कम करने और सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया गया है। राष्ट्रीय राजमार्गों से लेकर संपर्क मार्गों तक यातायात व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। प्रमुख स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती की जाएगी और स्थायी व अस्थायी पार्किंग की व्यवस्था भी की जाएगी ताकि जाम की स्थिति से बचा जा सके। पुलिस अधीक्षक निहारिका तोमर ने बताया कि जिले को 2 सुपर जोन और 11 सेक्टरों में बांटा गया है। साथ ही 13 मोबाइल पुलिस टीमें भी तैनात रहेंगी। जरूरत पड़ने पर वैकल्पिक मार्गों का उपयोग किया जाएगा। यह पूरी योजना श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और सुचारू यात्रा सुनिश्चित करने के लिए बनाई गई है।

अपर्णा और शाही के सपा-कांग्रेस का झंडा जलाने पर बीजेपी नाराज, पार्टी की हुई किरकिरी

-अखिलेश ने कहा था- बीजेपी वाले 12 करोड़ आबादी वाले यूपी में सिर्फ 12 महिलाएं भेजते

लखनऊ (एजेंसी)। लोकसभा में महिला आरक्षण बिल को लेकर बिल के पारित ना होने पर यूपी महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव और सदस्य ऋतु शाही ने सपा-कांग्रेस का झंडा जलाकर विरोध जताया था। अब दोनों महिला नेताओं के इस प्रदर्शन पर बीजेपी नेतृत्व नाराज है। राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव और सदस्य ऋतु शाही पर पार्टी हाईकमान ने सवाल उठाए हैं कि इससे पार्टी की किरकिरी हुई है।

बता दें 17 अप्रैल की देर रात विधानसभा के बाहर अपर्णा यादव और ऋतु शाही ने महिलाओं के साथ प्रदर्शन किया। उन्होंने सपा और कांग्रेस के झंडे जलाए और विपक्षी दलों के खिलाफ नारेबाजी की। यह प्रदर्शन संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के गिर जाने के विरोध में किया गया था। अपर्णा ने कहा था कि यह कलंकित करने वाली रात है। विपक्ष का चेहरा दिखावटी है। नारी शक्ति इन्हें कुचल देगी। सपा-कांग्रेस के नेता दुर्योधन और दुशासन जैसे हैं, इसलिए हमने उनके झंडे जलाए।

प्रदर्शन में सिर्फ 10-12 महिलाओं की मौजूदगी पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तंज कसा। उन्होंने एक फोटो शेयर कर लिखा- बीजेपी वाले 12 करोड़ महिलाओं वाले यूपी में सिर्फ 12 महिलाओं को भेजते हैं। कहा जा रहा है कि अखिलेश के इस पोस्ट ने बीजेपी को काफी शर्मिंदगी में डाल दिया, जिसकी वजह से पार्टी आला कमान दोनों ही नेताओं से नाराज है। सूत्रों के मुताबिक यूपी बीजेपी अध्यक्ष पंकज चौधरी और महासचिव धर्मपाल सिंह सहित कई बड़े नेता इस घटना से नाराज हैं। उनका कहना है कि बिना पार्टी की अनुमति के और इतनी कम संख्या में प्रदर्शन करना पूरी पार्टी को बदनाम करने जैसा था। पार्टी सूत्रों के मुताबिक अपर्णा यादव और ऋतु शाही से या तो लिखित स्पष्टीकरण मांगा जा सकता है या फिर मौखिक जवाब।

बता दें मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू अपर्णा यादव 2022 में सपा छोड़कर बीजेपी में शामिल हुई थीं। ऋतु शाही एसटीएफ के डिप्टी एसपी धर्मेश कुमार शाही की पत्नी हैं और पहले बीजेपी की गोरखपुर इकाई की महिला विंग की कोषाध्यक्ष रह चुकी हैं। बताया जा रहा है कि इस पूरे प्रकरण से बीजेपी की रणनीति को धक्का लगा है, महिला आरक्षण बिल पर विपक्ष के विरोध के बाद इसे बड़ा मुद्दा बनाने के फिराक में है। फिलहाल दोनों महिला नेताओं की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

तुम से न हो पाएगा... कहकर तेज प्रताप यादव ने राहुल गांधी पर कस दिया तंज

इंडिया गठबंधन को प्रियंका गांधी वाड्रा ही चला सकती

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बिहार के पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी से इंडिया गठबंधन नहीं चल पाएगा है। लालू के बड़े बेटे ने कहा कि प्रियंका गांधी वाड्रा इंडिया गठबंधन का नेतृत्व कर सकती हैं और उनमें यह क्षमता है। तेज प्रताप ने कहा, प्रियंका गांधी वाड्रा ही चला सकती हैं। वे इंदिरा गांधी जी की तरह हैं। राहुल गांधी से गठबंधन चलने वाला नहीं है। यात्रा निकालने से या फिर बुलेट पर बैठ जाने से गठबंधन नहीं चलता। इस तरह तेज प्रताप ने कांग्रेस के सर्वोंसर्वा राहुल गांधी पर ही सीधा सवाल उठा दिया है।

नीतीश कुमार के बिहार का मुख्यमंत्री पद छोड़ने को लेकर राहुल गांधी ने कहा था कि वह कंप्रोमाइज हुए हैं और इसकारण भाजपा के दबाव में इस्तीफा दिया है। इस

बोर में तेज प्रताप से पूछा गया, तब उन्होंने कहा कि राहुल गांधी इन्हीं सब चीजों में फंसे रहने वाले है। शुरू में बुलेट चलाते हुए उनका शौक पूरा नहीं हुआ। अब उन्हें कुर्सी पर बैठने का लालच हुआ है। वह जो कुकिंग कर रहे थे और मीट-मुर्गा बना रहे थे, वही बनाते रहें। तेज ने कहा, प्रियंका गांधी ही चला सकती हैं। राहुल गांधी जी से चलने वाला नहीं है। तेज प्रताप ने कहा कि अब नीतीश के मुख्यमंत्री पद छोड़ने पर बात कर रहे हैं। नीतीश छोड़कर गए, तब दूसरे नेता आए और सीएम बन गए। राहुल गांधी को बिहार को लेकर लालच क्यों लग रहा है। उन्हें क्या यहां पर मुख्यमंत्री का पद चाहिए।

बात दें कि तेज प्रताप यादव ने बिहार विधानसभा चुनाव में आरजेडी से बगावत की थी। वह अपने जनसत्ता दल की ओर से ही खुद लड़े थे और कैंडिडेट भी उतारे थे। हालांकि तेज प्रताप यादव खुद हार गए थे और उनके उतारे किसी कैंडिडेट को भी जीत नहीं मिली थी। तेज प्रताप अपने छोटे भाई तेजस्वी यादव के खिलाफ चुनाव में सीधे हमले करते नहीं दिखे थे, लेकिन उनके करीबियों पर खूब बाण चलाए थे। इतना ही नहीं उनकी बहन रोहिणी आचार्य भी अक्सर सोशल मीडिया पर तेज प्रताप का ही समर्थन करती दिखती हैं। बता दें कि आरजेडी में इस फूट को भी हार की एक वजह माना जाता है।

भारत और रुस एक-दूसरे के देशों में हजारों सैनिक, फाइटर जेट और वॉरशिप तैनात करने की तैयारी में

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका-ईरान जंग के बीच एक बड़ी हलचल हुई है। जिसका ध्यान पूरी दुनिया से खींचा है। दरअसल भारत और रूस एक दूसरे की जमीन पर अपने हजारों सैनिक, फाइटर जेट और वॉरशिप तैनात करने की तैयारी शुरू कर रहे हैं। बता दें कि भारत और रूस के बीच रीलॉस यानी कि रेसिप्रोकल एक्सचेंज ऑफ लॉजिस्टिक सपोर्ट समझौता पूरी तरह से लागू हो गया है। इसके तहत दोनों देश एक दूसरे के एयरबेस, नेवल बेस और सैन्य ठिकानों का इस्तेमाल कर सकते हैं और वह भी पूरी सफाई के साथ ऑपरेशन कर सकते है। इस डील की सबसे बड़ी ताकत इसकी क्षमता है। अब दोनों देश एक साथ 3000 सैनिक, 10 मिलिट्री एयरक्राफ्ट और पांच वॉरशिप्स एक दूसरे के क्षेत्र में तैनात कर सकते हैं। लेकिन असली खेल सिर्फ तैनाती नहीं है बल्कि उस तैनाती को मिलने वाला पूरा सपोर्ट है। यानी कि रिफ्यूलिंग, रिपेयर, मेंटेनेंस, मेडिकल और ट्रांसपोर्ट यानी पूरी युद्ध मशीन को कहीं भी चलाने की ताकत।

अब भारत की सेना सिर्फ अपने क्षेत्र तक सीमित नहीं बल्कि जरूरत पड़ने पर दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में तेजी से ऑपरेट कर सकती है। बात दें कि आज दुनिया एक नए पावर गेम में है। जहां हर देश अपने सप्लाई रूट्स और मिलिट्री रीच को सुरक्षित करने में लगा है। दूसरी वजह दुनिया भर में चीन का बढ़ता असर है। चीन लगातार एशिया और इंडोपेसिफिक में अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है। इसके बाद भारत के लिए अपनी मौजूदगी बढ़ाना जरूरी था। तीसरी वजह रूस की रणनीति को मना जा रहा है। पश्चिमी दबाव के बीच रूस को इसतरह के पार्टनर की जरूरत थी जिस पर भरोसा कर सके और भारत रुस के लिए दुनिया में सबसे भरोसेमंद दोस्त है। इस बीच भारत ने जो रास्ता चुना है वह सबसे अलग है ना पूरी तरह किसी एक के साथ और ना किसी के खिलाफ बल्कि अपने हितों के हिसाब से हर बड़े देश के साथ संतुलन बनाकर चलना।

रूस के पास आर्कटिक से लेकर यूरोप तक फैले सैन्य बेस है और इस डील के बाद भारत को इन इलाकों में एक्सेस मिल सकता है। खासकर आर्कटिक जहां भविष्य के नए समुद्री रास्ते बन रहे हैं। यानी आने वाले समय में व्यापार और संसाधनों पर सीधा असर होगा। दूसरा लॉजिस्टिक मतलब रियल पावर मिलना है। युद्ध सिर्फ हथियारों से नहीं बल्कि सप्लाई से भी जीता जाता है। अब भारत और रूस एक दूसरे को फ्यूल, रिपेयर बेस सपोर्ट दे सकते हैं। मतलब जहां जरूरत वहां ऑपरेशन आसान। तीसरा स्ट्रेटेजिक ऑटोनोमी जिसका पहले हमने जिक्र किया। यानी कि भारत ने अमेरिका के साथ एलई एमओए किया और अब रूस के साथ रिलोस। मतलब साफ है भारत किसी एक गुट में नहीं बल्कि हर बड़ी ताकत के साथ संतुलन बनाकर चल रहा है।

मुख्यमंत्री द्वारा निवेश को प्रोत्साहित करने और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के लिए वैश्विक स्तर पर प्रयास जारी

कौमी पत्रिका

चंडीगढ़, 21 अप्रैल। निवेश को प्रोत्साहित करने और अंतरराष्ट्रीय साझेदारी को और मजबूत करने के उद्देश्य से वैश्विक स्तर पर प्रयास जारी रखते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान आर्थिक सहयोग को और मजबूत करने और लोगों के बीच आपसी संपर्क को बढ़ावा देने के लिए सक्रिय प्रयास जारी हैं। नीदरलैंड्स-इंडिया चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड ट्रेड की चेयरपर्सन मिस एडिथ नॉर्डमैन के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल के साथ रणनीतिक बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने पंजाब और नीदरलैंड्स के बीच द्विपक्षीय व्यापार संबंधों को बढ़ाने और निवेश प्रवाह को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया। उन्होंने वैल्यू एडिशन, निर्यात आधारित विकास और वैश्विक सप्लाई चेन के साथ तालमेल, विशेष रूप से फूड प्रोसेसिंग और मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों में पंजाब के रणनीतिक फोकस को भी रेखांकित किया। भगवंत सिंह मान ने एनआईसीसीटी से पंजाब को डच उद्योगों से जोड़ने और क्षेत्र-विशेष भागीदारी तथा व्यापारिक प्रतिनिधिमंडलों को सक्रिय करने की अपील की। इस दौरान हेग में आयोजित निवेश रोड शो में मुख्यमंत्री ने राज्य की औद्योगिक ताकत और उभरते अवसरों को प्रस्तुत किया, जिसमें नीदरलैंड्स के उद्योगपतियों, व्यापार प्रतिनिधियों और साझेदारों ने भाग लिया। उन्होंने वैल्यू एडेड मैन्युफैक्चरिंग, औद्योगिक विकास और निर्यात आधारित वृद्धि की दिशा में पंजाब के बदलाव पर प्रकाश डाला। साथ ही राज्य के मजबूत बुनियादी ढांचे—जिसमें अनुकूल औद्योगिक माहौल, कुशल कार्यबल, प्रगतिशील नीतियां और निवेशक-अनुकूल प्रशासनिक ढांचा शामिल है—को भी प्रदर्शित किया। मुख्यमंत्री ने पंजाब और नीदरलैंड्स के बीच ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों का भी उल्लेख किया, जो खुलेपन और नवाचार के साझा मूल्यों को दर्शाते हैं। उन्होंने निवेश को बढ़ावा देने और कारोबार करने में आसानी के प्रति राज्य सरकार की सक्रिय और सुधारवादी दृष्टिकोण पर जोर देते हुए कहा कि औद्योगिक और व्यापार विकास नीति 2026 देश की सबसे प्रतिस्पर्धी नीतियों में से एक है। भगवंत सिंह मान ने फास्ट ट्रैक पंजाब पोर्टल के माध्यम से सिंगल-विंडो क्लीयरेंस और समयबद्ध स्वीकृतियों की प्रभावशीलता पर भी प्रकाश डाला। मुख्यमंत्री ने पंजाब और नीदरलैंड्स के बीच साझा सांस्कृतिक मूल्यों और उद्यमशीलता की भावना की सराहना करते हुए वैश्विक निवेशकों को पंजाब आए, निवेश कीजिए और आगे बढ़िए का आह्वान किया। उन्होंने राज्य के रणनीतिक लाभों को उजागर करते हुए निवेश को सहज बनाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। साथ ही उच्च गुणवत्ता वाले बुनियादी ढांचे, प्रगतिशील किसानों और वैश्विक मानकों के अनुरूप कुशल मानव संसाधन जैसी विशेषताओं पर भी जोर दिया। भगवंत सिंह मान ने डच कंपनियों को नए निवेश के लिए पंजाब को संभावित गंतव्य के रूप में चुनने का निमंत्रण दिया। एक सामुदायिक कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रवासी पंजाबियों से संवाद किया, जिससे सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने और लोगों के बीच जुड़ाव को गहरा करने का अवसर मिला। उन्होंने नीदरलैंड्स में भारतीय और पंजाबी समुदाय के योगदान की सराहना की, जो सांस्कृतिक और आर्थिक संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस अवसर पर उन्होंने उनके सुझाव भी आमंत्रित किए और पंजाब के विकास में प्रवासी समुदाय को महत्वपूर्ण भागीदार बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा, मुख्य सचिव के.ए.पी. सिन्हा, नीदरलैंड्स में भारत के राजदूत कुमार तुहिन सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अखिल भारतीय कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। 19 अप्रैल को जगदीश टावर न्यू उस्मानपुर दिल्ली -53 पर भगवान परशुराम जयंती के अवसर

पर स्वामी कृष्णानंद आर्य बालाश्रय चैरिटेबल ट्रस्ट एवं ब्राह्मण समाज ने हिन्दी अकादमी दिल्ली सरकार के सहयोग से एक अखिल भारतीय कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। जिसमें दिल्ली की पूर्व मेयर और वर्तमान में चेयरमैन स्टैंडिंग कमेटी दिल्ली नगर निगम श्रीमती सत्या शर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज की। इस अवसर देश के सुप्रसिद्ध कवि शैल भदावरी (दिल्ली), डॉ राधे श्याम मिश्रा (कानपुर), दीपक गुप्ता (फरीदाबाद) , डॉ अशोक मधुप (नोएडा), डॉ अनिल वाजपेई (हापुड़), प्रशांत उपाध्याय (शिकोहाबाद), कवयित्री संध्या त्रिपाठी (लखनऊ), प्रीति अग्रवाल (मुज्जफर नगर), युवा कवि दीपक दीप (गाजियाबाद) और अनुगग शर्मा (भिण्ड) शानदार काव्य पाठ कर के श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर क्षेत्रीय पूर्व विधायक श्री दत्त शर्मा, राष्ट्रीय सवर्ण परिषद अध्यक्ष डा. सुरेन्द्र तोमर, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी घोण्डा अध्यक्ष अनिल कुमार शुक्ला, आर डब्लू ए उस्मानपुर अध्यक्ष रमेश चंद पाण्डेय, मण्डल अध्यक्ष शांतनु मिश्रा, सुन्दर शास्त्री (ट्रस्टी-स्वामी कृष्णानंद ट्रस्ट), मंडल महामंत्री भाजपा दिवाकर पाण्डेय सहित अन्य अनेकों गणमान्य लोगों की गरिमामई उपस्थिति ने आयोजन को भव्य और दिव्य बना दिया।

नाम परिवर्तन
मैं, कुश कुमार पुंडीर, पुत्र श्री राकेश कुमार, निवासी ग्राम एवं डाकघर रंखंडी, तहसील देवबंद, जिला सहारनपुर, पिन कोड - 247554, यह घोषणा करता हूँ कि मैंने अपना नाम कुश कुमार पुंडीर से बदलकर कुश कुमार रख लिया है। अतः भविष्य में मुझे कुश कुमार के नाम से ही जाना जाएगा।

NAME CHANGE
I, GITESH S/o Ajay Kumar R/o 9-A/2, Rajiv Colony, B-Block, New Anaj Mandi, Najafgarh, Delhi-110043, have changed my name to GITESH LAKRA permanently

NAME CHANGE
I, NO-15791540H, Rank-HAV (Gnr), Name-PRAJAPATI SEVANTILAL ISVARBHAI residing at 34, CHAUDHARI VAS, SARKARPURA, PATAN, GUJARAT-385340, have changed my wife's name from GODAVARIBEN to GODAVARIBEN SEVANTILAL PRAJAPATI for all future purposes Vide Affidavit dated 21/04/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, KUNWAR PAL SINGH Father of No-15723021F Rank-LOCNK Name-RISHI PAL SINGH Residing at VILL-MANPUR, PO-MAUR, DISTT-ALIGARH, UTTAR PRADESH-202137, have changed my name from KUNWAR PAL SINGH to KUMARPAL for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/01/1960 instead of my correct date of birth as 01/01/1964 vide Affidavit dated 21/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, SHRIMATI DEVI Mother of No-15723021F Rank-LOCNK Name-RISHI PAL SINGH Residing at VILL-MANPUR, PO-MAUR, DISTT-ALIGARH, UTTAR PRADESH-202137, have changed my name from SHRIMATI DEVI to SHRIMATI for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 02/02/1962 instead of my correct date of birth as 01/01/1967 vide Affidavit dated 21/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Mr. ASHUTOSH S/o Shashi Bhushan Kumar Thakur aged about 30 yrs, R/o A-10 Upper Ground Floor, Ayodhoya Apartment, Khassra No: 149/1 Export Enclave, Develi, Ambedkar Nagar, New Delhi-110080 have changed my name from ASHUTOSH to ASHUTOSH BHARDWAJ and henceforth I shall be known as the ASHUTOSH BHARDWAJ for all purposes.

NAME CHANGE
It is for general information that I, MOHD MOVEEN SAIFI S/o HANEEF SAIFI R/o House No – E – 146 , Gali No – 6 Sangam Vihar , South , Pushpa Bhawan , South Delhi , Delhi , 110062 declare that the name of mine has been wrongly written as MOHAMMAD MOVEEN SAIFI in my minor daughter namely SIMMI aged 16 years in her 10th Class Educational Documents . The actual name of mine is MOHD MOVEEN SAIFI Which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, NITISH S/o RAM NATH R/o D 1048 J J Colony Bawana , North West Delhi , Delhi-110039 do hereby undertake that I NITISH want to change my name to NISHU and gender as Female. I, NITISH henceforth by known as NISHU D/o RAM NATH.

NAME CHANGE
I,NISHA CHHABRA W/O AMIT KUMAR R/O 7202/2 WARD NO.18 SHASTRI NAGAR ROHTAK HARYANA-124001.HAVE CHANGED MY NAME TO NISHA.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Gayatri Adhikari alias Gayatri Bisht D/o Kundan Singh Adhikari Ex. W/o Pramod Singh Bisht R/o 108- E, Pocket - 1, Near Ram Mandir, Mayur Vihar - 1, Mayur Vihar Ph-1, East Delhi, Delhi - 110091 declare that I got divorce from my husband vide court decree HMA No. 1800/2025, dated - 20/11/2025. Further I have changed my name and shall hereafter be known as Gayatri Adhikari in future for all purposes

सार्वजनिक सूचना
मेरे मुवक्किल सुनीता यादव, पत्नी सुरिंदर कुमार, पता:- 30/963, डी. डी. ए. फ्लैट्स, मदनगीर, अम्बेडकरनगर साउथ दिल्ली, दिल्ली-110062 ने अपने पुत्र श्री नीरज तोशार और पुत्री नम्रता से उनके दुर्व्यवहार के कारण सभी संबंध तोड़ कर अपनी सभी चल-अचल संपत्तियों से बेदखल कर दिया है। भविष्य में अपने कृत्यों के लिए ये लोग स्वयं जिम्मेदार होंगे।

रवीन्द्र तिवारी, अधिवक्ता
चैम्बर नम्बर 642 ए, लायर्स ब्लॉक, साकेत कोर्ट, दिल्ली-110017,
मोबाइल- 997/120211

COURT NOTICE
IN THE COURT OF SH. HARUN PRATAP, LD. PO (MACT)-02 ROOM NO. G-4, GROUND FLOOR, NEW COURT BUILDING SHAHDARA DISTRICT, KARKARDOOMA COURT, DELHI

NOTICE FOR PUBLICATION
(U/O 5 RULE 20 CPC)
MACT NO. 400/2022
FIR NO-120/2022
PS-NARSAINA, BULANDSHAHAR
NEXT DATE OF HEARING
01.07.2026

NEPALI
VS.
NEW INDIA INSURANCE CO. LTD.

To
RINKI, D/O SH. OM PARKASH
R/O H.NO. 343, BRAHAMPURI, MUZAFFAR NAGAR CIVIL LINE, U.P-251002 (OWNER) R3

WHEREAS the above noted claim petition U/s 166 & 140 of Motor Vehicle Act is pending before the court of undersigned and you are hereby informed through this notice to appear in person or through pleader on the next date of hearing i.e 01.07.2026 at 10.00 AM under my hand and seal of this court on 17.04.2026.

PO (MACT)-02
SHAHDARA DISTRICT,
KARKARDOOMA COURT, DELHI

NAME CHANGE
I, AVINASH KUMAR MISHRA S/o BALMUKUND MISHRA R/o E-1, 759, GALI NO-19, SONIA VIHAR, KARAWAL NAGAR, DELHI-110094. have changed my name to AVINASH MISHRA

NAME CHANGE
I, CHANDRA Mother of No-15753862Y Rank-SIGMN Name-VIJAYAKUMAR M residing at 6/69 VILL-MODIKUPPAM, PO-NAKKALPATTI, TEHSIL-BARGUR, DIST-KRISHNAGIRI, TAMIL NADU-635203, have changed my name from CHANDRA to CHANDHRA MANI for all future purposes vide Affidavit dated 21/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I, NEHA JINDAL alias NEHA D/o RAJESH KUMAR JINDAL EX. wife of SANJAY KUMAR VERMA, R/o D-1/30 Model Town-2, Near Sanatan Dharam Mandir, PO: GTB Nagar,Dist: North West Delhi, Delhi-110009 declare that I got divorce from my husband Vide HMA No.1896/2023 Dated by Family Court, East District, Kakardooma, Delhi, Further I have changed the name of my minor daughter namely YAGYANIKA VERMA, aged 10 years and she shall hereafter be known as YAGYA JINDAL.

NAME CHANGE
I, SIMRAN GOGNA W/O ABHINAV GOGNA, R/O A-151, LOK VIHAR, PITAM PURA, DELHI-110034, have changed the name of my minor son VERAJ GOGNA, aged 07 years and he shall hereafter be known as VIRAJ GOGNA. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

Public Notice
It is for general information that I Prience Mondal S/O PRADIP KUMAR MONDAL, residing at 39thBN, ITBP force Lakhawali camp Surajpur Gr noida Gautambudh Nagar Uttar pradesh 201306 ,Permanent Address-Shridharpur, PO: Ghola, DIST: Nadia, West Bengal - 741238, declare that name of mine my father and my Mother have been wrongly written as Prience Mandal, Pradip Kumar Mandal in my 12th class educational documents The actual name of mine, my father and my Mother are Prience Mondal, Pradip Kumar Mondal and Iti Mondal,respectively which may be amended accordingly.

Public Notice
I hitherto known as Divyanshu Tiwari S/O Jagmohan Tiwari, R/O R-147, R Block, Mohan Garden, Uttam Nagar, West Delhi, Delhi 110059, have changed my name and shall hereafter be known as CHANDRA DUTT.

NAME CHANGE
I, PRAMILA KUMARI Daughter of JC-369194X Rank-SUB MAJ (HONY) Name-R N PANDEY (Retd) residing at ISMAIL CHAK, PO-GOVIND-CHAK, SONPUR, DIST-SARAN, BIHAR-841101, have changed my name from PRAMILA KUMARI to SEEMA KUMARI for all future purposes vide Affidavit dated 21/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, TULSH RAM, S/O LATE VISHAN LAL DOB-01/01/1950, resident of Radha Krishan Mandir, D-186, bharat Vihar Road, Madhu Vihar, West Delhi, Delhi-110059, declare That I am the Father of Dinesh Rathor, D.O.B-05/06/1989, presently resident of House no. G/127 Gali No. 26 Raja Puri, Uttam Nagar, District West Delhi, Delhi-110059, Ph. 9990539893, AADHAR NO.428336558413.

That my son DINESH RATHOR and his wife namely RAJESHWARI RATHORE, D.O.B: 15/04/1994, Aadhar No. 719040312549, presently resident of House no. G/127 Gali No. 26 Raja Puri, Uttam Nagar, District- West Delhi, Delhi-110059, Ph. 9990539893, AADHAR NO.428336558413, have been continuously disobeying me and have caused me immense mental agony and harassment.

That despite my repeated requests and attempts to maintain family harmonymy son DINESH RATHOR and his wife namely RAJESHWARI RATHORE have shown complete disregard for my feelings and welfare.That due to their persistent disobedient behavior and lack of respect, I am left with no choice but to formally disown them.

That I hereby declare that I am severing all my relations with my son DINESH RATHOR and his wife namely RAJESHWARI RATHORE with immediate effect.That I will not be responsible for any of their acts, deeds, debts, liabilities, or any legal consequences arising from their actions.That they shall have no claim, right, title, or interest in any of my properties, movable or immovable, present or future.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि हमारी ग्राहक आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि हमारे क्लाइंट श्री मोहम्मद असगर पुत्र श्री मोहम्मद अलीम ग्राउंड फ्लोर पर छत के अधिकार के बिना फ्रीहोल्ड कमर्शियल शॉप के मालिक हैं, जिसका क्षेत्रफल 25.64 वर्ग मीटर है, जो संपत्ति क्रमांक बीबी-367/1 पर निर्मित है, जो अशोक बस्ती, नबी करीम, पहाड़गंज, नई दिल्ली-110055 में स्थित है। विक्रय विलेख दिनांक 01.08.2025 के आधार पर, दस्तावेज़ संख्या 2025/24/आई/7518, पुस्तक संख्या 01, खंड संख्या 22532, पृष्ठ संख्या 119-140 के आधार पर दिनांक 01.08.2025 को एसआर-III, केंद्र आसफ अली, दिल्ली में, नीचे दिए गए श्रृंखला दस्तावेज़ में पूर्ण मालिक था। दस्तावेज़ उपलब्ध नहीं हैं यानी (1) स्वर्गीय श्री प्रताप सिंह की एसएमसी स्वर्गीय श्री सुखी राम पुत्र, (2) स्वर्गीय श्रीमती शारदा उर्फ ओमपति पुत्री स्वर्गीय श्री प्रताप सिंह का मृत्यु प्रमाण पत्र और एसएमसी 09.02.2018 को निधन हो गया है, अब हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, और इसे उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड शाखा- राज नगर, उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तपोषित किया गया है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकार@स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 14 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE
I, SHARDA is legally MOTHER OF No. 2806244X Rank- HAV Name- GHORPADE SUDHIR JAGANNATH presently residing at VILL-SHIRDHON,POST- SHIRDHON,TEH- KOREGAON, DIST-SATARA,STATE MAHARASHTRA, PIN-415501 have changed my name from SHARDA to SHARDA JAGANNATH GHORPADE and date of birth from 09/09/1960 to 01/06/1964 for all future purposes. Vide affidavit dated 21/04/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, SANGITA is Legally wife of No. 2809675P Rank - NK Name - Man Bahadur B K VILL- WARD NO 5 AMBEDKAR NAGAR,POST- NAUTANWA BAZAR, TEH-NAUTANWA , DIST-MAHARAJGANJ, (UTTARPRADESH) PIN-273164 have changed my name from SANGITA to SANGITA B K And Date of birth from 10/07/1993 for all future purposes. Vide affidavit dated 18/04/2026 before Public Notary Delhi India.

NAME CHANGE
I, ROUNAK SINGH S/O NARENDAR SINGH R/O RZ-H-3,80/3, FLAT NO-301, MAHAVIR ENCLAVE, BENGALI COLONY, PALAM, SOUTH WEST DELHI,DELHI-110045, HAVE CHANGED MY NAME TO ROUNAK SINGH TANWER FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE
I, AVNI D/O ANIL CHAUDHARY R/O 401,AB3, MAPSKO CASABELLA, SECTOR-82, GURGAON, HARYANA-122004, HAVE CHANGED MY NAME TO AVNI CHAUDHRY FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, ANIL CHAUDHARY S/O NARINDER SINGH CHAUDHRY R/O 401,AB3, MAPSKO CASABELLA, SECTOR-82, GURGAON, HARYANA-122004, HAVE CHANGED MY NAME TO ANIL KUMAR CHAUDHRY FOR ALL FUTURE PURPOSES

PUBLIC NOTICE
This is to inform to the public at large that my Client Mr. Shahid S/o Jaan Mohd R/o- V-120, Street No.22-B, Vijay Park, Maujpur, Delhi-110053, My client has severed all her family relations from his Son namely Mohd Shaad S/o Shahid, R/o-V-120, Street No.22-B, Vijay Park, Maujpur, Delhi-110053, and disowned and debarred from his all moveable and immoveable properties due to their bad, unfaithful, disrespectful behavior. Henceforth, My Client and his that will be informed to the SHO, PS Bhajanpura.

DINESH KUMAR KASHYAP (ADVOCATE)
High Court & District Court of Delhi.
Ch. No.T-16 Patiala House Court & Tis Hazari Court, New Delhi

PUBLIC NOTICE
GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT ORIGINAL SALE DEED DT. 08.05.2024 EXECUTED BY MR. NAKUL CHUDHARY IN FAVOUR OF MR. SHRESTH CHANDRA IN RESPECT OF PLOT NO. A-45 AREA 80 SQ. YARDS OUT OF KHASRA NO. 372, SITUATED IN VARDHMANPURAM COLONY PHASE-4, VILLAGE MORTA, GHAZIABAD, U.P. (SAID PROPERTY), (SALE REGD. VIDE DOC. NO. 5518, VOL. NO. 18733, ON PAGES 107-130, SRO-3-GHAZIABAD) HAS BEEN LOST BY THE CURRENT OWNER MR. KULDEEP SINGH TYAGI S/O MR. SATENDRA KUMAR TYAGI, R/O, SE-399-A, SHASTRI NAGAR, GHAZIABAD, U.P. AND SAID OWNER MR. KULDEEP SINGH TYAGI PURCHASED THE SAID PROPERTY VIDE SALE DEED DT. 11.02.2026 EXECUTED BY MR. SANJAY TYAGI. NOW MRS. ROOPAM GAUTAM C/O MR. GARUN CHAKRAPANI R/O MINAKSHI VILAS, TOWER WALI KOTHI, ANAND NAGAR, TUNDLA, FIROZABAD, U.P. IS GOING TO PURCHASE THE SAID PROPERTY, FROM OWNER / SELLER MR. KULDEEP SINGH TYAGI, WHICH WILL BE MORTGAGED WITH IIFL HOME FINANCE LIMITED AS SECURITY AGAINST HOUSING LOAN FOR PURCHASING OF SAID PROPERTY. PLEASE SUBMIT THE SAID ORIGINAL SALE DEED IF FIND BY ANY PERSON. ALSO PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER WITH RELEVANT DOCUMENTS WITH UNDERSIGNED IF HAVING ANY OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY/SALE DEED WITHIN 07 DAYS OF THIS PUBLICATION. ITS USE BY ANYONE IS ILLEGAL.

ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, MANSAROVAR PARK,
SHAHDARA, DELHI-110032
MOBILE NO. 9999042521

PUBLIC NOTICE
I, ANANT MISRA, S/o LATE SRI KRISHAN GOPAL MISHRA, residing at VILLA A-61, OMAXE RPS GREEN VALLEY, SECTOR 41-42, FARIDABAD, HARYANA 121010, declare that my name was wrongly recorded as ANANT KRISHAN MISRA in my PAN CARD. Vide affidavit dated 09/04/2026 sworn before Notary Sumer Singh at GURUGRAM, HARYANA, I have corrected my name to ANANT MISRA. Both names refer to the same person.

NAME CHANGE
I, Shyaan Shahzeb alias Syhaan Shahzeb Shahnawaz S/o Shahzeb Shahnawaz R/o Add - 179/03, Western Avenuue Sainik Farms Tigri 110062 Have Changed My Name To Syhaan Shahnawaz For All Future Purposes.

NAME CHANGE
It is for general information that I, KEHER SHER SINGH GILL S/O BAGHEL SINGH, Residing at Flat No. TF-01 and TF-03, A-33/1, Kh. NO.23/13, 8 & 14, Himgiri Enclave, Kamalpur Majra Burari, North Delhi, Delhi-110084 declare that name of Mine, has been wrongly written as KEHER SHER SINGH in my 10th, 12th Class, Birth Certificate Documents. The actual name of mine is KEHER SHER SINGH GILL respectively. which may be amended accordingly for all future purpose.

NAME CHANGE
It is for general information that I, Dayal Singh S/o Sheesh Ram R/o Plot No. A6. Flat No. GF2, Black A, Brij Vihar, Chander Nagar, Chander Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201011 declare that name of my father has been wrongly written as Shish Ram Singh in my all Educational Documents. The actual name of my father is Sheesh Ram.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Saddiq Mohammad S/o Khalil Mohammad R/o Kulesara, Kulesra, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201306, have changed my name and shall hereafter be known as Sadik Mohammad.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को इसके द्वारा सूचित किया जाता है कि श्री अजय, पुत्र श्री महेंद्र सिंह, 60 वर्ग गज के प्लॉट क्षेत्र के मालिक हैं। यह प्लॉट खसरा संख्या 8/3 का एक हिस्सा है और गांव नगला गुजरान, तहसील बड़खल, जिला फरीदाबाद, हरियाणा में स्थित है। उन्हें यह स्वामित्व श्रीमति अंजना सक्सेना (पत्नी श्री श्याम बाबू) द्वारा निष्पादित GPA और वसीयत (दिनांक 26/09/2025) तथा ATS (दिनांक 25/09/2025) के आधार पर प्राप्त हुआ है। उक्त संपत्ति श्री सुमित को बेची जानी है और इसका वित्तपोषण शुभम हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा किया जाएगा। आम जनता को इसके द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति का उक्त संपत्ति में कोई प्रभार/हित/स्वामित्व है, या इस संबंध में कोई भी विवाद है, तो कृपया इस सूचना के जारी होने के 07 दिनों के भीतर, नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में अधोहस्ताक्षरी को सूचित करें।.

Rahul Raj, Advocate,
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot No. 20, Kaushambi,
Ghaziabad-201010.
E-MAIL:sgassociatespl@gmail.com.
Ph: 0120-4968888, 8130309204.

COURT NOTICE
The Court Of
Pranesh Kumar Pran,
Principal District Judge,
District Court, Balaghat

Presiding Officer: प्राणेश कुमार प्राण
(आदेश 5 नियम 20 व्यबहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)
(RCA/0000004/2022)

प्रकाशचंद चतुरमोहता..........वादी
VS
शिखरचन्द चतुरमोहता........ प्रतिवादी

Process Id-2026
पेशी दिनांक 15/05/2026
प्रेषिती-
(1) उषा डोशी पति श्री अजय डोशी
पता निवासी पी 130
सी0आई0टी रोड बेलियाघाट कलकत्ता
जिला 24 परगना
(2) सन्तनिरंकारी मंडल रजिस्टर्ड
पता- प्रधान सन्त निरंकारी मण्डल निरंकारी कालोनी दिल्ली 9

यह कि प्रार्थी प्रकाशचंद चतुरमोहता ने आपके विरूद्ध व्यव्हार अपील अंतर्गत धारा 96 के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर बाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात /हाजिर होने के लये सम्मन किया जाता है. आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस बाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सकें। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या गूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर पाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो बाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण गध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें

यह आज तारीख 08-04-2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

न्यायाधीश
प्राणश कुमार प्राण
प्रधान जिला न्यायाधीश
बालाघाट (म.प्र)

NAME CHANGE
I. SUNITA is a real mother of No-2818475A Rank-SEP Name KALE NILESH AMBADAS presently residing at VILL-KOTAMGAON,POST - KOTAMGAON TEH-NIPHAD DIST-NASHIK (MAHARASHTRA)-422306, have changed my name from SUNITA TO SUNITA AMBADAS Kale and date of birth from 02/06/1977 for all future purposes. Vide affidavit dated 06/04/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, S W NEENA is legally Wife of No. 2803782A Rank-HAV Name- SHIJ R presently residing at VILL-PERUMKADAVILA, POST-PERUMKADAVILA TEH-NEYYATTINKARA DIST-TRIVANDRUM (KERALA)-695124, have changed my name from S W NEE?? ?? ???NA S W and date of birth to 10/05/1990 for all future purposes. Vide affidavit dated 20.03.2026 before Public Notary Delhi

NAME CHANGE
I, JAGANNATH is legally FATHER OF No. 2806244X Rank- HAV Name- GHORPADE SUDHIR JAGANNATH presently residing at VILL-SHIRDHON,POST- SHIRDHON,TEH- KOREGAON, DIST-SATARA,STATE MAHARASHTRA, PIN-415501 have changed my name from JAGANNATH to JAGANNATH AMRUTA GHORPADE and date of birth from 09/09/1956 to 01/06/1957 for all future purposes. Vide affidavit dated 21/04/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I PADATE MANISHA VILAS Legally mother of Army no - 2819021Y, Rank - NK, Name - PADATE MAYUR VILAS, Presently residing At - Yamekon , Post-Kine, Teh - Ajara, Dist - Kolhapur, State-Maharashtra, Pin - 416504 have changed my name from PADATE MANISHA VILAS to MANISHA VILAS PADATE for all future purposes. Vide affidavit dated 20/04/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, SUNITA, is legally mother of Army No. 2821646M, Rank – Sep, Name – TUPE VIJAY DNYANESHWAR , presently residing at Vill – Belu, Post – Agaskhind, Teh – Sinnar, Dist – Nashik, State – Maharashtra, Pin – 422502, have changed my name from SUNITA to SUNITA DNYANESHWAR TUPE for all future purposes. Vide affidavit dated 17/04/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, JC-777653N Rank-SUB Name-SHAHNAWAZ S/o RAFI ULLA KHAN residing at VILL-SUBHANI KHEDA, PO-VRINDAVAN COLONY, DIST-LUCKNOW, UTTAR PRADESH-226025, have changed my name from SHAHNAWAZ to SHAHNAWAZ KHAN for all future purposes vide affidavit dated 21/04/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I Sumit Kumar s/o ANTRAM NAGAR R/O 512 3rd floor near shivalik hospital, sec-37, Faridabad, HARYANA-121003 have changed my name to Sumit Kumar Nagar.

NAME CHANGE
I, VISHAL S/o ANOOP KUMAR R/o K-66B, 67B, 2ND FLOOR, BHARAT SHAKTI SCHOOL ROAD, NEAR BLJ STORE, KRISHAN VIHAR, SULTANPURI C BLOCK, DELHI-110086 have changed my name to VISHAL AHLAWAT.

NAME CHANGE
I, DAIJY CHUTIA mother of JC-391905M Rank- NB SUB Name-BHASKAR JYOTI CHUTIA R/o VILL-NATUN LAHING, PO-LAHING, PS-TEOK, DIST-JORHAT, ASSAM-785635, have changed my name from DAIJY CHUTIA to DAISY CHUTIA for all future purposes vide Affidavit dated 21/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, VINOD KUMAR S/O RAMSARAN DAS GABA residing at 60/12 ASHOK NAGAR DELHI-110018 have changed my name to VINOD KUMAR GA BA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, JC-596727H, Rank-NB SUB Name-ZAHID AHMAD SOFI residing at VPO-HALMATPORA, TEHSIL-KUPWARA, DIST-KUPWARA, JAMMU AND KASHMIR-193222, have changed my minor son's name from MUZAMIL ZAHID SOFI to MUZAMIL ZAHID for all future purposes and in my service records my son's date of birth wrongly mentioned as 29/03/2013 instead of his correct date of birth as 29/03/2014 vide Affidavit dated 21/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, JC-596727H, Rank-NB SUB Name-ZAHID AHMAD SOFI residing at VPO-HALMATPORA, TEHSIL-KUPWARA, DIST-KUPWARA, JAMMU AND KASHMIR-193222, have changed my minor son's name from REHAAN ZAHID to REHAAN ZAHID SOFI for all future purposes and in my service records my son's date of birth wrongly mentioned as 03/11/2017 instead of his correct date of birth as 03/11/2019 vide Affidavit dated 21/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, YOGESH KUMAR S/O TEJPAL R/O 131, Choudhary Mohalla, Issapur, South West Delhi, Delhi-110073 have changed the name of my minor daughter namely TANVI aged 12 years and She shall hereafter be known as TANVI DAGAR.

NAME CHANGE
I, YOGESH KUMAR S/O TEJPAL R/O 131, Choudhary Mohalla, Issapur, South West Delhi, Delhi-110073 have changed the name of my minor son namely TAKSH aged 10 years and he shall hereafter be known as TAKSH DAGAR.

NAME CHANGE
I, GORAKSHNATH is legally father of No. 2804347X,Rank- HAV Name BHOSALE NAMDEV GORAKSHNATH presently residing at VILL-AGUNDEWADI, POST-VELE(KAMATHI), TEH-SATARA,DIST-SATARA, (MAHARASHTRA)-415022, have changed my name from GORAKSHNATH to GORAKSHNATH DNYANDEV BHOSALE and date of birth from 18/02/1965 to 12/04/1960 for all future purposes. Vide affidavit dated 18/04/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I,GORAKH PANDHARINATH DALVI,is Legally father of No-2824626K,Rank-SEP, Name- DALVI ANIKET GORAKH, Vill-Sonewadi, Post- Akolner, Teh- Ahilyanagar, Dist - Ahilyanagar, (MAHARASHTRA) - 414005 have changed my date of birth from 01/06/1965 to 01/01/1967 for all future purposes. Vide affidavit dated 17/04/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-15791540H, Rank-HAV (Gnr), Name-PRAJAPATI SEVANTILAL ISVARBHAI residing at 34, CHAUDHARI VAS, SARKARPURA, PATAN, GUJARAT-385340, have changed my minor son's name from PRADHAUMAN to PRADHYUMAN SEVANTILAL PRAJAPATI for all future purposes vide affidavit dated 21/04/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-15791540H, Rank-HAV (Gnr), Name-PRAJAPATI SEVANTILAL ISVARBHAI residing at 34, CHAUDHARI VAS, SARKARPURA, PATAN, GUJARAT-385340, have changed my minor daughter's name from HETAL to HETALBEN SEVANTILAL PRAJAPATI for all future purposes vide affidavit dated 21/04/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, TELU RAMANAMMA mother of No-2618568L, Rank-HAV Name-TELUVNAGA PYDI SRAVAN KUMAR residing at VPO-PEDAMUSHIDIVADA, TEHSIL-PARAVADA, DIST-VISAKHAPATNAM, ANDHRA PRADESH-531019, have changed my name from TELU RAMANAMMA to TELU RAVANAMMA for all future purposes vide Affidavit dated 21/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, TELU VENKATARAJU father of No-2618568L, Rank-HAV Name-TELUVNAGA PYDI SRAVAN KUMAR residing at VPO-PEDAMUSHIDIVADA, TEHSIL-PARAVADA, DIST-VISAKHAPATNAM, ANDHRA PRADESH-531019, have changed my name TELU VENKATARAJU to TELU VENKATA RAJU for all future purposes vide Affidavit Dated 21/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I FAHIMA & FATMA W/O CHAND MIYA R/O PLOT NO- 81/1 & 58/1 KH. NO -132 GROUND FLOOR STREET NO -9 VILLAGE WAZIRABAD DELHI-110084 have changed my name to FAYEEMA Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I CHANDAN S/O JAGGAN NATH PRASAD R/O ,F-123 VIJAY VIHAR PHASE-2 ROHINI SECTOR -4 DELHI-110085 have changed my name to CHANDAN SINGH Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I RAKESH S/O SUBHASH CHAND R/O E- 5 AND 6 GALI NO - 6 RAGHU NAGAR PANKHA ROAD PALAM VILLAGE DELHI- 110045 have changed my name to RAKESH GUPTA Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I SONU S/O SURAT SINGH R/O H.NO -391 HASTSAL VILLAGE UTTAM NAGAR DELHI -110059 have changed my name to SONU SINGH Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I PRIYA GOYAL W/O CHANDER SAIN GOYAL R/O C-529, 1ST FLOOR, YOJANA VIHAR, DELHI - 110092 have changed my name to PRABHA GOYAL Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I DASHARATH KUMAR S/O SURENDER PRASAD R/O , N -23/95 , SHIV PUJAN TEA STALL HAIDER PUR SHALIMAR BAGH DELHI-110088 have changed my name to DASHRATH KUMAR Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I, NADEEM AHMAD S/O HABIB AHMED R/O HOUSE NO. 296, KUCHA MIR ASHIQ, CHAWRI BAZAR, JAMA MASJID, DELHI - 110006, HAVE CHANGED MY NAME FROM NADEEM AHMAD TO MUJEEB AHMED FOR ALL PURPOSES.

NAME CHANGE
I, YASH AGARWAL S/o Anuj Kumar Bindal R/o Ward No.8, Adarsh Colony, Hodal, Palwal, Haryana-121106, have changed my name from YASH AGARWAL to YASH AGGARWAL permanently

NAME CHANGE
I, PRAMOD KUMAR S/o RAM PRAVESH SINGH, residing at D-527 A, Pul Pehladpur, Pul Pehlad, South Delhi, Delhi-110044, have changed the name of my minor son HIMASHU aged 11 years and he shall hereafter be known as HIMANSHU KUMAR.

NAME CHANGE
I, JATIN KOCHHAR S/o Vinay Kochhar R/o A2, APT 2A, 2ND Floor, Ring Road Naraina Vihar, Delhi-110028, have changed my name to JATTINN KOCHHAR permanently

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mrs. Phool Kumari W/o Mr. Bhim Singh is the owner of Freehold Residential Old House No.158 and New No.170 and New Nagar Nigam-345 (391) area measuring 77.65 Sq. Yds. i.e. 64.92 Sq. Mtrs. Ground Floor Covered area measuring 64.92 Sq. Mtrs. and First Floor Covered area measuring 53.15 Sq. Mtrs. Situated at Mohalla Jhatwada, Ghaziabad, Pargana Dasna Tehsil and District Ghaziabad, U.P. by virtue of Gift Deed dated 20.03.2025 Vide Doc no.3227, Book No.1, Volume No.19671, on Page Nos.49-78, Registered on 20.03.2025, in S.R-III Ghaziabad., initially we have not received any title documents (before Gift Deed dated 20.03.2025) now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Ghaziabad Uttar Pradesh. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

PUBLIC NOTICE
It is hereby informed to the general public that my client, Mrs. Pushpa Tuteja, wife of Late Mr. Chander Prakash Tuteja, resident of House No. 63, Third Floor, Sector-11, Block E, near Mujesar Metro Station, DLF Model Town, Sector-7, Model Town, Faridabad, Haryana – 121006, has been disowned by her son Mr. Lokesh Tuteja and daughter-in-law Mrs. Priya Tuteja due to their misconduct and improper behavior, and has disowned them from all her movable and immovable properties. In the future, my client or any member of her family shall not be responsible for any transactions, dealings, or legal matters related to Lokesh Tuteja and his wife Priya Tuteja.

Dinesh Bhatia Advocate

NAME CHANGE
I S.KISHORE BEE legally mother of Army no - 2810362H, Rank - HAV Name - SHAIK AHAMADE MUJUTABA , Presently Residing At - RUDRAMPETA, CHANDRABABU NAGAR, SAIFULLA COLONY., Post- ANANTAPUR, Teh - ANANTAPUR, Dist - ANANTAPUR, State- ANDHRAPRADESH, Pin - 515004 have changed my name From S.KISHORE BEE to SHAIK KISHORE BEE for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 07/11/1963 instead of my correct date of birth as 01/06/1962 Vide Affidavit dated 21/04/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE
I S. ALLABAKASH legally father of Army no - 2810362H, Rank - HAV, Name - SHAIK AHAMADE MUJUTABA , Presently Residing At - RUDRAMPETA, CHANDRABABU NAGAR, SAIFULLA COLONY., Post- ANANTAPUR, Teh - ANANTAPUR, Dist - ANANTAPUR, State- ANDHRAPRADESH, Pin - 515004 have changed my name From S. ALLABAKASH to SHAIK ALLABAKASH for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 27/07/1961 instead of my correct date of birth as 27/07/1962 Vide Affidavit dated 21/04/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE
I SHAHAJADABI legally mother of Army no - 2810282 L, Rank - Sep, Name - Mahammaarif Shirahatti, Presently Residing At - Gadag, Post- Gadag, Teh - Gadag, Dist - Gadag, State-Karnataka, Pin - 582103 have changed my name from SHAHAJADABI to SHAHAJADABI B SHIRAHATTI for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 07/11/1963 instead of my correct date of birth as 01/06/1962 Vide Affidavit dated 21/04/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE
I BABAJAN legally father of Army no - 2810282 L, Rank - Sep, Name - Mahammaarif Shirahatti, Presently Residing At - Gadag, Post- Gadag, Teh - Gadag, Dist - Gadag, State-Karnataka, Pin - 582103 have changed my name from BABAJAN to BABAJAN A SHIRAHATTI for all future purposes, Vide Affidavit dated 21/04/2026 before Notary Delhi.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

मिशन ओलंपिक-2036 'विजयी भवः' से होगी दस वर्ष तक के स्कूली बच्चों की प्रतिभा पहचान

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा ने वर्ष 2036 में होने वाले ओलंपिक की तैयारी शुरू कर दी है। राज्य सरकार ने 'मिशन ओलंपिक 2036- विजयी भवः' कार्यक्रम के तहत 8 से 10 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को तराशने के लिए प्रतिभा पहचान कार्यक्रम शुरू किया है। साथ ही, 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन स्पोर्ट' पहल के तहत जिला स्तर पर प्रतिभा खोज अभियान चलाया जाएगा, ताकि अंबाला से नूंह तक हर जिले की प्रतिभाओं को समान अवसर मिल सके। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने चंडीगढ़ में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए खेल, प्रारंभिक बाल शिक्षा, पोषण और उच्च शिक्षा से संबंधित राज्य सरकार की प्रमुख योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। अनुराग रस्तोगी ने कहा कि राज्य की प्रगति का पैमाना पारदर्शी, तकनीक आधारित और नागरिक-केंद्रित प्रशासन है। महिला एवं बाल विकास विभाग के आयुक्त एवं सचिव शेखर विद्यार्थी ने बताया कि राज्य ने आंगनवाड़ी केंद्रों को जन्म से छह वर्ष तक के बच्चों के लिए गुणवत्तापरक प्रारंभिक शिक्षा केंद्रों में बदलने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। प्रदेशभर में 4,000 से अधिक आंगनवाड़ी केंद्रों में प्री-स्कूल शिक्षा किट, शैक्षणिक खिलौने, फर्नीचर, स्वच्छता सामग्री और आरओ पेयजल सुविधाएं मुहैया करवाई गई हैं।

खर्च रजिस्टर न देने पर 18 उम्मीदवार अयोग्य घोषित

सोनीपत। सोनीपत नगर निगम चुनाव 2020 में तय समय पर चुनाव खर्च रजिस्टर जमा न कराने वाले 18 उम्मीदवारों को अयोग्य घोषित कर दिया गया है। उपायुक्त नेहा सिंह ने बताया कि ये सभी उम्मीदवार अब नगर निगम सोनीपत चुनाव 2026 में नामांकन दाखिल नहीं कर सकेंगे। यह फैसला राज्य निर्वाचन नियमों के अनुसार लिया गया है ताकि चुनाव प्रक्रिया पारदर्शी और जवाबदेह बनी रहे। उपायुक्त नेहा सिंह ने कहा कि चुनाव में हिस्सा लेने वाले हर उम्मीदवार के लिए नियमों का पालन करना अनिवार्य है। खर्च रजिस्टर जमा करना चुनाव प्रक्रिया का अहम हिस्सा है। जिन उम्मीदवारों ने यह रजिस्टर तय समय सीमा में जमा नहीं करवाया, उनके खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें अयोग्य घोषित किया गया है। प्रशासन का उद्देश्य साफ और निष्पक्ष चुनाव करवाना है। अयोग्य घोषित उम्मीदवारों में विकास, राजेश कुमार, रमेश कटारिया, विनोद, सतनारायण, सुनिता, सुरेश कुमार, दीपक कुमार, मंजू, साधु, अशोक, सुनिता, राकेश, राकेश, नरेन्द्र, चंद्र कुमार, राज कुमार और सोमबीर शामिल हैं। उपायुक्त ने कहा कि भविष्य में भी चुनाव नियमों की अनदेखी करने वालों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

विपक्षी दलों की तुच्छ सोच से गिरा नारी शक्ति वंदन अधिनियम : नेहा धवन

हिसार। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश प्रवक्ता नेहा धवन ने लोकसभा में नारी शक्ति वंदन अधिनियम गिरने को कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों की तुच्छ सोच का परिणाम बताया है। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों ने यह अधिनियम गिराकर देश की आधी आबादी से उसका हक छीना है। नेहा धवन पार्टी जिला कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रही थी। उन्होंने कहा कि 17 अप्रैल का दिन देश के इतिहास में ऐतिहासिक हो सकता था और स्वर्ण अक्षरों में लिखा जा सकता था लेकिन कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों की गलत मंशा के कारण यह दिन काले अक्षरों में लिखा गया। कांग्रेस नहीं चाहती कि महिलाओं को उनका हक मिले और महिलाएं आगे आएं। उन्होंने कहा कि लगभग 60 साल तक देश में कांग्रेस का राज रहा लेकिन एक ही परिवार या उससे जुड़ी महिलाओं के अलावा सामान्य परिवारों से जुड़ी महिलाओं को आगे नहीं आने दिया गया। यह कांग्रेस की सोच है। कांग्रेस के इस कृत्य में ममता बनर्जी व सपा ने भी पूरा साथ दिया।

गेहूं खरीद ने पकड़ी रफ्तार, 57 फीसदी उठान पूरा

नारनौल। जिले में रबी सीजन के दौरान गेहूं और सरसों की खरीद प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। अब तक कुल 13113.27 मीट्रिक टन गेहूं की आवक मंडियों में हो चुकी है, जिसमें से 12841.39 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद सरकारी एजेंसियों द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 2585 रुपये प्रति क्विंटल पर की जा चुकी है। वहीं सरसों की आवक भी संतोषजनक रही है। कुल 15750.70 मीट्रिक टन सरसों मंडियों में पहुंची, जिसमें से 15695.10 मीट्रिक टन की खरीद व्यापारियों द्वारा की गई है। उपायुक्त अनुपमा अंजलि ने अटेली की अनाज मंडी का दौरा कर खरीद व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मंडी में मौजूद किसानों और आढ़तियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और मौके पर समाधान का भरोसा दिलाया। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए और इसके लिए सभी विभाग पूरी जिम्मेदारी से कार्य करें। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने मंडी में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने गेटपास व्यवस्था की भी विस्तार से जानकारी ली और निर्देश दिए कि प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाया जाए। मंडी अधिकारियों और संबंधित विभागों के कर्मचारियों को सख्त निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से जारी सभी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए।

हिसार में बनेगा इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर,सलाहाकार नियुक्ति को मंजूरी

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई हाई पावर परचेज कमेटी की बैठक

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने हिसार में इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर निर्माण की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने व नए शहरों के लिए प्रोग्राम मैनेजर के तौर पर काम करने हेतु सलाहाकार की नियुक्ति को स्वीकृति प्रदान की गई है।

यह फैसला मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई हाई पावर परचेज कमेटी की बैठक में लिया गया। बैठक में तीन एजेंडे रखे गए जिसमें से दो एजेंडों को अंतिम रूप दिया गया। अब हिसार में बनने वाले मेन्यूफक्चरिंग हब पर कार्य आरम्भ हो जाएगा और जनता को इस हब का जल्द ही लाभ मिलना शुरू हो सकेगा। सरकार ने इन नए शहरों को विकसित करने के लिए सलाहाकार नियुक्ति को स्वीकृति प्रदान की गई। यह तीन साल तक इन हबों के लिए कार्य करने के साथ ही पूर्ण निगरानी रखेंगे।

बैठक में हरियाणा बिजली वितरण निगम के 220 केवी के ट्रांसफार्मरों के लिए एसएफ 6 गैस सर्कट ब्रेकर की खरीद को अनुमति प्रदान की गई। इन ट्रांसफार्मरों के लिए 41 गैस सर्कट ब्रेकर खरीदें जाएगें ताकि किसी भी आपात स्थिति में इनकी नियमित सप्लाई सुनिश्चित की जा सकेगी। बिजली वितरण निगम को लगभग 918.4 लाख रुपए की लागत से सर्कट ब्रेकर खरीदे जाएगें। हाई पावर परचेज कमेटी की बैठक में राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री विपुल गोयल के अलावा संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

लेफ्टिनेंट अभिमन्यु बैनीवाल बने सेना की मेडिकल कोर में कैप्टन

एजेंसी

हिसार। डोभी गांव निवासी एवं आर्मी मेडिकल कोर में लेफ्टिनेंट अभिमन्यु बैनीवाल पदोन्नत होकर कैप्टन बन गए हैं। अब वे जम्मू कश्मीर में सेना की मेडिकल कोर में देश सेवा करेंगे। उनके कैप्टन बनने से परिवारजनों और रिश्तेदारों व गांव में खुशी का माहौल है। उनके पिता भूतपूर्व वायु सैनिक एवं कन्या गुरुकुल डोभी के कुलपति आचार्य बलजीत सिंह आर्य, उनकी माता राजबाला शास्त्री व चाचा परमजीत सिंह ने सोमवार को बताया कि अभिमन्यु ने आर्म्ड फोर्सेज मेडिकल कॉलेज पुणे से एमबीबीएस करके उपरोक्त पदोन्नति प्राप्त की है। अब वे कैप्टन बन गए हैं और जम्मू कश्मीर में अपनी सेवाएं देंगे। उल्लेखनीय है कि डोभी गांव के होनहार युवक अभिमन्यु बैनीवाल ने एएफएमसी पूणे से एमबीबीएस किया और आर्मी मेडिकल कोर में भर्ती होकर अपने माता पिता का सपना साकार किया। बाद में उन्हें आर्मी मेडिकल कोर में लेफ्टिनेंट के रूप में नियुक्ति मिल गई। परिवारजनों के अनुसार अभिमन्यु शुरू से ही होनहार रहे हैं। गुरुकुल कुरुक्षेत्र में अध्ययनरत रहते

हुए सातवीं कक्षा में अभिमन्यु ने पहली बार जिमनास्टिक नेशनल चैम्पियनशिप में प्रतिभागिता की और तीन बार जिम्नास्टिक खेल में राष्ट्रीय स्तर पर खेलते हुए स्वर्ण एवम् कांस्य पदक जीत कर देश, प्रदेश व गांव का नाम भी रोशन किया। अब अभिमन्यु के कैप्टन बनने से परिचितों में और गांव में खुशी का माहौल है।

रणबीर गंगवा के निर्देश : जलभराव से क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत हो तेज

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा ने अधिकारियों को हिसार खानक रोड की विशेष मरम्मत करवाए जाने के निर्देश दिए हैं। यह सड़क मार्ग अधिक जलभराव के कारण से हिसार की सीमा में कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो गया था। सडक़ की विशेष मरम्मत के लिए एक करोड़ 15 लाख 22 हजार रुपये की राशि का प्रस्ताव भी तैयार किया गया है, जिसे जल्द ही सरकार से अनुमति मिल जाएगी। इसके उपरांत हिसार सीमा मे खानक रोड की विशेष मरम्मत का कार्य शुरू कर दिया जाएगा। इसी प्रकार से पातन से मुकलान-रावलवास सडक़ मार्ग की विशेष मरम्मत के निर्देश भी मंत्री रणबीर गंगवा द्वारा दिए गए हैं। यह सडक़ मार्ग भी अत्यधिक जलभराव के कारण कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो गया था। कैबिनेट मंत्री के निर्देशों पर 69 लाख 87 हजार रुपये का प्रस्ताव तैयार किया गया है, जिसे भी सरकार की स्वीकृति हेतु भेज दिया गया है। कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा

ने बताया कि क्षेत्र में अत्यधिक बरसात के उपरांत हुए जलभराव के कारण से कई सडक़ मार्ग क्षतिग्रस्त हो गए थे, जिन्हें नियमों में ढील देकर चरणबद्ध ढंग से ठीक करवाया जा रहा है।

देवेंद्र सिंह कल्याण ने चुनाव प्रक्रिया पर कड़ी निगरानी के लिए पर्यवेक्षकों को दिए स्पष्ट निर्देश

ज्योति दर्पण

चंडीगढ़। हरियाणा राज्य निर्वाचन आयुक्त देवेंद्र सिंह कल्याण ने हरियाणा राज्य निर्वाचन आयोग, पंचकुला में आयोजित बैठक में सामान्य, पुलिस एवं व्यय (E&penditure) पर्यवेक्षकों के साथ चुनाव तैयारियों की समीक्षा करते हुए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि नगर निकाय एवं पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि पर्यवेक्षक अपने-अपने क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था पर सतत निगरानी रखें, संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील मतदान केंद्रों का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा करें तथा मतदाताओं को प्रभावित करने के उद्देश्य से नकदी, शराब, कपड़े या अन्य प्रलोभनों के वितरण पर सख्त नजर रखें। अवैध हथियारों, आपराधिक तत्वों एवं असामाजिक गतिविधियों पर नियंत्रण के साथ-साथ जहां ईवीएम मशीनें

रखी गई हैं, उन स्थानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए। राज्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि पर्यवेक्षक जिला प्रशासन की तैयारियों का निरंतर आकलन करें और किसी भी कमी को तुरंत आयोग के संज्ञान में लाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि पर्यवेक्षक चुनाव प्रक्रिया पूर्ण होने तक अपने कार्यस्थल पर तैनात रहेंगे। उन्होंने कहा कि पर्यवेक्षक के ठहरने के स्थान और मोबाइल नंबर की जानकारी प्रेस एवं इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के जरिए आमजन तक उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि कोई भी मतदाता, उम्मीदवार या राजनीतिक दल अपनी शिकायत सीधे पर्यवेक्षक तक पहुंचा सके। पर्यवेक्षक सभी पक्षों के लिए सुलभ रहेंगे और प्राप्त शिकायतों को संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाकर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। बैठक में यह भी निर्देश दिए गए कि मतदान कर्मियों और ईवीएम की रैंडमाइजेशन प्रक्रिया पर्यवेक्षकों की उपस्थिति में ही की जाएगी। पर्यवेक्षक प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों के साथ मिलकर मतदान केंद्रों पर कानून-व्यवस्था और मतदाताओं के लिए आवश्यक सुविधाओं की समीक्षा करेंगे तथा चुनाव अवधि के दौरान मतदान केंद्रों का निरीक्षण करेंगे। व्यय पर्यवेक्षकों के लिए विशेष निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि प्रत्येक प्रत्याशी को नामांकन से लेकर परिणाम घोषणा तक अपने चुनाव खर्च का दिन-प्रतिदिन सही लेखा-जोखा रखना अनिवार्य है। सभी खर्च जैसे वाहन, ईंधन, प्रचार सामग्री, विज्ञापन, भोजन-पानी एवं अन्य चुनावी गतिविधियों पर होने वाला व्यय निर्धारित सीमा के अंतर्गत ही होना चाहिए। निर्धारित सीमा से अधिक खर्च या सही विवरण प्रस्तुत न करने की स्थिति में संबंधित प्रावधानों के तहत अयोग्यता की कार्रवाई की जा सकती है। उन्होंने निर्देश दिए कि व्यय पर्यवेक्षक प्रत्येक प्रत्याशी के खर्च का नियमित निरीक्षण करें और कम से कम प्रत्येक तीन दिन में लेखा का परीक्षण सुनिश्चित करें।

महिलाओं के अधिकार में फिर रोड़ा बनी कांग्रेस : रेखा शर्मा

एजेंसी

चंडीगढ़। सांसद रेखा शर्मा ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम देश की माताओं, बहनों और बेटियों को राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक और परिवर्तनकारी कदम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं के अधिकारों को कभी दया का विषय नहीं माना, बल्कि इसे न्याय का विषय बताया है। यह विधेयक महिलाओं को उनकी निर्णय-निर्माण प्रक्रिया में भागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में एक मजबूत आधार प्रदान करता है। रेखा शर्मा पंचकूला पार्टी कार्यालय में प्रेसवार्ता को संबोधित कर रही थी। रेखा शर्मा ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम का विरोध करके एक बार फिर कांग्रेस ने रोड़ा अटकाया है। रेखा शर्मा ने कहा कि वर्षों तक महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में पर्याप्त प्रतिनिधित्व से वंचित रखा गया, जबकि वर्तमान सरकार ने दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिचय देते हुए नारी शक्ति वंदन अधिनियम को पारित कर देश की आधी आबादी को उनका अधिकार देने का ऐतिहासिक कार्य किया है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक विधेयक नहीं, बल्कि महिलाओं के सम्मान, स्वाभिमान और समान

भागीदारी का राष्ट्रीय संकल्प है। रेखा शर्मा ने आगे कहा कि 33 प्रतिशत महिला आरक्षण, जैसा कि गृहमंत्री अमित शाह ने स्पष्ट किया है, परिसीमन प्रक्रिया से जुड़ा हुआ है। इसके बावजूद विपक्ष द्वारा इसे अलग करने की भ्रामक कोशिश करना महिलाओं के अधिकारों को अनावश्यक रूप से टालने का प्रयास है। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि जब महिलाओं को उनका संवैधानिक अधिकार सुनिश्चित करने का ऐतिहासिक अवसर आया, तब भी विपक्ष ने सकारात्मक सहयोग के बजाय भ्रम फैलाने की राजनीति को प्राथमिकता दी। सांसद रेखा शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद में स्पष्ट रूप से कहा था कि महिलाओं को उनका अधिकार दिया जा रहा है, कोई उपहार नहीं। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से आग्रह किया था कि इस ऐतिहासिक विधेयक को पारित होने दें और इसका श्रेय भी लें, लेकिन विपक्ष ने इस सकारात्मक अवसर को ठुकराकर महिलाओं के अधिकारों को पुनः टालने का काम किया।

उन्होंने कहा कि आज देश की महिलाएं शिक्षा, विज्ञान, प्रशासन, सुरक्षा, खेल, उद्यमिता और राजनीति सहित हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं। ऐसे समय में उन्हें निर्णय-निर्माण की सर्वोच्च संस्थाओं में पर्याप्त प्रतिनिधित्व मिलना समय की मांग भी है और लोकतंत्र की आवश्यकता भी। नारी शक्ति वंदन अधिनियम इसी दिशा में एक ऐतिहासिक और दूरदर्शी पहल है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोलेगा।

इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष बंतो कटारिया, जिला अध्यक्ष अजय मित्तल, रंजीता मेहता, परमजीत कौर, अनुराधा पुरी भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। सभी ने एक स्वर में इस अधिनियम का समर्थन करते हुए कहा कि यह महिलाओं के राजनीतिक सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगा।

इस अवसर पर यह भी बताया गया कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में व्यापक जनजागरण अभियान निरंतर चलाया जाएगा, ताकि समाज के प्रत्येक वर्ग तक इस ऐतिहासिक निर्णय की जानकारी पहुंचे और अधिक से अधिक महिलाएं लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित हों। यह अधिनियम केवल वर्तमान की आवश्यकता नहीं, बल्कि भारत के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव है।

आगामी मानसून से पहले बाढ़ प्रबंधन को लेकर सरकार सतर्क : श्रुति चौधरी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा की सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रुति चौधरी ने आगामी मानसून सीजन को ध्यान में रखते हुए विभागीय अधिकारियों के साथ बाढ़ प्रबंधन को लेकर एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में संभावित बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए समय रहते सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने निर्देश दिए कि बाढ़ संबंधी सभी कार्यों के लिए इस सप्ताह के भीतर निविदाएं (टेंडर) आमंत्रित की जाएं, ताकि कार्यों में किसी प्रकार की देरी न हो। उन्होंने कहा कि किसी भी कार्य का भुगतान एसई, एक्सईएन, जेई और संबंधित सरपंचों द्वारा सत्यापन के बाद ही किया जाएगा, जिससे पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित हो सके। श्रुति चौधरी ने कहा कि गाद निकालने के कार्यों में लापरवाही न हो, इसके लिए मुख्यालय स्तर से एक विशेष टीम का गठन करने के निर्देश भी दिए गए हैं। यह टीम विभिन्न क्षेत्रों में चल रहे कार्यों का निरीक्षण करेगी और समय-समय पर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री ने पाइप, पंप, रेत की बोरियां एवं अन्य आवश्यक

सामग्री की खरीद में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी स्तर पर गुणवत्ता में कमी पाई गई, तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे मानसून से पहले सभी नहरों, ड्रेनों और जल निकासी प्रणालियों की सफाई एवं मरम्मत कार्य प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करें, ताकि प्रदेश में बाढ़ की स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके।

सीएम विंडो एमिनेंट पर्सन रामकवार सैनी ने मुख्यमंत्री को एक्शन टेकन रिपोर्ट में सामने आ रही अनियमितताओं के प्रमाण सौंपे

एजेंसी

बहादुरगढ़। सीएम विंडो बहादुरगढ़ के एमिनेंट पर्सन रामकवार सैनी ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात कर एक्शन टेकन रिपोर्ट (एटीआर) में सामने आ रही अनियमितताओं के प्रमाण सौंपे। उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि जहां कुछ अधिकारी ईमानदारी से कार्य कर रहे हैं, वहीं कुछ मामलों में समस्याओं का वास्तविक समाधान करने के बजाय रिपोर्ट को मनमाने तरीके से तैयार किया जा रहा है और एमिनेंट पर्सन के हस्ताक्षर करवाने का प्रयास किया जाता है। रामकवार सैनी ने अधिकारियों से स्पष्ट कहा कि सीएम विंडो की एटीआर रिपोर्ट केवल औपचारिकता न होकर जमीनी स्तर पर समाधान देने वाली होनी चाहिए और इसे समयबद्ध तरीके से तैयार किया जाए।

फौजी के प्लॉट पर कब्जे का मामला उठाया -

मुलाकात के दौरान सैनी ने एक फौजी के प्लॉट पर कब्जे का मामला प्रमुखता से उठाया। उन्होंने बताया कि संबंधित मामले में अधिकारियों द्वारा गलत रिपोर्ट प्रस्तुत की गई, जबकि एमिनेंट पर्सन्स ने कार्रवाई की सिफारिश की थी। इसके बावजूद कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि इस प्रकार की स्थिति में एक सैनिक किस प्रकार निश्चिंत होकर अपनी ड्यूटी निभा पाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसे कई मामले हैं जिनकी रिपोर्ट बार-बार वापस भेजी जाती है, लेकिन उन पर दोबारा कार्रवाई नहीं होती और न ही समयबद्ध समाधान दिया जाता है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कहा कि इस प्रकार की शिकायत पहली बार उनके संज्ञान में आई है और इस पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने संबंधित शिकायतों को सीएम विंडो के ओएसडी राकेश संधू को भेजने का आश्वासन दिया।

अन-ऑथराइज्ड साइन का भी खुलासा

रामकवार सैनी ने यह भी बताया कि कुछ मामलों में अनधिकृत व्यक्तियों द्वारा हस्ताक्षर कर शिकायतों को बंद करने की कोशिश की जाती है, जो गंभीर विषय है। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में हर प्रक्रिया ऑनलाइन ट्रैक होती है, इसलिए इस प्रकार की गड़बड़ी छिप नहीं सकती।

अधिकारियों से अपील

रामकवार सैनी ने अधिकारियों से भावुक अपील करते हुए कहा कि वे शिकायतों को केवल कागजी कार्रवाई न समझें, बल्कि मानवीय दृष्टिकोण अपनाकर समाधान करें। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि कई बार जरूरतमंदों को मामूली कारणों से लाभ नहीं मिल पाता, जिससे उनका जीवन प्रभावित होता है। उन्होंने कहा, 'शिकायतकर्ता की संतुष्टि ही लोकतंत्र का सही अर्थ है।

रामकवार सैनी ने आम जनता से भी अपील की कि वे बेवजह की शिकायतें दर्ज न करें, ताकि वास्तविक जरूरतमंदों को समय पर न्याय मिल सके। पारदर्शिता, ईमानदारी और संवेदनशीलता पर जोर उन्होंने मुख्यमंत्री के उस संदेश को भी दोहराया, जिसमें सीएम विंडो एमिनेंट पर्सन्स को पारदर्शिता, ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ कार्य करने की बात कही गई थी।

हरियाणा में गर्मी का येलो अलर्ट : 42 डिग्री के पार पहुँचा पारा, 26 अप्रैल से बारिश और ओलों के आसार

एजेंसी

हिसार/चंडीगढ़। हरियाणा में सूर्य देव के तेवर तीखे होते जा रहे हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने प्रदेश में 20 से 24 अप्रैल तक हीट वेव (लू) का येलो अलर्ट जारी किया है। नारनौल में तापमान 42.0°C दर्ज किया गया, जो इस सीजन का अब तक का सबसे गर्म दिन रहा। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 5 दिनों में अधिकतम तापमान में 3 से 4 डिग्री सेल्सियस की और बढ़ोतरी होने की संभावना है। विशेष रूप से दक्षिण और पश्चिम हरियाणा के जिलों में दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे के बीच लू का असर सबसे ज्यादा रहेगा। नारनौल : 42.0°C (सबसे गर्म शहर)

रोहतक : 41.6°C

सिरसा : 40.6°C

दिन ही नहीं, रातें भी हुईं गर्म

हैरानी की बात यह है कि हरियाणा में अब रातें भी तप रही हैं। रोहतक में न्यूनतम तापमान सामान्य से 6 डिग्री अधिक यानी 26.0एष्ट दर्ज किया गया। मौसम विशेषज्ञों ने इसे 'वार्म नाइट' की स्थिति बताया है, जहाँ दिन की गर्मी के बाद रात में भी राहत नहीं मिल पा रही है।

राहत की खबर : 26 अप्रैल से बदलेगा मौसम

कृषि मौसम विज्ञान विभाग (HAU), हिसार के विभागाध्यक्ष डॉ. मदन खीचड़ ने बताया कि 25 अप्रैल तक मौसम शुष्क और गर्म बना रहेगा। हालांकि, 26 अप्रैल से एक नया पश्चिमी विक्षोभ (Western Disturbance) सक्रिय होने की उम्मीद है। इसके प्रभाव से प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश, तेज हवाएं और ओले गिरने की संभावना है, जिससे तापमान में गिरावट आएगी और लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी।

स्वास्थ्य विभाग की सलाह

लू के अलर्ट को देखते हुए विशेषज्ञों ने लोगों को दोपहर के समय अनावश्यक बाहर न निकलने, पर्याप्त पानी पीने और सूती व ढीले कपड़े पहनने की सलाह दी है।

सफाई, सडक़ सुधार और प्रदूषण नियंत्रण कार्यों में ढिलाई बर्दाश्त नहीं: प्रदीप दहिया

एजेंसी

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त प्रदीप दहिया ने अधिकारियों से स्पष्ट कहा कि शहर में सफाई व्यवस्था, सडक़ सुधारीकरण तथा प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की ढिलाई सहन नहीं की जाएगी। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप एनुअल एक्शन प्लान में निर्धारित लक्ष्यों को तय समय में पूरा करना सभी विभागों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। वे अधिकारियों के साथ इन विषयों पर बैठक ले रहे थे।

निगमायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपनी-अपनी जिम्मेदारियों को पूरी प्रतिबद्धता के साथ निभाएं और गुरुग्राम को स्वच्छ, हरित व प्रदूषण मुक्त बनाने के अभियान में और तेजी लाएं। निगमायुक्त ने समीक्षा बैठक के दौरान शहर में डिविजन वाइज सर्फेस पार्किंग की संभावनाएं तलाशने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सडक़ों पर खड़े वाहनों की संख्या कम करने से ट्रैफिक जाम में कमी आएगी और प्रदूषण नियंत्रण में भी मदद मिलेगी। बैठक में जीएमडीए अधिकारियों ने जानकारी दी कि जनवरी से मार्च

तक निर्धारित लक्ष्यों के तहत पुलिस विभाग के सहयोग से चार प्रमुख जंक्शन का सुधार कार्य पूरा किया जा चुका है। इनमें पालम विहार चौक, सेक्टर 40/45 चौक, सेक्टर 4/5 चौक तथा सेक्टर 48/49 रोड शामिल हैं। अप्रैल से जून तिमाही के लक्ष्यों के तहत पांच जंक्शनों पर सुधार कार्य प्रगति पर है। इनमें मॉडर्न बाजार मैफील्ड गार्डन, सेक्टर 52 ताऊ देवीलाल पार्क के सामने, सेक्टर 72ए/33 रोड, आर्केडिया रोड तथा सेक्टर 9 चौक शामिल हैं।

बैठक में शहर के ग्रीन बेल्ट और सेंट्रल वर्ज में अधिक से अधिक हरियाली विकसित करने पर भी जोर दिया गया।

NAME CHANGE

I, Ms. Jyoti W/o Mr. Dheeraj, aged about 29 yrs, R/o House No: 52, Jeewan Nagar Hanuman Mandir Wali Gall, Sonipat, Haryana-131001 have changed my name from JYOTI to JYOTI KAUR NARANG and henceforth I shall be known as the JYOTI KAUR NARANG for all purposes.

NAME CHANGE

I, Mr. Dheeraj S/o Late Sh. Vijay Kumar, aged about 36 yrs, R/o House No: 52, Jeewan Nagar, Hanuman Mandir Wali Gali, Sonipat, Haryana-131001 have changed my name from DHEERAJ to DHEERAJ SINGH NARANG and henceforth I shall be known as the DHEERAJ SINGH NARANG for all purposes.

पुलिस ने जीरो टोलरेंस नीति के तहत बदमाश द्वारा किए कब्जे कराए खाली

ज्योति दर्पण

गुरुग्राम। गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) की करीब 25 करोड़ रुपये कीमत की आधा एकड़ जमीन से पुलिस ने कब्जा हटवाया है। आरोपी कब्जाधारी के खिलाफ पुलिस ने जीरो टोलरेंस नीति के तहत यह कार्रवाई की। यह कार्रवाई अपराध शाखा सेक्टर-31 गुरुग्राम, जीएमडीए व डीटीपी ने मिलकर की। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बताया कि आरोपी कब्जाधारी यहां झुग्गियां बनाकर अवैध रूप से लाखों रुपये किराया वसूलता था। पुलिस को पुख्ता सूचना मिली थी कि कादरपुर रोड नजदीक बिरला नाव्या कम्युनिटी सेंटर स्थित सरकारी भूमि पर एक अपराधी द्वारा अवैध कब्जा किया हुआ है। पुलिस ने उसकी पूरी कुंडली खंगाली और पूरी तैयारी के

साथ अवैध कब्जों पर बुल्डोजर चलाने पहुंची। इस दौरान कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई। इस कार्रवाई में अपराधी नितेश बंदर निवासी गुरुग्राम को चिन्हित किया गया। आरोपी का आपराधिक इतिहास रहा है, जिनमें मारपीट, छीना झपटी, अपहरण व जबरन वसूली जैसे गंभीर अपराध शामिल हैं। जांच में यह भी सामने आया कि इस अपराधी ने सरकारी जमीन पर अवैध झुग्गी बस्तियां बसाकर कमजोर वर्गों का शोषण किया। उनसे अवैध रूप से किराया वसूला और इन स्थानों का उपयोग संगठित अपराध गतिविधियों के संचालन एवं विस्तार के लिए किया। आरोपी द्वारा जीएमडीए के बांध की आधा एकड़ जमीन पर अवैध रूप से कब्जा करके लगभग 50 झुग्गियां बनाई हुई थी, जिससे वह लगभग पांच लाख रुपये महीना अवैध रूप से वसूलता था।

मारुति सुजूकी का 2 लाख प्रतीक्षा कारों की आपूर्ति पर जोर

- खरखौदा व गुजरात संयंत्रों में 5 लाख यूनिट तक क्षमता बढ़ेगी

नई दिल्ली ।

देश की अग्रणी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजूकी 2 लाख से अधिक कारों की लंबी प्रतीक्षा सूची से निपटने के लिए अपनी उत्पादन क्षमता में तेजी से वृद्धि कर रही है। कंपनी के एक प्रमुख अे धिकारी ने बताया कि अगले कुछ महीनों में यह आपूर्ति पूरी करने का लक्ष्य है, जिसके लिए उत्पादन में बड़े पैमाने पर विस्तार किया जा रहा है, जिसमें छोटी कारों पर विशेष ध्यान रहेगा। मारुति सुजूकी के अे धिकारी ने जानकारी दी कि कंपनी अपनी उत्पादन क्षमता को 2026-27 के अंत तक 5 लाख अतिरिक्त यूनिट्स तक बढ़ाएगी। इसमें हरियाणा के खरखौदा और गुजरात संयंत्रों में प्रत्येक की क्षमता में 2.50 लाख कारों की वृद्धि शामिल होगी। इन कारखानों की असेंबली लाइनें मॉडल बदलने में सक्षम होंगी, जिससे प्रतीक्षा सूची वाली छोटी कारों की बड़ी मांग को पूरा किया जा सकेगा। वर्तमान में, डीलरों के पास केवल एक सप्ताह की जरूरत भर का स्टॉक है, जबकि सामान्य तौर पर यह 30 दिन का होता है। इलेक्ट्रिक वाहनों की योजना के बारे में उन्होंने बताया कि सेल आयात के कारण कुल आयातित पुर्जे 50 फीसदी से अधिक होने के कारण मारुति फिलहाल उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहनयोजना के लाभ के लिए पात्र नहीं है। इस चुनौती से निपटने के लिए, कंपनी देश में बैटरियों को पैकेज करने की योजना बना रही है, जिससे आयातित सामग्री कम होगी और पीएलआई पात्रता मिल सकेगी। कंपनी ने हाल ही में निर्यात के बाद ई-विटारा को घरेलू बाजार में उतारा है। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार के छोटी कारों पर माल एवं सेवा कर कम करने के फैसले से इस सेगमेंट को जबरदस्त बढ़ावा मिला है, और वित्त वर्ष 2026 में कंपनी की कुल बिक्री का 70 फीसदी हिस्सा इन्हीं छोटी कारों का था, जिससे सरकारी राजस्व पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ा। अमेरिका-ईरान युद्ध के संभावित प्रभावों पर, उन्होंने कच्चे माल, जैसे स्टील, की कीमतों में वृद्धि और कार निर्माण की लागत में इजाफे की आशंका जताई, जिससे लाभप्रदता पर सावधानीपूर्वक विचार करना होगा, हालांकि उन्होंने मांग में निरंतर वृद्धि की उम्मीद जताई।

एफपीआई की रिकॉर्ड बिकवाली, भारतीय बाजार से 1.68 लाख करोड़ निकाले

- ईरान युद्ध से उपजे तेल संकट ने 1.1 लाख करोड़ के शेयर बेचने पर मजबूर किया

नई दिल्ली ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने 2026 में भारतीय शेयर बाजार से रिकॉर्ड 1.68 लाख करोड़ रुपए की निकासी की है, जो पिछले पूरे साल की कुल बिकवाली से भी अधिक है। ईरान युद्ध के कारण उत्पन्न हुए भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने विदेशी निवेशकों को जोखिम भरी संपत्तियों से दूर कर दिया है, जिसके परिणामस्वरूप अकेले मार्च में 1.1 लाख करोड़ रुपए की बड़ी बिकवाली हुई। यह बिकवाली फरवरी के आशावाद के ठीक उलट है, जब भारत-यूरोपीय संघ व्यापार समझौते और अमेरिकी शुल्क में कमी की उम्मीदों पर एफपीआई शुद्ध खरीदार बने थे। हालांकि, अमेरिका-ईरान युद्ध, जिसमें ईरान ने खाड़ी देशों में ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर हमला किया और होर्मुज स्ट्रेट को अवरुद्ध कर दिया, ने निवेशकों का विश्वास हिला दिया। होर्मुज स्ट्रेट वैश्विक तेल और गैस शिपमेंट का लगभग 20त्न संभालता है, जिसके चलते ब्रेंट क्रूड की कीमतें 22 फीसदी बढ़कर 90.1 प्रति बैरल हो गई हैं। भारत के लिए यह स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है, क्योंकि देश अपनी अधिकांश ऊर्जा जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर है। तेल की बढ़ती कीमतें राजकोषीय घाटे को बढ़ाती हैं, महंगाई को बढ़ावा देती हैं और आर्थिक विकास पर नकारात्मक असर डालती हैं। एफपीआई की यह बिकवाली केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि अधिकांश उभरते बाजारों में देखी गई है, हालांकि दक्षिण कोरियाई बाजार को छोड़कर भारत में निकासी अन्य उभरते बाजारों से अधिक रही है।

शेयर बाजार में बढ़त के साथ क्लोजिंग; सेंसेक्स 753 अंक चढ़ा

निफ्टी 24550 के पारनिवेशकों को 3 लाख करोड़ का फायदा

मुंबई।

पश्चिम एशिया में चल रहे भू-राजनीतिक तनाव के बीच मंगलवार को घरेलू शेयर बाजारों ने शानदार वापसी की और एक मजबूत बढ़त के साथ बंद हुए। अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे विवाद में कूटनीतिक समाधान की उम्मीदों और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में जोरदार खरीदारी ने बाजार के प्रमुख सूचकांकों को नई ऊर्जा दी। मंगलवार को शेयर बाजार निवेशकों को करीब 3 लाख करोड़ रुपए का फायदा हुआ है।

शुरुआती कारोबार में धीमी चाल के बाद बाजार ने तेज रफ्तार पकड़ी। बीएसई सेंसेक्स 753.03 अंकों यानी 0.96 प्रतिशत की दमदार बढ़त के साथ 79,273.33 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 50 इंडेक्स 211.75 अंक या 0.87 प्रतिशत चढ़कर 24,576.60 पर पहुंच गया। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से ट्रेंट, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक और एक्सिस बैंक प्रमुख विजेताओं में शामिल थे। अमेरिकी बाजारों में मजबूती और एशियाई बाजारों (निक्केई और कोस्पी) में बढ़त का सीधा असर भारतीय बाजार पर पड़ा। पॉजिटिव ग्लोबल सेंटीमेंट्स ने निवेशकों का उत्साह बढ़ाया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ब्रेंट क्रूड की कीमतों में कमी आई है। भारत तेल का बड़ा आयातक है, इसलिए तेल सस्ता होने से इकोनॉमी और कंपनियों के मार्जिन को फायदा मिलता है। अमेरिका में 10 साल के ट्रेजरी बॉन्ड यील्ड में गिरावट आई है। जब बॉन्ड यील्ड गिरती है,

तो विदेशी निवेशक (एफआईआई) भारतीय जैसे उभरते बाजारों में पैसा लगाना पसंद करते हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक जैसे हैवीवेट शेयरों में शुरुआती कारोबार में अच्छी खरीदारी देखी गई, जिससे इंडेक्स ऊपर चढ़ा।

जेएनपीए एसईजेड में वेलस्पन वन और इंडेव इंफ्रा के बीच साझेदारी

मुंबई ।

वेयरहाउसिंग एवं औद्योगिक रियल एस्टेट मंच वेलस्पन वन ने जेएनपीए विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) में इंडेव इंफ्रा को 2.10 लाख वर्ग फुट क्षेत्र का गोदाम पट्टे पर दिया है। यह कदम इंडेव इंफ्रा को अपनी फ्री ट्रेड वेयरहाउसिंग जोन क्षमताओं को बढ़ाने और बंदरगाह से जुड़े लॉजिस्टिक्स संचालन को सुव्यवस्थित करने में मदद करेगा। वेलस्पन वन ने कहा कि यह समझौता इंडेव इंफ्रा की बाजार में उपस्थिति को मजबूत करेगा, जिससे उसे निर्बाध, बंदरगाह से जुड़े आपूर्ति श्रृंखला समाधान प्रदान करने और अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रवाह को समर्थन देने की क्षमता मिलेगी। इंडेव इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड के एक अे धिकारी ने कहा` कि यह साझेदारी व्यापार प्रवाह को अधिक प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने और ग्राहकों को एकीकृत एवं मूल्यवर्धित लॉजिस्टिक्स समाधान प्रदान करने की हमारी क्षमता को मजबूत करती है।

ईंधन कीमतों में राहत, 21 अप्रैल को भी पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर

नई दिल्ली ।

कच्चे तेल के वैश्विक बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद भारतीय उपभोक्ताओं को राहत मिली है। सरकारी तेल कंपनियों ने 21 अप्रैल को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया, जिससे आम जनता को राहत है। देश के प्रमुख शहरों में मंगलवार को भी ईंधन की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 94.77 रुपये और डीजल 87.67 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। आर्थिक राजधानी मुंबई में पेट्रोल 103.54 रुपये और डीजल 90.03 रुपये पर स्थिर है। कोलकाता में पेट्रोल 105.41 रुपये और डीजल 92.02 रुपये है, जबकि चेन्नई में पेट्रोल 101.23 रुपये और डीजल 92.81 रुपये प्रति लीटर के हिसाब से बिक रहा है। बेंगलुरु में पेट्रोल 102.92 रुपये और डीजल 90.99 रुपये, जबकि गुरुग्राम में पेट्रोल 95.65 रुपये और डीजल 88.10 रुपये प्रति लीटर पर कायम हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर, मिडिल ईस्ट में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतें पहले तेजी से बढ़ी थीं, जिससे ब्रेंट क्रूड लगभग 95 डॉलर और डब्ल्यूटीआई क्रूड 90 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया था। हालांकि अब बाजार में स्थिरता लौटने से घरेलू कीमतों पर फिलहाल दबाव नहीं दिख रहा है।

भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत, 2027 तक 6.6 फीसदी वृद्धि का अनुमान संयुक्त राष्ट्र

घरेलू मांग और सेवा क्षेत्र का अहम योगदान; हरित नौकरियों के सृजन में भी भारत की अहम भूमिका

नई दिल्ली ।

संयुक्त राष्ट्र की एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था इस वर्ष 6.4 प्रतिशत और 2027 तक 6.6 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक आयोग एशिया व प्रशांत (ईएससीएपी) द्वारा जारी इकोनॉमिक एंड सोशल सर्वे ऑफ एशिया एंड द पैसिफिक 2026 शीर्षक वाली रिपोर्ट में भारत की मजबूत घरेलू खपत और सेवा क्षेत्र को इस वृद्धि का मुख्य चालक बताया गया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि दक्षिण एवं दक्षिण-पश्चिम एशिया की अर्थव्यवस्थाओं में 2025 में 5.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसमें भारत का महत्वपूर्ण योगदान रहा। भारत की वृद्धि दर 2025 में बढ़कर 7.4 प्रतिशत तक पहुंच गई, जिसे ग्रामीण अर्थव्यवस्था से मजबूत मांग, जीएसटी दरों में कटौती और अमेरिकी शुल्कों से पहले हुए निर्यात से समर्थन मिला। हालांकि, 2025 की दूसरी छमाही में अमेरिकी शुल्कों के कारण निर्यात में गिरावट से कुछ धीमी गति देखी गई, लेकिन सेवा क्षेत्र वृद्धि का प्रमुख चालक बना रहा। देश में मुद्रास्फीति इस वर्ष 4.4 प्रतिशत और 2027 में 4.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है। व्यापार तनाव और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बावजूद, विकासशील एशिया-प्रशांत क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के प्रवाह में कमी आई है। इस क्षेत्र में 2025 में एफडीआई दो प्रतिशत घटा, जबकि वैश्विक प्रवाह में 14 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। इसके

बावजूद, भारत 50 अरब डॉलर के निवेश के साथ नए एफडीआई को सबसे अधिक आकर्षित करने वाले देशों में से एक रहा। रिपोर्ट में हरित नौकरियों के सृजन में भारत की भूमिका पर भी प्रकाश डाला गया है। वैश्विक स्तर पर सृजित 1.66 करोड़ हरित नौकरियों में से 13 लाख भारत में थीं, जो कुल का 8 प्रतिशत है। भारत की उत्पादन संबंधी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना का उल्लेख करते हुए रिपोर्ट में कहा गया कि यह हरित औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने और फोटोवोल्टिक, बैटरी व हरित हाइड्रोजन के घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहन देने में प्रभावी साबित हुई है।

विदेशी शेयरधारकों से भारतीय वित्तीय संस्थानों की साख मजबूत होगी फिच

- विकसित बाजारों का अनुभव रखने वाले अधिग्रहणकर्ता जोखिम नियंत्रण और निगरानी में ला कते हैं धार

नई दिल्ली (ईएमएस)। फिच रेटिंग्स ने मंगलवार को कहा कि भारतीय वित्तीय संस्थानों में विदेशी शेयरधारकों की महत्वपूर्ण हिस्सेदारी उनके ऋण खंड (क्रेडिट प्रोफाइल) के लिए सकारात्मक साबित हो सकती है। रेटिंग एजेंसी के अनुसार यह दीर्घकालिक पूंजी उपलब्धता, वित्तपोषण लचीलेपन और कुछ मामलों में कामकाज के मानकों में सुधार के माध्यम से संस्थानों की साख को मजबूत करेगा। फिच ने बताया कि हाल के समय में विदेशी निवेशकों की बढ़ती रुचि भारत की दीर्घकालिक विकास संभावनाओं, वित्तीय क्षेत्र के नियमन तथा बेहतर जोखिम प्रबंधन ढांचे में उनके बढ़ते भरोसे को दर्शाती है। एजेंसी का मानना है कि निवेशक ऐसे मंच की तलाश में हैं जिनमें विस्तार योग्य वितरण क्षमता और स्थानीय विशेषज्ञता हो। विकसित बाजारों का अनुभव रखने वाले अधिग्रहणकर्ता जोखिम नियंत्रण और निगरानी में सुधार ला सकते हैं, जबकि प्रतिष्ठित रणनीतिक शेयरधारक पूंजी की लागत कम करने में सहायक होते हैं। लांकि, रेटिंग एजेंसी ने इस बात पर जोर दिया कि केवल विदेशी रुचि को मजबूत ऋण आधार का विश्वसनीय संकेत नहीं माना जा सकता। फिच के अनुसार, वे लेनदेन जो आंतरिक नियंत्रण, जोखिम प्रबंधन और नेतृत्व की जवाबदेही को मजबूत करते हैं, केवल वित्तीय लाभ के लिए किए गए सौदों की तुलना में अधिक ऋण-संबंधी महत्व रखते हैं। यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि निवेश वित्तीय संस्थानों की

मूलभूत मजबूती को बढ़ाए। च का मानना है कि बैंकों की तुलना में गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थानों (एनबीएफआई) में विदेशी शेयरधारकों के नियंत्रण हासिल करने की संभावना अधिक है, क्योंकि नियमों के तहत एनबीएफआई में पूर्ण विदेशी स्वामित्व की अनुमति है।

एनसीएलएटी ने इंटेल पर 27 करोड़ के जुर्माने पर लगाई रोक

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनी इंटेल कॉरपोरेशन को बड़ी राहत देते हुए भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) द्वारा लगाए गए 27.38 करोड़ रुपये के जुर्माने पर अगली सुनवाई तक रोक लगा दी है। न्यायाधिकरण की दो-सदस्यीय पीठ ने यह राहत इसलिए दी, क्योंकि इंटेल पहले ही जुर्माने की 25 प्रतिशत राशि जमा कर चुकी है। इसके साथ ही सीसीआई को निर्देश दिया गया है कि वह आदेश के क्रियान्वयन के लिए कोई कठोर कदम न उठाए। इंटेल ने सीसीआई के फरवरी के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें भारत-विशिष्ट वारंटी नीति के माध्यम से प्रतिस्पर्धा-विरोधी आचरण का आरोप लगाते हुए जुर्माना लगाया गया था। सुनवाई के दौरान इंटेल ने बताया कि उसने 1 अप्रैल, 2024 से अपनी भारत-विशिष्ट वारंटी नीति वापस ले ली है और इसे सार्वजनिक भी कर दिया है। मामले की अगली सुनवाई 24 अप्रैल को निर्धारित की गई है।

डॉलर की मज़बूती से सोना फिसला, चांदी भी हुई सस्ती

- सोना 153,736 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी 250,925 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली ।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर मंगलवार के कारोबार में सोने की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। डॉलर की मज़बूती और निवेशकों द्वारा की गई मुनाफ़ावसूली के चलते सोने के दाम गिरे हैं। वहीं अमेरिका और ईरान के बीच संभावित बातचीत को लेकर बनी अनिश्चितता के कारण कच्चे तेल की ऊँची कीमतें भी सोने पर दबाव डाल रही हैं। चांदी की कीमतों में भी नरमी देखी गई। सुबह 10:30 बजे के आसपास एमसीएक्स पर सोने का जून वायदा 207 रुपए गिरकर 153,736 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। वहीं चांदी का मई वायदा भी 1,620 रुपए की कमजोरी के साथ 250,925 रुपए प्रति किलोग्राम के स्तर पर था।

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार बढ़ते अमेरिकी डॉलर और कच्चे तेल की ऊँची कीमतें सोने-चांदी को अस्थिर बनाए हुए हैं। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल का व्यापार डॉलर में होने से, इसकी बढ़ती कीमतें डॉलर की मांग बढ़ाती हैं, जिससे सोने पर दबाव आता है। ब्रेंट क्रूड लगभग 95 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बना हुआ है, जो बाज़ार की चिंताओं को बढ़ा

रहा है। फरवरी के अंत में अमेरिका-ईरान तनाव बढ़ने के बाद से सोने में लगभग 9 फीसदी और चांदी में 14 फीसदी की गिरावट आई है, क्योंकि डॉलर एक सुरक्षित निवेश के रूप में उभरा है।

रुपया शुरुआती कारोबार 16 पैसे टूटकर 93.32 प्रति डॉलर पर खुला

रुपया सोमवार को डॉलर के मुकाबले 93.16 पर बंद हुआ था

मुंबई ।

रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में 16 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 93.32 पर आ गया। बाजार के जानकारों का कहना है` कि अमेरिकी डॉलर के स्थिर रुख और केंद्रीय बैंक के भारतीय मुद्रा पर सट्टेबाजी पर लगे प्रतिबंधों में ढील देने से रुपये पर दबाव बढ़ा। भारतीय रिजर्व बैंक ने रुपये में अत्यधिक सट्टेबाजी पर अंकुश लगाने के लिए एक अप्रैल को जारी किए गए निर्देशों को आंशिक रूप से सोमवार को वापस ले लिया।

बैंकिंग नियामक ने गैर-वितरणीय 'फॉरवर्ड' बाजारों में शुद्ध खुली स्थिति की सीमा 10 करोड़ अमेरिकी डॉलर तय की थी और बैंकों को 10 अप्रैल तक इसका पालन करने का आदेश दिया था। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 93.25 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती कारोबार में 93.37 के स्तर तक गिरने के बाद 93.32

पर कारोबार करने लगा जो पिछले बंद भाव से 16 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया सोमवार को 25 पैसे की गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 93.16 पर बंद हुआ था। इससे पहले के दो सत्र में रुपये में 47 पैसे की मजबूती आई थी। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.4 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 97.94 पर रहा।

पीपीएफ में निवेश कर सुरक्षित बचत के साथ पाएं शानदार रिटर्न और टैक्स छूट!

- 70,000 सालाना निवेश, मैच्योरिटी पर मिलेगा लगभग 18.98 लाख का बड़ा फंड

नई दिल्ली । वित्तीय सुरक्षा और बेहतर भविष्य के लिए निवेश करना हर व्यक्ति की प्राथमिकता होती है। ऐसे में पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) एक ऐसी सरकारी योजना है जो न केवल आपके पैसे को सुरक्षित रखती है, बल्कि लंबी अवधि में इसे कई गुना बढ़ाने का शानदार अवसर भी प्रदान करती है। साथ ही, यह टैक्स बचाने का भी एक प्रभावी माध्यम है, जिससे निवेशक दोहरे लाभ प्राप्त कर सकते हैं। पीपीएफ भारत सरकार द्वारा समर्थित एक लॉन्ग टर्म सेविंग स्कीम है, जिसमें जोखिम लगभग न के बराबर होता है। यह योजना उन लोगों के लिए बेहतरीन विकल्प है जो अपनी पूंजी को सुरक्षित रखते हुए एक अच्छा फंड तैयार करना चाहते हैं। इसमें आप सालाना न्यूनतम 500 से लेकर अधिकतम 1.5 लाख रुपए तक का निवेश कर सकते हैं, जिसे एकमुश्त या छोटे-छोटे मासिक/वार्षिक किस्तों में जमा किया जा सकता है। वर्तमान में इस योजना पर लगभग 7.1 फीसदी वार्षिक ब्याज दर मिल रही है, हालांकि यह दर सरकार द्वारा समय-समय पर संशोधित की जाती है। इस योजना की मैच्योरिटी अवधि 15 साल होती है। अगर कोई निवेशक हर साल लगातार 70,000 रुपए जमा करता है, तो 15 साल में उसका कुल निवेश 10.5 लाख रुपए होगा। 7.1 फीसदी की वर्तमान अनुमानित ब्याज दर के हिसाब से, उसे लगभग 8,48,498 रुपए का ब्याज मिलेगा। इस प्रकार, मैच्योरिटी पर कुल राशि लगभग 18,98,498 रुपए होगी, जो आपके मूल निवेश का दोगुने से भी ज़्यादा है। पीपीएफ को टैक्स सेविंग के लिए भी एक बेहतरीन विकल्प माना जाता है। इसमें इनकम टैक्स एक्ट की धारा 80 सी के तहत निवेश पर टैक्स छूट मिलती है। इसके अलावा, इस योजना में मिलने वाला ब्याज और मैच्योरिटी अमाउंट, दोनों ही पूरी तरह से टैक्स फ्री होते हैं। आप अपना पीपीएफ अकाउंट किसी भी बैंक या पोस्ट ऑफिस में आसानी से खोल सकते हैं। हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि एक व्यक्ति के नाम पर केवल एक ही पीपीएफ अकाउंट खोला जा सकता है। अन्य सुविधाओं में 3 से 6 साल के बीच लोन लेने की सुविधा, 7वें साल के बाद आंशिक निकासी का विकल्प और मैच्योरिटी के बाद इसे 5-5 साल के ब्लॉक में आगे बढ़ाने का प्रावधान शामिल है। निवेश करते समय इस बात का ध्यान रखें कि महीने की 5 तारीख से पहले पैसा जमा करने पर आप पूरे महीने का ब्याज पा सकते हैं।

वेदांता का कारोबार विभाजन एक मई से होगा प्रभावी

एल्युमीनियम, बिजली, तेल-गैस और लौह अयस्क इकाइयां होंगी अलग सूचीबद्ध

नई दिल्ली ।

खनन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी वेदांता लिमिटेड ने अपने प्रमुख व्यवसायों के बहु-प्रतीक्षित डीमर्जर (विभाजन) की प्रभावी तिथि की घोषणा कर दी है। कंपनी के निदेशक मंडल ने हाल ही में हुई अपनी बैठक में यह निर्णय लिया कि एल्युमीनियम, बिजली, तेल एवं गैस और लौह अयस्क इकाइयों को अलग-अलग सूचीबद्ध कंपनियों में विभाजित करने की योजना 1 मई, 2026 से प्रभावी होगी। इस पुनर्गठन का उद्देश्य कंपनी की कॉरपोरेट संरचना को सरल बनाना और संचालन पर ध्यान केंद्रित करना है। इस डीमर्जर योजना के तहत, वेदांता चार अलग-अलग कंपनियों - वेदांता एल्युमिनियम मेटल लिमिटेड (वीएएमएल), तलवंडी साबो पावर लिमिटेड, एनर्जी लिमिटेड और वेदांता आयरन एंड स्टील लिमिटेड को अलग से सूचीबद्ध करेगी। तलवंडी साबो पावर लिमिटेड का नाम बदलकर वेदांता पावर और माल्को एनर्जी लिमिटेड का नाम बदलकर वेदांता ऑयल एंड गैस किया जाएगा। वेदांता एल्युमीनियम मेटल लिमिटेड को भारत एल्युमीनियम कंपनी लिमिटेड (बाल्को) में अपनी शेयरधारिता भी हस्तांतरित करेगी। कंपनी ने बताया कि डीमर्जर के बाद, वेदांता के मौजूदा शेयरधारकों को प्रत्येक नई सूचीबद्ध कंपनी में 1:1 के अनुपात में इक्विटी शेयर प्राप्त होंगे। पात्र शेयरधारकों के निर्धारण के लिए 1 मई, 2026 को रिकॉर्ड तिथि निर्धारित की गई है। वेदांता के अनुसार, यह कदम क्षेत्र-केंद्रित स्वतंत्र कंपनियों का निर्माण करेगा, जिससे संप्रभु संपत्ति कोष, खुदरा और रणनीतिक निवेशकों सहित वैश्विक निवेशकों को वेदांता की विश्व स्तरीय संपत्तियों में प्रत्यक्ष निवेश के अवसर मिलेंगे। इससे विभिन्न व्यवसायों के सुगम संचालन में भी मदद मिलेगी। हालांकि, यह डीमर्जर प्रक्रिया कई बार स्थगित हो चुकी है। पहले 31 मार्च, 2025, फिर 30 सितंबर, 2025 और बाद में 31 मार्च, 2026 की समय सीमा तय की गई थी। अब इसे 30 जून तक बढ़ाया गया है, क्योंकि कुछ सरकारी प्राधिकरणों से मंजूरी अभी भी लंबित है।

धधकती धरतीः विकास की दौड़ या विनाश की ओर?

योगेश कुमार गोयल

प्रकृति पिछले कुछ समय से बार-बार भयानक आंधियों, तूफान और ओलावृष्टि के रूप में यह गंभीर संकेत देती रही है कि विकास के नाम पर हम प्रकृति से भयानक तरीके से जिस तरह का खिलवाड़ कर रहे हैं, उसके परिणामस्वरूप मौसम का मिजाज कब कहां किस कदर बदल जाए, कुछ भी भविष्यवाणी करना मुश्किल होता जा रहा है।

न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर तापमान में लगातार हो रही बढ़ोतरी तथा मौसम का निरन्तर बिगड़ता मिजाज गंभीर चिंता का सबब बना है। हालांकि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विगत वर्षों में दुनियाभर में दोहा, कोपेनहेगन, कानकुन इत्यादि बड़े-बड़े अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन होते रहे हैं किन्तु उसके बावजूद इस दिशा में अभी तक ठोस कदम उठते नहीं देखे गए हैं। दरअसल वास्तविकता यही है कि राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर प्रकृति के बिगड़ते मिजाज को लेकर चचाएं और चिंताएं तो बहुत होती हैं, तरह-तरह के संकल्प भी दोहराये जाते हैं किन्तु सुख-संसाधनों की अंधी चाहत, सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि, अनियंत्रित औद्योगिक विकास और रोजगार के अधिकाधिक अवसर पैदा करने के दबाव के चलते इस तरह की चचाएं और चिंताएं अर्थहीन होकर रह जाती हैं। ऐसे में पर्यावरण संरक्षण को लेकर लोगों में जागरूकता पैदान करने तथा पृथ्वी को बचाने के लिए प्रतिवर्ष 22 अप्रैल को 'विश्व पृथ्वी दिवस' मनाया जाता है।

प्रकृति पिछले कुछ समय से बार-बार भयानक आंधियों, तूफान और ओलावृष्टि के रूप में यह गंभीर संकेत देती रही है कि विकास के नाम पर हम प्रकृति से भयानक तरीके से जिस तरह का खिलवाड़ कर रहे हैं, उसके परिणामस्वरूप मौसम का मिजाज कब कहां किस कदर बदल जाए, कुछ भी भविष्यवाणी करना मुश्किल होता जा रहा है। ग्लोबल वार्मिंग के चलते दुनियाभर में मौसम का मिजाज किस कदर बदल रहा है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि उत्तरी ध्रुव के तापमान में एक-दो नहीं बल्कि करीब 30 डिग्री तक की बढ़ोतरी देखी गई। मौसम की प्रतिकूलता साल दर साल किस कदर बढ़ती जा रही है, यह इसी से समझा जा सकता है कि कहीं भयानक सूखा तो कहीं बेमौसम अत्यधिक वर्षा, कहीं जबरदस्त बर्फबारी तो कहीं कड़ाके की ठंड, कभी-कभार ठंड में गर्मी का अहसास तो कहीं तूफान और कहीं भयानक प्राकृतिक आपदाएं, ये सब प्रकृति के साथ हमारे खिलवाड़ के ही दुष्परिणाम हैं और हमें यह सचेत करने के लिए पर्याप्त हैं कि अगर हम इसी प्रकार प्रकृति के संसाधनों का बुरे तरीके से दोहन करते रहे तो हमारे भविष्य की तस्वीर कैसी होने वाली है।

हालांकि प्रकृति कभी समुद्री तूफान तो कभी भूकम्प, कभी

सूखा तो कभी अकाल के रूप में अपना विकराल रूप दिखाकर हमें चेतावनी भी देती रही है किन्तु जलवायु परिवर्तन से निपटने के नाम पर वैश्विक चिंता व्यक्त करने से आगे हम शायद कुछ करना ही नहीं चाहते। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के अनुसार हम यह समझना ही नहीं चाहते कि पहाड़ों का सीना चीरकर हरे-भरे जंगलों को तबाह कर हम जो कंक्रीट के जंगल विकसित कर रहे हैं, वह वास्तव में विकास नहीं बल्कि विकास के नाम पर हम अपने विनाश का ही मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। पहाड़ों में बढ़ती गर्माहट के चलते हमें अक्सर घने वनों में भयानक आग लगने की खबरें सुनने को मिलती रहती हैं। पहाड़ों की इसी गर्माहट का सीधा असर निचले मैदानी इलाकों पर पड़ता है, जहां का पारा अब हर वर्ष बढ़ता जा रहा है।

धरती का तापमान यदि इसी प्रकार साल दर साल बढ़ता रहा तो आने वाले वर्षों में हमें इसके बेहद गंभीर परिणाम भुगतने को तैयार रहना होगा क्योंकि हमें यह बखूबी समझ लेना होगा कि जो प्रकृति हमें उपहार स्वरूप शुद्ध हवा, शुद्ध पानी, शुद्ध मिट्टी तथा ढ़ेरों जनोपयोगी चीजें दे रही है, अगर मानवीय क्रियाकलापों द्वारा पैदा किए जा रहे पर्यावरण संकट के चलते प्रकृति कुपित होती है तो उसे सब कुछ नष्ट कर डालने में पल भर की भी देर नहीं लगेगी। करीब दो दशक पहले देश के कई राज्यों में जहां अप्रैल माह में अधिकतम तापमान औसतन 32-33 डिग्री रहता था, अब वह 40 के पार रहने लगा है। मौसम विभाग का तो अनुमान है कि अगले तीन दशकों में इन राज्यों में तापमान में वृद्धि 5 डिग्री तक दर्ज की जा सकती है और इसी प्रकार तापमान बढ़ता रहा तो एक ओर जहां जंगलों में आग लगने की घटनाओं में बढ़ोतरी होगी, वहीं धरती का करीब 20-30 प्रतिशत हिस्सा सूखे की चपेट में आ जाएगा तथा एक चौथाई हिस्सा रेगिस्तान बन जाएगा, जिसके दायरे में भारत सहित दक्षिण पूर्व एशिया, मध्य अमेरिका, दक्षिण आस्ट्रेलिया, दक्षिण यूरोप इत्यादि आएंगे।

सवाल यह है कि धरती का तापमान बढ़ते जाने के प्रमुख कारण क्या हैं? ह्यप्रदूषण मुक्त सांसेंह्ण पुस्तक के मुताबिक इसका सबसे अहम कारण है ग्लोबल वार्मिंग, जो तमाम तरह की सुख-सुविधाएं व संसाधन जुटाने के लिए किए जाने वाले मानवीय क्रियाकलापों की ही देन है। पैट्रोल, डीजल से उत्पन्न होने वाले धुएं ने वातावरण में कार्बन डाईऑक्साइड तथा ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा को खतरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि वातावरण में पहले की अपेक्षा 30 फीसदी ज्यादा कार्बन डाईऑक्साइड मौजूद है, जिसकी मौसम का मिजाज बिगाड़ने में अहम भूमिका है। पेड़-पौधे कार्बन डाईऑक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण संतुलन बनाने में अहम भूमिका निभाते रहे हैं लेकिन पिछले कुछ दशकों में वन-क्षेत्रों को बड़े पैमाने पर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील किया जाता रहा है। एक और अहम कारण है बेतहाशा जनसंख्या वृद्धि। जहां 20वीं सदी में वैश्विक जनसंख्या करीब 1.7 अरब थी, अब बढ़कर 8 अरब से भी ज्यादा हो चुकी है। अब सोचने वाली बात यह है कि धरती का क्षेत्रफल तो उतना ही रहेगा, इसलिए कई गुना बढ़ी आबादी के रहने और उसकी जरूरतें पूरी करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का बड़े पैमाने पर दोहन किया जा रहा है, इससे पर्यावरण की सेहत पर जो जबरदस्त प्रहार हुआ है, उसी का परिणाम है कि धरती बुरी तरह धधक रही है। ब्रिटेन के प्रख्यात भौतिक शास्त्री स्टीफन हॉकिंग की इस टिप्पणी को कैसे नजरअंदाज किया जा सकता है कि यदि मानव जाति की जनसंख्या इसी कदर बढ़ती रही और ऊर्जा की खपत दिन-प्रतिदिन इसी प्रकार होती रही तो करीब 600 वर्षों बाद पृथ्वी आग का गोला बनकर रह जाएगी।

धरती का तापमान बढ़ते जाने का ही दुष्परिणाम है कि ध्रुवीय क्षेत्रों में बर्फ पिघल रही है, जिससे समुद्रों का जलस्तर बढ़ने के कारण दुनिया के कई शहरों के जलमग्न होने की आशंका जताई जाने लगी है। बहरहाल, अगर प्रकृति से खिलवाड़ कर पर्यावरण को क्षति पहुंचाकर हम स्वयं इन समस्याओं का कारण बने हैं और हम वाकई गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं को लेकर चिंतित हैं तो इन समस्याओं का निवारण भी हमें ही करना होगा ताकि हम प्रकृपि के प्रकोप का भाजन होने से बच सकें अन्यथा प्रकृति से जिस बड़े पैमाने पर खिलवाड़ हो रहा है, उसका खामियाजा समस्त मानव जाति को अपने विनाश से चुकाना पड़ेगा।

संपादकीय

छात्रों का आत्मघात

कुरुक्षेत्र स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में दो महीनों के दौरान चार छात्रों द्वारा आत्महत्या करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। यह संस्थान ही नहीं, शैक्षिक जगत और उनके परिवारों की भी अपूरणीय क्षति है। घटनाएं तकनीकी संस्थानों में तनाव प्रबंधन और मानसिक उपचार की खामियों को भी उजागर करती हैं। कोई व्यक्ति आत्मघाती कदम तब ही उठाता है जब उसे उम्मीद के सारे दरवाजे बंद नजर आते हैं। इस घातक कदम को उठाने से पहले वो तनाव के चरम से जूझते हुए किस मानसिक कष्ट से गुजरता होगा, अंदाज लगाना कठिन नहीं है। उसकी मनःस्थिति इतनी हताशा से भरी होती है कि आत्महत्या जैसा पीड़ादायक-घातक रास्ता उसे समाधान नजर आता है। विडंबना है कि हम संभावनाओं के इस दुखद अंत को मूकदर्शक बने देखते हैं। हम आत्महत्या के आंकड़ों व संख्या का जिक्र ही करते हैं, लेकिन उसे पाल-पोसकर बड़ा करने वाले मां-बाप पर हुए वज्रपात का अहसास नहीं करते। उच्च तकनीकी संस्थान की दहलीज तक पहुंचने में बच्चे कितना शरीर को गलाते हैं। उन्हें पालने-पोसने व बड़ा करने में मां-बाप अपना खून पसीना एक कर देते हैं। हर बच्चा चांदी का चम्मच लेकर पैदा नहीं होता। उसके इस मुकाम तक पहुंचने में माता-पिता का त्याग शामिल होता है। कई अभिभावक बैंकों से कर्ज लेकर इन तकनीकी संस्थानों में बच्चों का एडमिशन कराते हैं। कई पैरेंट्स इस लायक बनाने के लिये पैसा कोचिंग संस्थानों में बहाते हैं। फिर एक दिन खबर आती है कि उनकी उम्मीदों ने आत्मघात कर लिया। हमें उनके दर्द को अपने दर्द की तरह महसूस करना चाहिए। इन घटनाओं के बाद एनआईटी ने एक पांच सदस्यीय जांच समिति बनायी है। लेकिन क्या समिति उन बच्चों का जीवन लौटा पाएगी? दूसरी ओर राज्यसभा सांसद जॉन ब्रिटास ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री से प्रकरण में तुरंत हस्तक्षेप करने की मांग की है। वहीं एनआईटी ने छात्रों की समस्याओं को दूर करने के लिये कुछ अलग समितियां भी बनायी हैं। देश के विभिन्न उच्च तकनीकी संस्थानों में छात्रों के आत्मघात की खबरें अकसर आती हैं। कुछ साल पहले शिक्षा मंत्रालय ने संसद को बताया था कि साल 2018-2023 के बीच उच्च शिक्षा संस्थानों के 98 छात्रों ने आत्महत्या की थी। इनमें सबसे ज्यादा सबसे प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थान आईआईटी में हुई थी। उसके बाद आत्मघात करने वाले छात्र एनआईटी और केंद्रीय विश्वविद्यालयों के थे। जाहिर है इन संस्थानों में कुछ तो ऐसा घट रहा है, जिससे हमारी संवेदनशील प्रतिभाएं साम्य नहीं बैठा पा रही हैं। विडंबना यह है कि देश के हर संस्थान व शासन-प्रशासन के स्तर पर आग लगने पर कुआं खोदने की मनोवृत्ति बनी हुई है। इन संस्थानों में पूरे देश की चुनिंदा प्रतिभाएं ही पहुंचती हैं। जो एक गलाकाट स्पर्धा के दौर से गुजरकर यहां तक आती हैं। लेकिन हमारी शिक्षा व्यवस्था का ढांचा ऐसा है जो बच्चों को किताबी कीड़ा तो बनाता है, लेकिन चुनौतियों से जूझने लायक नहीं बनाता। अब वे शिक्षक भी नहीं रहे जो छात्रों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखकर पढ़ाएं।

चिंतन-मनन

मृत्यु का अर्थ

मृत्यु एक शात सत्य है। यह अनुभूति प्रत्यक्ष प्रमाणित है, फिर भी इसके संबंध में कोई दर्शन नहीं है। अब तक जितने ऋषि-महर्षि या संत-महंत हुए हैं, उन्होंने जीवन दर्शन की चर्चा की है। जीवन के बारे में ऐसी अनेक दृष्टियां उपलब्ध हैं जिनसे जीवन को सही रूप में समझा जा सकता है और जिया जा सकता है। किंतु मृत्युक को एक अवश्यंभावी घटना मात्र मानकर उपेक्षित कर दिया गया। मृत्यु के पीछ भी कोई दर्शन है, इस रहस्य को अधिक लोग पकड़ ही नहीं पाए। यही कारण है कि जीवन दर्शन की भांति मृत्यु दर्शन जीवन में उपयोगी नहीं बन सका। जैन दर्शन एक ऐसा दर्शन है जिसने जीवन को जितना महत्व दिया, उतना ही महत्व मृत्यु को दिया। बशत्रे कि वह कलात्मक हो। कलात्मक जीवन जीने वाला व्यक्ति जीवन की सब विसंगतियों के मध्य जीता हुआ भी उसका सार तत्व खींच लेता है। इसी प्रकार मृत्यु की कला समझने वाला व्यक्ति भी मृत्यु से भयभीत न होकर उसे चुनौती देता है। जैन दर्शन में इसका सवार्गीण विवेचन उपलब्ध है। मृत्यु का अर्थ है- आयुष्य प्राण चुक जाने पर जीव का स्थूल शरीर से वियोग।इसके कई प्रकार हैं। उन सबका संक्षिप्त वर्गीकरण किया जाए तो मृत्यु के दो प्रकार होते हैं- बाल मरण और पंडित मरण. असंयम और असमाधिमय मरण बाल मरण है।अकाल मृत्यु, आत्महत्या, अज्ञान मरण आदि सभी प्रकार के मरण बाल मरण में अंतर्निहित हैं। संयम और समाधिमय मृत्यु पंडित मरण है। जीवन के अंतिम क्षणों में भी संयम और समाधि का स्पर्श हो जाए तो वह मरण पंडित मरण की गणना में आ जाता है। कुछ व्यक्ति मौत के नाम से ही घबराते हैं। वे जीवन को महत्व देते हैं। अपना-अपना चिंतन है। मुझे इस संबंध में अपने विचार देने हों तो मैं मृत्यु को वरीयता दूंगा। क्योंकि जीवन की सार्थकता भी मृत्यु पर ही निर्भर करती है। किसी व्यक्ति ने तपस्या की है और जागरुकता के साथ धर्म की आराधना की है, तो उसका फल समाधिमय मृत्यु ही है।

स्पेस में बढ़ता मलबा और सैटेलाइट की सुरक्षा बनी चुनौती

कांतिलाल मांडोत

पिछले दो दशकों में अंतरिक्ष गतिविधियों में जिस तेजी से वृद्धि हुई है, उसने मानवता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है, लेकिन इसके साथ एक गंभीर खतरा भी पैदा हो गया है। यह खतरा है अंतरिक्ष में तेजी से बढ़ते मलबे का, जिसे अब वैज्ञानिक ह्यस्पेस डेब्रिसह्ण के नाम से पहचानते हैं। 2005 से 2025 के बीच भारत सहित दुनिया के कई देशों ने सैकड़ों उपग्रह अंतरिक्ष में स्थापित किए, जिससे पृथ्वी की कक्षा पहले की तुलना में कहीं अधिक भीड़भाड़ वाली हो गई है। इस स्थिति ने सैटेलाइट की सुरक्षा को एक बड़ी चुनौती बना दिया है।

भारत की अंतरिक्ष एजेंसी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने इस खतरे को गंभीरता से लेते हुए कई बार अपने उपग्रहों और मिशनों को संभावित टकराव से बचाने के लिए कक्षा में बदलाव किया है। हाल के वर्षों में उपग्रहों और चंद्र मिशनों को कुल 18 बार खतरे से बचाने के लिए रास्ता बदलना पड़ा, जिनमें से अधिकांश मामले अंतरिक्ष मलबे से जुड़े थे। यह केवल तकनीकी चुनौती नहीं है, बल्कि यह भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों की सुरक्षा और सफलता से भी जुड़ा हुआ विषय बन चुका है।

अंतरिक्ष में मलबे की समस्या अब एक वैश्विक चिंता बन चुकी है। विभिन्न शोधों के अनुसार, पृथ्वी की कक्षा में 10 सेंटीमीटर से बड़े लगभग 40,000 मलबे के टुकड़े मौजूद हैं, जबकि 1 सेंटीमीटर से बड़े टुकड़ों की संख्या 12 लाख के करीब पहुंच चुकी है। यह मलबा पुराने उपग्रहों के अवशेष, रॉकेट के टूटे हिस्से और टकराव से उत्पन्न कणों का मिश्रण है। इनकी रफ्तार लगभग 28,000 किलोमीटर प्रति घंटा होती है, जो किसी भी सक्रिय उपग्रह के लिए बेहद खतरनाक है। इतनी तेज गति से चलने वाला एक छोटा सा टुकड़ा भी किसी सैटेलाइट को पूरी तरह नष्ट कर सकता है।

भारत के चंद्र मिशन भी इस खतरे से अछूते नहीं हैं। चंद्रयान-2 के ऑर्बिटर को 2025 में कई बार अपनी कक्षा बदलनी पड़ी। अकेले इस मिशन के लिए 16 बार ऑर्बिट मैन्यूवर किए गए, ताकि संभावित टकराव से बचा जा सके। यह दशार्ता है कि अब अंतरिक्ष में काम करना पहले की तुलना में कहीं अधिक जटिल और जोखिम भरा हो गया है। हर मिशन को न केवल अपने वैज्ञानिक उद्देश्यों पर ध्यान देना होता है, बल्कि उसे सुरक्षित बनाए रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण हो गया है। अंतरिक्ष में बढ़ती भीड़ का एक और असर लॉन्चिंग प्रक्रियाओं पर भी पड़ा है। कई बार रॉकेट लॉन्च को अंतिम क्षणों में टालना पड़ता है ताकि वह मलबे के रास्ते से बच सके। एक मामले में भारत को अपने एक मिशन की लॉन्चिंग 41 सेकंड तक टालनी पड़ी, ताकि संभावित टकराव से बचा जा सके। यह छोटी सी देरी दिखने में मामूली लग सकती है, लेकिन इसके पीछे अत्यंत जटिल गणनाएं और सुरक्षा उपाय होते हैं।

इस चुनौती से निपटने के लिए भारत ने ह्यनेत्रह्ण परियोजना की शुरूआत की है। प्रोजेक्ट नेत्र का उद्देश्य अंतरिक्ष में मौजूद मलबे और अन्य वस्तुओं की निगरानी करना है। इसके तहत उन्नत ट्रैकिंग सिस्टम विकसित किए जा रहे हैं, जो 10 सेंटीमीटर तक के मलबे को भी पहचान सकें। यह प्रणाली भविष्य में सैटेलाइट्स को समय रहते खतरे से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

दुनिया के अन्य देश भी इस समस्या के समाधान के लिए प्रयास कर रहे हैं। अमेरिका उन्नत कोलिजन अवॉइडेंस सॉफ्टवेयर विकसित कर रहा है और 2030 तक सक्रिय मलबा हटाने वाली तकनीकों को तैनात करने की योजना बना रहा है। चीन ने विशाल ग्राउंड-बेस्ड टेलीस्कोप सिस्टम तैयार किया है, जो अंतरिक्ष में मौजूद वस्तुओं की निगरानी करता है और उपग्रहों को सुरक्षित कक्षा में स्थानांतरित करने में मदद करता है। वहीं यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी मलबे को हटाने के लिए नई तकनीकों पर काम कर रही है, जिनमें छोटे कणों को जलाकर नष्ट करना या उनकी दिशा बदलना शामिल है।

अंतरिक्ष में मलबे की समस्या केवल तकनीकी नहीं है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय सहयोग की भी मांग करती है। जैसे-जैसे अधिक देश और निजी कंपनियां अंतरिक्ष में प्रवेश कर रही हैं, यह जरूरी हो गया है कि सभी एक साझा नियम और जिम्मेदारी के तहत काम करें। अगर इस दिशा में समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो भविष्य में अंतरिक्ष अभियानों की लागत और जोखिम दोनों बढ़ सकते हैं।

स्पेस डेब्रिस का बढ़ता खतरा हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि अंतरिक्ष अब केवल खोज और विकास का

क्षेत्र नहीं रह गया है, बल्कि इसकी सुरक्षा भी उतनी ही जरूरी हो गई है। आने वाले वर्षों में सैटेलाइट्स की संख्या और बढ़ेगी, जिससे यह चुनौती और गंभीर हो सकती है। ऐसे में वैज्ञानिकों और अंतरिक्ष एजेंसियों के लिए यह आवश्यक हो गया है कि वे नई तकनीकों और रणनीतियों के माध्यम से इस समस्या का समाधान निकालें।

अंततः यह कहा जा सकता है कि अंतरिक्ष में बढ़ता मलबा मानवता के लिए एक चेतावनी है। यदि हम समय रहते सतर्क नहीं हुए, तो यह हमारी सबसे महत्वपूर्ण तकनीकी उपलब्धियों के लिए खतरा बन सकता है। इसलिए सैटेलाइट की सुरक्षा अब केवल एक तकनीकी मुद्दा नहीं, बल्कि वैश्विक जिम्मेदारी बन चुकी है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ताः सुविधा का वरदान या मूल्यों का संकट

ललित गर्ग

मानव सभ्यता के विकास का इतिहास यदि देखा जाए तो यह स्पष्ट होता है कि हर नई तकनीक अपने साथ संभावनाओं और संकटों का एक द्वंद्व लेकर आती है। आज का समय भी इसी द्वंद्व से गुजर रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के रूप में विकसित हो रही नवीन तकनीक ने जीवन को सरल, तीव्र और सुविधाजनक बनाया है, किंतु इसके साथ ही यह मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक संतुलन के लिए एक गंभीर चुनौती भी बनकर उभर रही है। समाज के चिंतकों, दार्शनिकों और आध्यात्मिक नेतृत्व ने समय-समय पर इस विषय पर चिंता व्यक्त की है और हाल ही में पोप लियो 14 द्वारा व्यक्त आशंकाओं ने इस चिंता को वैश्विक विमर्श का केंद्र बना दिया है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि इस तकनीक का उपयोग नैतिक मयार्दाओं से परे जाकर किया गया, तो यह विश्व में विभाजन, भय, हिंसा और संघर्ष को बढ़ावा दे सकती है। यह चेतावनी केवल एक धार्मिक नेता की भावनात्मक प्रतिक्रिया नहीं है, बल्कि यह उस गहरी चिंता का संकेत है जो आज पूरी मानवता के भीतर कहीं न कहीं विद्यमान है। तकनीक अपने आप में न तो नैतिक होती है और न ही अनैतिक, किंतु उसका उपयोग उसे किसी भी दिशा में ले जा सकता है।

वर्तमान समय में यह देखा जा रहा है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग केवल रचनात्मक और सकारात्मक कार्यों तक सीमित नहीं रह गया है। इसके माध्यम से झूठी सूचनाओं का निर्माण, नकली चित्रों और ध्वनियों का सृजन तथा जनमत को प्रभावित करने के प्रयास तेजी से बढ़े हैं। चुनावी प्रक्रियाओं में इसका उपयोग लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर कर सकता है। जब कोई मतदाता यह

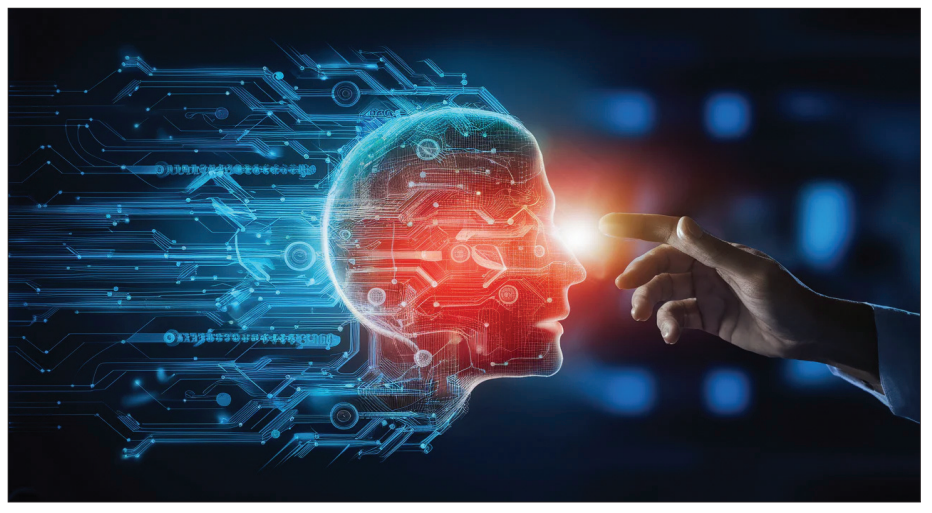

समझ ही नहीं पाता कि जो वह देख रहा है या सुन रहा है वह सत्य है या निर्मित भ्रम, तब उसकी निर्णय क्षमता प्रभावित होती है। यह स्थिति लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति विश्वास को कमजोर करती है। आज सोशल माध्यमों पर ऐसी अनेक घटनाएँ सामने आती हैं, जहाँ किसी व्यक्ति को नरेंद्र मोदी जैसे बड़े नेताओं के साथ दिखाया जाता है, जबकि वास्तविकता में ऐसा कभी हुआ ही नहीं होता। यह केवल व्यक्तिगत भ्रम नहीं, बल्कि सामाजिक स्तर पर विश्वास की संरचना को कमजोर करने वाला प्रवाह है। जब झूठ और सत्य के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है, तब समाज में संशय, अविश्वास और अस्थिरता का वातावरण बनता है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का एक और चिंताजनक पक्ष है साइबर अपराधों में इसका बढ़ता उपयोग। आज अपराधी किसी व्यक्ति की आवाज की नकल करके उसके परिचितों को धोखा देने में सक्षम हो गए हैं। परिवार के सदस्य या अधिकारी बनकर धन की ठगी करना अब अत्यंत सरल हो गया है। इस प्रकार की घटनाओं ने अनेक लोगों की जीवन भर की कमाई को पल भर में समाप्त कर दिया है। यह केवल आर्थिक क्षति नहीं, बल्कि विश्वास और सुरक्षा की भावना पर गहरा आघात है। वित्तीय क्षेत्र में भी इस तकनीक का दुरुपयोग गंभीर संकट उत्पन्न कर सकता है। स्वचालित हमलों के माध्यम से बैंकिंग व्यवस्था की कमजोरियों का लाभ उठाया जा सकता है। यदि इस प्रकार के हमले व्यापक स्तर पर होते हैं, तो यह केवल व्यक्तिगत हानि तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि राष्ट्रीय और वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी अस्थिर कर सकते हैं। यह स्थिति उस समय और भी गंभीर हो जाती है जब नियामक संस्थाएँ इन जटिल तकनीकों की गति और स्वरूप को समझने में पीछे रह जाती हैं।

पर्यावरणीय दृष्टि से भी यह तकनीक पूरी तरह निर्दोष नहीं है। विशाल आंकड़ा केंद्रों की स्थापना, ऊर्जा की अत्यधिक खपत, तथा खनिज संसाधनों का दोहन-ये सभी प्रकृति पर अतिरिक्त दबाव डालते हैं। कोबाल्ट और लिथियम जैसे खनिजों की बढ़ती मांग पर्यावरणीय असंतुलन और मानवीय शोषण दोनों को जन्म देती है। इस प्रकार यह तकनीक केवल सामाजिक या नैतिक ही नहीं, बल्कि पर्यावरणीय चुनौती भी बन रही है। इन सभी चिंताओं के बीच यह समझना आवश्यक है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता को नकारा नहीं जा सकता। यह आधुनिक जीवन का अभिन्न अंग बन चुकी है और चिकित्सा, शिक्षा, आपदा प्रबंधन तथा उत्पादन के क्षेत्र में इसके योगदान को अनदेखा नहीं किया जा सकता। समस्या तकनीक में नहीं, बल्कि उसके उपयोग के स्वरूप में है। यदि इसे मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ जोड़ा जाए, तो यह एक वरदान सिद्ध हो सकती है।

इसके लिए सबसे पहले आवश्यक है कि इसके विकास और उपयोग के लिए स्पष्ट और सशक्त नियम बनाए जाएं। सरकारों और संस्थाओं को यह सुनिश्चित करना होगा कि इस तकनीक का उपयोग पारदर्शी, सुरक्षित और उत्तरदायी तरीके से हो। कंपनियों को अपने तंत्र में ऐसी व्यवस्थाएँ विकसित करनी चाहिए, जिससे किसी भी प्रकार की भ्रामक सामग्री की पहचान और नियंत्रण संभव हो सके। साथ ही नागरिकों की जागरूकता भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। डिजिटल साक्षरता के बिना कोई भी समाज इस चुनौती का सामना नहीं कर सकता। लोगों को यह समझना होगा कि जो कुछ वे देख या सुन रहे हैं, वह हमेशा सत्य नहीं हो सकता। सत्यापन की प्रवृत्ति को विकसित करना समय की आवश्यकता है। नैतिकता के स्तर पर यह भी आवश्यक है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रशिक्षण के लिए उपयोग किए जाने वाले आंकड़े निष्पक्ष और उच्च गुणवत्ता वाले हों। यदि आधार ही पक्षपाती होगा, तो परिणाम भी पक्षपाती होंगे। इससे सामाजिक असमानता और भेदभाव को बढ़ावा मिल सकता है। इसलिए निष्पक्षता, पारदर्शिता, गोपनीयता और उत्तरदायित्व जैसे सिद्धांतों को इसके विकास का आधार बनाना होगा।

सांस्कृतिक दृष्टि से भी यह ध्यान रखना आवश्यक है कि तकनीकी विकास हमारी परंपराओं और मूल्यों के साथ संतुलन बनाए रखे। हमारी सांस्कृतिक धरोहर का डिजिटलीकरण और संरक्षण इस दिशा में एक सकारात्मक कदम हो सकता है, किंतु यह भी सुनिश्चित करना होगा कि इसका उपयोग सम्मानपूर्वक और संवेदनशीलता के साथ किया जाए। साररूप में यह कहा जा सकता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक शक्तिशाली साधन है, जो मानव जीवन को नई दिशा दे सकता है। किंतु यदि इसे नैतिकता से अलग कर दिया जाए, तो यह उसी गति से विनाश का कारण भी बन सकता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम तकनीक के विकास के साथ-साथ अपने नैतिक मूल्यों को भी सुदृढ़ करें। विज्ञान और मानवीय संवेदना के बीच संतुलन ही वह मार्ग है, जो हमें सुरक्षित और समृद्ध भविष्य की ओर ले जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

लेबनान में यीशु प्रतिमा वाली तस्वीर पर बवाल, इस्राइली सेना ने जांच शुरू की; सोशल मीडिया पर मचा हंगामा

तेल अवीव, एजेंसी। लेबनान के दक्षिणी हिस्से में एक वायरल तस्वीर को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। इस मामले में इस्राइली सेना ने जांच शुरू कर दी है। तस्वीर में एक इस्राइली सैनिक को कथित तौर पर यीशु मसीह की क्रूस पर लगी प्रतिमा को नुकसान पहुंचाते हुए दिखाया गया है। यह तस्वीर लेबनान के देबेल गांव की बताई जा रही है। इस तस्वीर में क्रूस पर लगे यीशु की प्रतिमा को असामान्य स्थिति में दिखाया गया है। दावा किया जा रहा है कि एक सैनिक ने हथौड़े या कुल्हाड़ी जैसी चीज से प्रतिमा पर वार किया। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में गुस्सा देखा जा रहा है। देबेल गांव के उप प्रमुख मारून नसीफ ने इस घटना की कड़ी निंदा की है। उन्होंने इसे धार्मिक भावनाओं पर हमला बताते हुए कार्रवाई की मांग की है। इस्राइल रक्षा बल (आईडीएफ) ने एक बयान में कहा कि वे इस घटना को गंभीरता से ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि सैनिक का आचरण पूरी तरह से उन मूल्यों के विपरीत है जिनकी उनसे अपेक्षा की जाती है। आईडीएफ के उत्तरी कमान ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है। आईडीएफ ने कहा 'जांच के निष्कर्षों के अनुसार, इसमें शामिल लोगों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी।' सेना ने यह भी कहा कि वे स्थानीय समुदाय की प्रतिमा को उसके मूल स्थान पर बहाल करने में सहायता करने के लिए काम कर रहे हैं।

होर्मुज की सुरक्षा पर भारत-दक्षिण कोरिया साथ, राष्ट्रपति ली ने सप्लाई चेन सहयोग बढ़ाने पर दिया जोर

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने कहा है कि दक्षिण कोरिया और भारत को होर्मुज जलडमरूमध्य में सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि वैश्विक सप्लाई चेन को स्थिर बनाने और ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने के लिए दोनों देशों के बीच साझेदारी बेहद अहम है। राष्ट्रपति ली ने एक साक्षात्कार में यह टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ प्रस्तावित शिखर वार्ता से पहले की। यह बैठक उनके राष्ट्रपति पद संभालने के बाद मोदी के साथ तीसरी आमने-सामने की मुलाकात मानी जा रही है। उन्होंने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच लंबे समय से जारी संघर्ष के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग पर असर पड़ा है। इसके चलते वैश्विक तेल कीमतों में तेजी आई है और औद्योगिक उत्पादन के लिए जरूरी कच्चे माल की आपूर्ति भी प्रभावित हुई है। राष्ट्रपति ली ने कहा कि दक्षिण कोरिया और भारत दोनों अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए पश्चिम एशिया से आने वाले कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस पर काफी हद तक निर्भर हैं। ऐसे में महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों की सुरक्षा हमारे नागरिकों की सुरक्षा और हमारे देशों के अस्तित्व से जुड़ा मुद्दा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि दक्षिण कोरिया भारत के साथ लगातार संवाद बनाए रखेगा ताकि सभी जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित और स्वतंत्र रूप से गुजर सकें। साथ ही दोनों देश अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी इस साझा प्रतिबद्धता को मजबूत करेंगे। ऊर्जा निर्भरता कम करने और आपूर्ति संकट से निपटने के लिए राष्ट्रपति ली ने महत्वपूर्ण खनिजों की सप्लाई चेन में सहयोग बढ़ाने की भी वकालत की। उन्होंने कहा कि पारंपरिक आयात मॉडल से आगे बढ़ते हुए दक्षिण कोरिया की तकनीकी क्षमता और भारत की खनन व रिफाइनिंग क्षमता को जोड़कर स्थिर और भरोसेमंद सप्लाई चेन बनाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच सहयोग केवल पारंपरिक क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि एआई, रक्षा, शिपिंग, शिपबिल्डिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल और वित्तीय सेवाओं जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में भी साझेदारी को नई गति दी जाएगी।

अमेरिका के लुइसियाना में घरेलू कलह के चलते हुई गोलीबारी, आठ बच्चों की दर्दनाक मौत

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के लुइसियाना में गोलीबारी की दर्दनाक घटना हुई है। इस घटना में एक से 14 साल के आठ बच्चों की मौत हो गई है। पुलिस ने इसकी पुष्टि की है। पुलिस ने बताया कि घरेलू कलह के चलते ये घटना हुई। फिलहाल पुलिस घटना की जांच में जुटी है। घटना रविवार तड़के श्रेवपोर्ट इलाके में हुई। श्रेवपोर्ट पुलिस के प्रवक्ता ने बताया कि घटना में कुल 10 लोगों को गोली लगी, जिनमें कुछ बच्चे संदिग्ध हमलावर के रिश्तेदार भी थे। गोलीबारी में आठ बच्चों की मौत की पुष्टि हुई है। मृतकों की उम्र एक वर्ष से लेकर लगभग 14 वर्ष तक बताई गई है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी की बाद में पुलिस के साथ मुठभेड़ के दौरान मौत हो गई। गोलीबारी के बाद आरोपी ने मौके से भागते समय एक कार चोरी कर ली थी, जिसके बाद पुलिस ने उसका पीछा किया। पुलिस ने अभी तक आरोपी की पहचान उजागर नहीं की है, लेकिन उसे एक वयस्क पुरुष बताया गया है।

ईरान सेना और विदेश नीति पर आईआरजीसी का नियंत्रण; कमांडर अहमद वाहिदी ले रहे हैं देश के फैसले

ईरान, एजेंसी। ईरान को लेकर आई एक रिपोर्ट के मुताबिक, अब वहां की सेना और विदेश नीति पर कट्टरपंथी संगठन इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) का पूरा नियंत्रण हो गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आईआरजीसी के कमांडर अहमद वाहिदी और उनके सहयोगी अब देश के फैसले ले रहे हैं, जबकि पहले जो नेता बातचीत और शांति की कोशिश कर रहे थे, उन्हें किनारे कर दिया गया है।

बताया गया है कि अब्बास अराघची जैसे नेता अमेरिका के साथ बातचीत करना चाहते थे और होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने पर सहमत थे, लेकिन आईआरजीसी ने इस फैसले को रोक दिया। इसके बाद ईरान ने उस रास्ते से गुजरने वाले जहाजों पर हमला भी किया, जिससे कई जहाज फंस गए। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अब ईरान के अंदर सख्त रुख अपनाया जा रहा है और जो नेता नरम रवैया चाहते हैं, उनकी शक्ति कम हो गई है। इससे अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत मुश्किल हो गई है और क्षेत्र में तनाव बढ़ने का खतरा बना हुआ है।

दुनिया भर में कैसा है बाजार का हाल : एशियाई बाजारों में तेजी के साथ कारोबार हो रहा था। टोक्यो, हांगकांग, शंघाई, सोल और जकार्ता हरे निशान में थे। केवल बैंकॉक लाल निशान में था। अमेरिकी शेयर बाजार शुक्रवार को बड़ी तेजी के साथ बंद हुए थे। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार में इक्विटी में 683.20 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया था। वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने इक्विटी में 4,721.48 करोड़ रुपए की शुद्ध बिकवाली की थी।

अमेरिका-ईरान तनाव के बीच सपाट खुला भारतीय शेयर बाजार : अमेरिका-ईरान तनाव के बीच भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत सोमवार को सपाट हुई। सुबह 9:17 पर सेंसेक्स 137.14 अंक या 0.17 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 78,356.40 और निफ्टी 61.65 अंक या 0.25 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,291.50 पर था। बाजार में गिरावट का नेतृत्व मेटल और रियल्टी शेयर कर रहे थे। इस कारण सूचकांकों में निफ्टी मेटल और निफ्टी रियल्टी टॉप लूजर्स थे। इसके अलावा निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी पीएसई, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी कमोडिटीज और निफ्टी ऑयल एंड गैस भी लाल निशान में थे। दूसरी तरफ निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी मीडिया और निफ्टी कंजप्शन हरे निशान में थे। दूसरी तरफ मिडकैप और स्मॉलकैप में तेजी देखने को मिल रही थी। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 303.70 अंक या 0.51 प्रतिशत की तेजी के साथ 60,201.90 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 38.40 अंक या 0.22 प्रतिशत की मजबूती के साथ 17,604 पर था। सेंसेक्स पैक में ट्रेंट, एसबीआई, आईसीआईसीआई बैंक, एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, अदाणी पोर्ट्स, एलएंडटी, एक्सिस बैंक, एनटीपीसी, एचयूएल, बजाज फिनसर्व, एमएंडएम, बजाज फिनसर्व, भारती एयरटेल, टाटा स्टील और इंडिगो गेनर्स थे। वहीं, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, कोटक महिंद्रा बैंक, टीसीएस, टाइटन और इटरनल लूजर्स थे।

अमेरिका-ईरान वार्ता में मुख्य अड़चनें : ईरान का परमाणु कार्यक्रमः अमेरिका चाहता है कि ईरान अपना परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह बंद कर दे, लेकिन तेहरान का कहना है कि किसी भी तरह की पाबंदी केवल सीमित वर्षों के लिए होनी चाहिए। ईरान का यूरेनियम भंडारः राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि अमेरिका चाहता है कि ईरान अपने लगभग 400 किलोग्राम उच्च संवर्धित यूरेनियम को अमेरिका को सौंप दे। लेकिन ईरान ने इस मांग को पूरी तरह खारिज कर दिया है। होर्मुज जलडमरूमध्यः ईरान का कहना है कि वह इस समुद्री मार्गो पर अपनी पाबंदियां तब तक बनाए रखेगा, जब तक अमेरिका ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी नहीं हटाता। लेकिन ट्रंप का कहना है कि जब तक समझौता नहीं होता, तब तक यह रोक जारी रहेगी।

जब्त की गई संपत्तियाः ईरानी अधिकारी मांग कर रहे हैं कि अमेरिका उन पर लगे प्रतिबंध हटाए और करीब 20 अरब डॉलर की संपत्तियां जो जब्त हैं, उन्हें वापस करे।युद्ध क्षतिपूर्तिः ईरान यह भी मांग कर रहा है कि अमेरिका और इज़राइल द्वारा किए गए हमलों से हुए नुकसान के लिए उसे लगभग 270 अरब डॉलर का मुआवजा दिया जाए।

ईरान ने क्षतिग्रस्त सरकारी इमारतों की बिक्री की दी अनुमति : ईरान ने युद्ध में क्षतिग्रस्त सरकारी इमारतों की बिक्री या अदला-बदली की अनुमति देते हुए नया निर्देश जारी किया है। इसमें गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त या पुनर्निर्माण योग्य न होने वाली इमारतों का फैसला सरकारी एजेंसियां लेंगी। यूएनआईएफआईएल ने लेबनान में मारे गए फ्रांसीसी शांति सैनिक फ्लोरियन मॉन्टोरियो को श्रद्धांजलि दी और उनके पार्थिव शरीर को फ्रांस भेज दिया है।

ट्रंप के टैरिफ वार से परेशान कनाडा, दुनिया में नए व्यापारिक रास्ते की कर रहा तलाश

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अमेरिका के साथ बढ़ते व्यापारिक तनाव के बीच देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए नई रणनीति पर जोर दिया है। उन्होंने साफ कहा कि अब सिर्फ अमेरिका पर निर्भर रहना कनाडा की ताकत नहीं, बल्कि कमजोरी बन गया है, और इससे बाहर निकलने के लिए दुनिया के अन्य देशों के साथ व्यापार बढ़ाना जरूरी है। ओटावा से जारी एक वीडियो संदेश में कार्नी ने बताया कि अमेरिका ने अपने व्यापारिक रवैये में बड़ा बदलाव किया है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में टैरिफ (आयात शुल्क) को इतना बढ़ा दिया गया है, जैसा कि पहले केवल महामंदी के समय देखा गया था। इन भारी शुल्कों का सीधा असर कनाडा के ऑटोमोबाइल, स्टील और लकड़ी (लंबर) उद्योग पर पड़ा है।

अमेरिका ने कनाडा के कई उत्पादों पर लगाए हैं टैरिफ : रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 की शुरुआत से ही अमेरिका ने कनाडा से आने वाले कई उत्पादों पर कड़े टैरिफ लगाए हुए हैं। कुछ सामानों पर 25% तक और स्टील व एल्युमिनियम पर 50% तक टैक्स लगाया गया है। इससे दोनों देशों के बीच सप्लाई चेन बुरी तरह प्रभावित हुई है और कनाडा पर नए व्यापारिक विकल्प तलाशने का दबाव बढ़ गया है। कार्नी ने बताया कि उनकी सरकार पिछले एक साल में चार महाद्वीपों में 20 नए व्यापार समझौते

कर चुकी है। अब सरकार का फोकस विदेशी निवेश बढ़ाने, देश के अंदर राज्यों के बीच व्यापार नियम आसान बनाने और स्वच्छ ऊर्जा (क्लीन एनर्जी) क्षमता को दोगुना करने पर है, ताकि बाहरी झटकों का असर कम हो सके। उन्होंने कहा,' उम्मीद कोई योजना नहीं होती और पुरानी यादों के सहारे रणनीति नहीं बनाई जा सकती।' यानी कनाडा अब पुराने अमेरिका-केंद्रित मॉडल पर वापस लौटने का इंतजार नहीं करेगा, बल्कि नई दिशा में आगे बढ़ेगा। कार्नी ने यह भी माना कि अमेरिकी टैरिफ का असर वहां के ऑटो और स्टील सेक्टर के कामगारों पर पड़ा है। अनिश्चित माहौल के कारण कंपनियां निवेश करने से बच रही हैं, जिससे आर्थिक गतिविधियों पर असर पड़ रहा है। वहीं, अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के उस बयान से भी कनाडा में नाराजगी है, जिसमें उन्होंने कनाडा को अमेरिका का '51वां राज्य' बनाने की बात कही थी। इस बयान ने दोनों देशों के रिश्तों में और तनाव बढ़ा दिया है। प्रधानमंत्री कार्नी ने भरोसा दिलाया कि सरकार समय-समय पर जनता को इस नई आर्थिक रणनीति की जानकारी देती रहेगी।

महिला पत्रकार के होर्मुज से जुड़े सवाल पर भड़के ट्रंप, कहा- बाहर जाओ; भारत से क्या कनेक्शन?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर अपने बयान को लेकर चर्चा में हैं। इस बार मामला भारतीय जहाजों पर हुए हमले से जुड़ा है, जिस पर सवाल पूछने पर वह भड़क गए। दरअसल, व्हाइट हाउस कवर करने वाली ओलिविया रिनाल्डी ने ईरान में चल रही स्थिति और होर्मुज में हाल की घटनाओं को लेकर सवाल पूछने की कोशिश की। जैसे ही उन्होंने भारतीय जहाजों पर हमले का जिक्र किया, ट्रंप नाराज हो गए और उन्होंने पत्रकार को बाहर निकलने को कह दिया।

यह घटना ऐसे समय में सामने आई है जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव चरम पर है। रिपोर्ट के मुताबिक, होर्मुज पार करने की कोशिश कर रहे दो भारतीय जहाजों पर ईरान ने हमला किया था, जिस पर भारत ने भी नाराजगी जताई है। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। एक यूजर ने वह क्लिप शेयर की, जिसमें ट्रंप पत्रकारों को बाहर जाने के लिए कहते नजर आ रहे हैं। जिसके बाद उसी पोस्ट को महिला रिपोर्टर ने खुद भी शेयर करते हुए लिखा, 'मैंने राष्ट्रपति से होर्मुज में मौजूद दो जहाजों के बारे में पूछने की कोशिश की, जिन पर कथित तौर पर ईरानी गनबोट्स ने गोलियां चलाई थीं। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा- बाहर निकलो।' ओलिविया रिनाल्डी सीबीएस न्यूज में व्हाइट हाउस रिपोर्टर हैं।

वह 2024 के राष्ट्रपति चुनाव अभियान की कवरेज भी कर चुकी हैं। इससे पहले वह सीबीएस इवनिंग न्यूज में एसोसिएट प्रोड्यूसर के तौर पर काम कर चुकी हैं। इस बीच, ट्रंप ने ईरान को लेकर सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने कहा कि ईरान ने संघर्ष-विराम का गंभीर उल्लंघन किया है, लेकिन उन्हें अब भी शांति समझौते की उम्मीद है। ट्रंप ने कहा, 'यह होगा। किसी न किसी तरह। अच्छे तरीके से या मुश्किल तरीके से। यह होकर रहेगा।' उन्होंने आगे कहा कि हम ईरान को एक अच्छी डील ऑफर कर रहे हैं। उन्हें यह डील माननी ही पड़ेगी और अगर नहीं मानते हैं तो फिर सभी पुलों और पावर प्लांट्स पर हमले होंगे।

उत्तर कोरिया ने क्लस्टर बमों का किया परीक्षण, किम जोंग-उन की बेटी भी रहीं मौजूद

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरिया ने बैलिस्टिक मिसाइलों के अपने नवीनतम प्रक्षेपण में क्लस्टर बमों का परीक्षण किया है। यह परीक्षण नेता किम जोंग-उन की देखरेख में हुई है।दक्षिण कोरिया की सेना ने उत्तर कोरिया के सिनफो क्षेत्र से सुबह लगभग 6:10 बजे पूर्वी सागर की ओर दागी। कई अल्प दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों का पता लगाने के एक दिन बाद, कोरियाई सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने ह्वासोंग-11 रा सामरिक बैलिस्टिक मिसाइल के प्रक्षेपण की रिपोर्ट प्रकाशित की। केसीएनए ने कहा कि परीक्षण प्रक्षेपण का उद्देश्य हथियार प्रणाली में लगे क्लस्टर बम वारहेड और विखंडन माइन वारहेड की शक्ति का मूल्यांकन करना था। केसीएनए की रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 136 किलोमीटर दूर स्थित लगभग 13 हेक्टेयर क्षेत्रफल वाले एक द्वीप के पास एक लक्ष्य क्षेत्र पर पांच मिसाइलों ने हमला किया। यह अत्यधिक घनत्व वाला क्षेत्र था, जिससे उनकी युद्ध क्षमता पूरी तरह से प्रदर्शित हुई।

बेटी भी रही मौजूद : इसके साथ ही जारी की गई तस्वीरों में किम की बेटी जू-ए भी नजर आई, जिनके बारे में माना जाता है कि उन्हें उनके उत्तराधिकारी के रूप में तैयार किया जा रहा है। किम ने परीक्षण प्रक्षेपण पर अत्यंत संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि यह एक विशिष्ट लक्ष्य क्षेत्र को नष्ट करने के लिए उच्च घनत्व वाली मारक क्षमता के साथ-साथ उच्च परिशुद्धता वाली मारक क्षमता को बढ़ाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि विभिन्न क्लस्टर बम वारहेड का विकास और परिचय कोरियाई पीपुल्स आर्मी की परिचालन मांग को अधिक संतोषजनक और प्रभावी तरीके से पूरा कर सकता है। नेता ने हथियार विकास के लिए जिम्मेदार विज्ञान अनुसंधान समूहों को भी प्रोत्साहित किया और कहा कि वे हमारी सेना की युद्ध तत्परता के लिए आवश्यक विभिन्न अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों को प्राप्त करने और अद्यतन करने के अपने महत्वपूर्ण प्रयासों को जारी रखेंगे। किम के साथ परीक्षण प्रक्षेपण में केंद्रीय सैन्य आयोग के सदस्य किम जोंग-सिक, मिसाइल प्रशासन के प्रमुख जांग चांग-हा और सैन्य इकाई के कमांडर भी उपस्थित थे। रविवार को किया गया यह प्रक्षेपण 8 अप्रैल को उत्तर कोरिया द्वारा कई अल्प दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों के परीक्षण के बाद हुआ। उस समय राज्य मीडिया ने कहा था कि देश ने क्लस्टर बम वारहेड से युक्त एक सामरिक बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया था। इसके साथ ही दावा किया था कि यह उच्चतम घनत्व शक्ति के साथ लक्षित क्षेत्रों को राख में बदल सकती है। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रीय सुरक्षा कार्यालय ने उत्तर कोरिया द्वारा किए गए नवीनतम मिसाइल प्रक्षेपण की निंदा करते हुए इसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों का उल्लंघन बताया है और उत्तर कोरिया की मिसाइल संबंधी उकसावों को तत्काल रोकने का आह्वान किया है। क्लस्टर बम दर्जनों से लेकर सैकड़ों छोटे बम छोड़ता है, जिससे यह एक विस्तृत क्षेत्र में कई लक्ष्यों को निशाना बना सकता है। इस हथियार का इस्तेमाल ईरान द्वारा मध्य पूर्व में चल रहे संघर्ष में किया गया है।

इतिहास में पहली बार उपराष्ट्रपति का श्रीलंका दौरा, विकास कार्यों पर हुई चर्चा

कोलंबो, एजेंसी। भारत और श्रीलंका के बीच सदियों पुराने संबंधों को और प्रगाढ़ करने के उद्देश्य से भारत के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन श्रीलंका के दो दिवसीय दौरे पर हैं। रविवार को कोलंबो पहुंचते ही उपराष्ट्रपति ने श्रीलंकाई राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक की। इस दौरान द्विपक्षीय रणनीतिक रिश्तों पर चर्चा हुई।

अधिकारियों के अनुसार, यह किसी भी भारतीय उपराष्ट्रपति की श्रीलंका की पहली आधिकारिक यात्रा है। कोलंबो के भंडारनायके अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर खेल मंत्री सुनील कुमारा गामगे ने उपराष्ट्रपति के नेतृत्व वाले 49 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का गर्मजोशी से स्वागत किया। यह यात्रा भारत की पड़ोसी प्रथम नीति का एक जीवंत उदाहरण पेश करती है। चर्चा का मुख्य केंद्र चक्रवात दितवा के बाद भारत की ओर से दी गई 450 मिलियन डॉलर की विशाल आर्थिक सहायता रही। इस पैकेज का उपयोग श्रीलंका के प्रभावित क्षेत्रों में पुनर्निर्माण और विशेष रूप से भारतीय मूल के तमिल समुदाय के पुनर्वास के लिए किया जा रहा है। राष्ट्रपति दिसानायके ने संकट के समय भारत की त्वरित मदद की सराहना की।

50 हजार परिवारों का सपना हुआ पूरा : अपनी यात्रा के दौरान उपराष्ट्रपति ने एक सामुदायिक स्वागत समारोह में शिरकत की, जहां उन्होंने वर्चुअल माध्यम से 'भारतीय आवास परियोजना' के तीसरे चरण के तहत निर्मित घरों को लाभार्थियों को सौंपा। इस उपलब्धि के साथ ही अब तक श्रीलंका में भारतीय सहायता से कुल 50,000 घर बनाए जा चुके हैं। उपराष्ट्रपति ने बताया कि चौथे चरण के तहत 10,000 और घरों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। भारत और श्रीलंका के बीच लंबे समय से लंबित मछुआरों के मुद्दे पर भी दोनों नेताओं ने गंभीरता से चर्चा की। दोनों देशों के मछुआरों के हितों को ध्यान में रखते हुए, इस विवाद को मानवीय आधार पर सुलझाने और आपसी विश्वास बढ़ाने पर सहमति बनी।

राजनीतिक मुलाकातों का सिलसिला : उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने श्रीलंकाई प्रधानमंत्री हरिनी अमरसूर्या से भी मुलाकात की, जिन्होंने उनके सम्मान में 'टेम्पल ट्रीज़' में दोपहर भोज का आयोजन किया। इसके अलावा, विपक्ष के नेता साजित प्रेमदासा और विभिन्न तमिल राजनीतिक दलों के नेताओं ने भी उनसे भेंट की। प्रेमदासा ने भारत को श्रीलंका का सच्चा साझेदार बताते हुए भविष्य की चुनौतियों से मिलकर लड़ने की बात कही। कल सोमवार को उपराष्ट्रपति नुआरा एलिया के दौरे पर रहेंगे, जहां वे जमीनी स्तर पर आवास परियोजनाओं का निरीक्षण करेंगे और स्थानीय तमिल समुदाय से सीधा संवाद करेंगे। उपराष्ट्रपति के इस दौरे के बाद विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा कि अब श्रीलंका में रहने वाले भारतीय मूल के प्रवासियों की पांचवीं और छठी पीढ़ी भी ओसीआई कार्ड के लिए पात्र होगी, अब श्रीलंकाई अधिकारियों की ओर से जारी पंजीकरण प्रमाण पत्र और पुराने पासपोर्ट जैसे दस्तावेजों को भी कार्ड प्राप्त करने के लिए वैध माना जाएगा। उन्होंने कहा कि अपनी इस यात्रा में उपराष्ट्रपति ने चक्रवात दितवा के लिए 450 मिलियन डॉलर की सहायता और आवास परियोजनाओं की समीक्षा करने के साथ-साथ मछुआरों के मुद्दे पर भी मानवीय दृष्टिकोण से चर्चा की।

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन का श्रीलंका दौराः तेल पाइपलाइन पर चर्चा, द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर जोर

कोलंबो, एजेंसी। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके के बीच बैठक हुई। इसमें भारत और श्रीलंका को तेल पाइपलाइन से जोड़ने के प्रस्ताव पर चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने ऊर्जा, आवास परियोजनाओं और मछुआरों के मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर विस्तार से बातचीत की। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने रविवार को यह जानकारी दी। विदेश सचिव ने कहा, भारत की ओर से ऊर्जा केंद्र परियोजना और श्रीलंका के त्रिंकोमाली में प्रस्तावित योजनाओं पर भी विचार किया गया। साथ ही दोनों देशों को जोड़ने वाली तेल पाइपलाइन के अहमियत पर जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया संकट के कारण ऊर्जा आपूर्ति पर पड़ रहे असर के बीच यह संपर्क और भी अहम हो जाता है। मिस्त्री ने यह भी बताया कि राष्ट्रपति दिसानायके ने भारत की 'पड़ोसी पहले' नीति की सराहना की। उन्होंने दोनों देशों के बीच पारंपरिक संबंधों को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने आर्थिक संकट और हाल की आपदाओं में भारत की ओर से दी गई मदद को भी याद किया। उपराष्ट्रपति ने श्रीलंका में जारी भारत की विकास परियोजनाओं और विशेषकर दित्वाह चक्रवात राहत पैकेज पर भी चर्चा की। दोनों नेताओं ने मछुआरों के मुद्दों पर मानवीय दृष्टिकोण से समाधान निकालने पर सहमति जताई, ताकि दोनों तरफ के मछुआरा समुदायों की आजीविका सुरक्षित रहे। भारत व श्रीलंका साझा इतिहास व भविष्य के वास्तविक साझेदारः

साजित प्रेमदासा श्रीलंका की प्रधानमंत्री हरिणी अमरसूर्या ने उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन के सम्मान में दोपहर के भोज का आयोजन किया। इस दौरान सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा हुई। वहीं, विपक्षी नेता साजित प्रेमदासा ने कहा, भारत व श्रीलंका साझा इतिहास व भविष्य के वास्तविक साझेदार हैं। उपराष्ट्रपति ने श्रीलंकाई तमिल और भारतीय मूल के तमिल नेताओं से भी मुलाकात की। उन्होंने राहत प्रयासों के लिए भारत का आभार जताया। इस दौरान डिजिटल पहचान पत्र (आईडी) परियोजना व आर्थिक सहयोग समझौते जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हुई। आवास विकास परियोजना के लाभार्थियों को सौंपी चाबी अपने दौरे के दौरान उपराष्ट्रपति ने भारतीय प्रवासियों से भी मुलाकात की। उन्होंने आवास विकास परियोजना के तमिल समुदाय के लाभार्थियों को घरों की चाबी ऑनलाइन सौंपी। उन्होंने तमिल और सिंहली नववर्ष का जिक्र करते हुए दोनों देशों की परंपरागत एकता पर जोर दिया। उपराष्ट्रपति ने कोलंबो में गंगारामया मंदिर और काथिरेसन मंदिर के भी दर्शन किए, जहां उनका पारंपरिक संगीत और नृत्य से स्वागत किया गया। उनका यह दौरा भारत-श्रीलंका के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

कच्चे तेल की कीमतों में उछाल, यूएस-ईरान टकराव बढ़ने का दिखा असर; तेहरान टैंकर जब्त होने से भड़का

तेहरान, एजेंसी। ओमान की खाड़ी में अमेरिकी सेना ने ईरानी-झंडे वाले टैंकर को जब्त कर लिया है। इस घटना के बाद ईरान की सेना ने त्वरित प्रतिक्रिया की चेतावनी दी है। ईरान के सरकारी चैनल पर जारी बयान में इस कार्रवाई को युद्धविराम समझौते का उल्लंघन और समुद्र में डकैती जैसा कृत्य बताया गया। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण शुरुआती कारोबार में कच्चे तेल की कीमतों में भी उछाल दर्ज की गई है। शिकागो मर्केंटाइल एक्सचेंज में कारोबार फिर से शुरू होने पर अमेरिकी कच्चे तेल की कीमत 6.4 फीसदी बढ़कर 87.88 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल हो गई। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड की कीमत 6.5 फीसदी बढ़कर 96.25 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई। दरअसल, ईरान और अमेरिका के बीच गतिरोध के कारण ईंधन लदे टैंकर होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते गुजर नहीं पा रहे। वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण इस जलमार्ग पर अमेरिका ने भी नाकाबंदी कर रखी है। इससे लगातार तनाव बढ़ रहा है। दो दिनों से अधिक समय से बरकरार उम्मीदों और निराशाओं के बाद सोमवार को कच्चे तेल की कीमतों में उछाल देखी गई।

होर्मुज खुलने पर कच्चे तेल की कीमतें घटीं, तनाव बढ़ने पर जहाजों पर गोलीबारी : हफ्ते के अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार को ईरान ने वाणिज्यिक यातायात के लिए होर्मुज को पूरी तरह से खोलने की बात कही थी। इस सकारात्मक पहल के बाद कच्चे तेल की कीमतें 9 फीसदी से अधिक गिरी थीं। हालांकि, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी नौसेना ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी जारी रखेगी तो ईरान की सेना-द्वारा ने होर्मुज को दोबारा बंद करने का एलान कर दिया। शनिवार को तेहरान के इस फैसले के बाद ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड ने

कई जहाजों पर गोलीबारी भी की। इसमें भारत के भी दो जहाज शामिल रहे, जिस पर विदेश मंत्रालय ने चिंता भी जताई। टकराव बढ़ने के बीच ट्रंप ने एलान किया कि अमेरिका ने नाकाबंदी से बचने की कोशिश कर रहे एक ईरानी-झंडे वाले मालवाहक जहाज को जब्त किया है।

चेतावनी नजरअंदाज कर नाकाबंदी का उल्लंघन : ईरानी ध्वज वाले पोत को जब्त किए जाने के संबंध में अमेरिकी सेना की तरफ से जारी बयान के मुताबिक जहाज पर गोलीबारी के बाद उसे जब्त कर लिया गया। अमेरिका के मुताबिक कई बार दी गई चेतावनी को नजरअंदाज करते हुए जहाज नाकाबंदी रेखा पार कर गया। इस उल्लंघन के बाद सेना ने जहाज को जब्त कर लिया। खास बात ये है कि पिछले सप्ताह ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी शुरू करने के बाद अमेरिका ने पहली बार जहाज को जब्त किया है। अमेरिका ने मिसाइल विध्वंसक पोत की मदद से रोका ईरानी जहाज इस संबंध में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि अमेरिकी नौसेना ने मिसाइल विध्वंसक पोत की मदद से 'टौस्का' नाम के जहाज को रोका। नौसेना की कार्रवाई के दौरान जहाज के इंजन रूम को नुकसान हुआ, जिसके बाद ईरानी जहाज को आगे बढ़ने से रोक दिया गया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने बताया कि जहाज को छह घंटे की अवधि में कई बार नाकाबंदी का उल्लंघन न करने की चेतावनी दी गई थी। पाकिस्तान में प्रस्तावित शांति वार्ता पर सवालिया निशान होर्मुज में तनाव के बीच जहाज जब्त किए जाने की इस घटना से चिंता बढ़ने लगी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस घोषणा पर भी सवाल उठ रहे हैं कि अमेरिकी वार्ताकार सोमवार को पाकिस्तान जाएंगे।

पपीते खाने के फायदे

आज हम आपको बताने जा रहे है पपीता के बारे में जिसे खाने के अनेक फायदे है पपीता एक ऐसा फल है, जो पूरे साल आसानी से मिल जाता है ये एक ऐसा फल है जिसे कच्चा होने पर भी इस्तेमाल में लाया जा सकता है पपीता जितना स्वादिष्ट होता है यह उतना हीं हमारे स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद भी है पपीते का रस भी बहुत फायदेमंद होता है

■ मांसाहार करने वालों को पपीते का नियमित सेवन करना चाहिए

■ Cholesterol कम करन में सहायक होता है पपीते में उच्च मात्रा में फाइबर मौजूद होता है साथ ही ये Vitamins C और Antio&idants से भी भरपूर होता है

■ पपीते के सेवन करने से दाद, खाज, खुजली दूर हो जाती है

■ पपीते के नियमित सवेन से हाई BP को Control होने में लाभ मिलता है पपीते में Vitamins C तो भरपूर होता ही है साथ ही Vitamins A भी पर्याप्त मात्रा में होता है। Vitamins आंखों की रोशनी बढ़ाने के साथ ही बढ़ती उम्र से जुड़ी कई समस्याओं के समाधान में भी कारगर है।

■ जिन महिलाओं को Periods के दौरान Pain की शिकायत होती है उन्हें पपीते का सेवन जरूर करना चाहिए, पपीते के सेवन करने से एक ओर जहां Periods साइकिल नियमित रहता है वहीं Pain में भी आराम मिलता है।

■ जिन लोगों को कब्ज की समस्या रहती है, उन्हें भी पपीते का नियमित सेवन जरूर करना चाहिए।

■ दिल के मरीजों और शुगर के मरीजों को पपीता का सेवन जरूर करना चाहिए इससे उन्हें लाभ मिलेगा

■ पपीता खाने से सर्दी, खांसी, जुकाम आदि बीमारियां नहीं होती है

■ अगर आप वजन घटाने की से सोच रहे है तो पपीते का जरूर सेवन करे इसमें मौजूद फाइबर्स वजन घटाने में मददगार होते हैं।

■ पपीते के रोज सेवन से कैंसर होने का खतरा कम हो जाता है।

■ अगर आप पपीते के रोज सेवन करेंगे तो झुर्रियां पड़ना, बालों का झड़ना, बवासीर, चर्मरोग, अनियमित मासिक धर्म से सम्बन्धित समस्याएं खत्म हो जाती है।

पेशाब महसूस हो तो तुरंत जाएं

क्या है यूरोलॉजी एक्सपर्ट की राय

हमारा शरीर कुदरत की एक बहुत अच्छी कृति है, जो अपने लिए जरूरी हर काम के लिए समय-समय पर अलार्म बजाकर हमें सतर्क करता रहता है। ऐसी ही एक प्रक्रिया है, पेशाब का महसूस होना और उसका निस्तारण। कई बार हम ऐसी परिस्थिति में होते हैं कि अलार्म बजने के बाद भी इस प्रक्रिया को पूरा नहीं कर पाते, यानी महसूस होने पर भी हम उसे रोक कर रखते हैं। ऐसा कभी-कभी हो, तो फर्क नहीं पड़ता, लेकिन अगर आप अकसर ऐसा करते हैं, तो यकीनन यह आपकी सेहत पर ग्रहण लगा सकता है।

हो सकती है गुर्दे में पथरीः लम्बे समय तक पेशाब को रोके रखने की आदत आपको पेशाब की थैली, गुर्दे या पेशाब की नली में जलन और सूजन सरीखी समस्याओं का शिकार बना सकती है। आपका ऐसा करना गुर्दे के लिए बेहद हानिकारक है। इससे किडनी की कार्यप्रणाली में बाधा आ जाती है और उसकी कार्यक्षमता प्रभावित होती है। पेशाब में मौजूद मिनरल एकत्रित होकर गुर्दों में पथरी का निर्माण कर सकते हैं। इससे गुर्दे में पथरी या संक्रमण की आशंका रहती है।

पेशाब के रास्ते में संक्रमण की आशंकाः यूं तो इस संक्रमण के होने के कई कारण हैं, लेकिन काफी देर तक पेशाब को रोके रखने से भी मूत्र मार्गीय संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। पेशाब की तीव्रता को ज्यादा देर तक नियंत्रित करना बैक्टीरिया को बढ़ाने का काम करता है। हालांकि शोध इस बात की पुष्टि नहीं करते, पर डॉक्टर इस बात से इत्तेफाक रखते हैं और ऐसा न करने की नसीहत देते हैं। जो लोग कम पानी पीते हैं, उनमें भी इसकी आशंका होती है, क्योंकि ऐसी स्थिति में पेशाब की थैली दिमाग को पेशाब की तीव्रता का संकेत नहीं दे पाती। बैक्टीरिया मूत्र मार्ग के रास्ते फैलते हैं और संक्रमण का कारण बन जाते हैं। ऐसी स्थिति में आपको पेशाब में जलन, पेडू और निचले पेट में दर्द, पेशाब में गंध, पेशाब के रंग में परिवर्तन, खून आने जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

थैली में हो सकता है खिंचाव : पेशाब को ज्यादा देर तक रोके रखना पेशाब थैली में खिंचाव पैदा करता है। इस खिंचाव के चलते पेशाब की तीव्रता का निस्तारण सामान्य तौर पर नहीं होता। कई बार पेशाब होने में आने वाली समस्या को दूर करने के लिए कैथेटर सरीखे उपायों तक का इस्तेमाल करना पड़ जाता है। लम्बे समय तक पेशाब का रुक जाना कई मामलों में जानलेवा तक हो जाता है।

रिसाव की हो जाती है समस्या : लम्बे समय तक पेशाब को दबा के रखना पेल्विक फ्लोर मसल्स को नुकसान पहुंचाता है। यह मसल्स मूत्र मार्ग को बंद रखती है, ताकि पेशाब का रिसाव न होने पाए। इस मसल का नुकसान यूरिन इन्फेक्शन का कारण बन जाता है। इस समस्या से निजात दिलाने में पेल्विक फ्लोर एक्सरसाइज खासी कारगर होती है।

दर्द बन सकता है साथी : जो लोग अकसर पेशाब की तीव्र इच्छा को नजरअंदाज करते हैं और पेशाब थैली में दर्द महसूस होने पर ही सक्रिय होते हैं, उन्हें पेशाब थैली में सूजन आने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे लोगों को डिस्चार्ज के दौरान तेज दर्द की समस्या से दो-चार होना पड़ता है। पेशाब हो जाने के बाद मसल्स आंशिक रूप से खिंच जाती हैं।

रेसिपी

गोभी का पराठा

■ गेहूं का आटा- 5-6 बड़े कप ■ गोभी- 250 ग्राम ■ जीरा- द चम्मच ■ धनिया पाउडर- ½ चम्मच ■ लाल मिर्च पाउडर- द चम्मच से थोड़ा कम ■ गरम मसाला-1/4 छोटी चम्मच ■ अमचूर- द चम्मच ■ अदरक-1/2 टुकड़ा (कद्दूकस किया हुआ) ■ हरा धनिया- 1 टेबिल स्पून(बारीक कटा हुआ) ■ हरी मिर्च -1 बारीक कटी हुई ■ नमक- ¾ छोटी चम्मच या स्वादानुसार ■ तेल- सेंकने के लिए

विधि

फूल गोभी बड़े टुकड़े करके अच्छी तरह धो लें। और इन्हें कद्दूकस कर लें। अब आटे में तेल और नमक मिलाकर पानी की मदद से नरम आटा गूथ लें। और 20 मिनट के लिए ढ़क कर रख दें जिससे ये सैट हो जाए। अब कढ़ाई में तेल डाल कर गरम करें। अब इसमें जीरा डाल डालें फिर धनिया पाउडर, हरी मिर्च और अदरक डाल कर भून लें। मसाले में गोभी, अमचूर पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, नमक, गरम मसाला डालकर मिला लें। 2-3 मिनट लगातार चलाते हुए गोभी को पका लें और तैयार है आपकी स्टफिंग। अब हाथों पर थोड़ा सा तेल लगाकर इसे चिकना कर लें। और लोई बनाएं। लोई को सूखे आटे (परोथन) में लपेटकर बेलें। परांठे के ऊपर स्टफिंग से रखें और चारों ओर से उठाकर स्टफिंग को बन्द कर लें। साथ ही हल्का सा प्रेस करें जिससे स्टफिंग परांठे में चारों ओर फैल जाए। भरी हुई लोई को सूखे आटे में लपेट कर गोल परांठा बेल लें। तवा गैस पर रख कर गरम दें। तवे के गरम होने पर इसपर थोड़ा सा तेल लगाकर चिकना करें और बेले हुए परांठे को तवे पर डालें और सेंक लें। और गरमा-गरम चटनी के साथ सर्व करें।

संतरा रवा मालपुआ

■ केलाः संतरे का रस- 10 बड़े टीस्पून
■ सूजी- 5 बड़े टीस्पून
■ चीनी1/2 कप ■
मैदा- 5 बड़े टीस्पून
■ रबड़ी- 3/4 कप
■ दूध- 1/4 कप
■ दही- 2 बड़े टीस्पून
■ घी- डीप फ्राई करने के लिए

विधि

सबसे पहले चीनी और 2 बड़े टीस्पून पानी की एक तार की चाश्नी बना लें। फिर इसमें 5 बड़े टीस्पून संतरे का रस डालें और अच्छी तरह से मिक्स करें और दो से तीन मिनट तक धीमी आंच पर पका लें। अब एक बाउल में मैदा, सूजी, संतरे का रस और रबड़ी डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। इसमें दूध डालकर अच्छे से फेंट लें। फिर इसमें दही डालें और अच्छे से फेंटकर स्मूथ बैटर बना लें। ध्यान रखें कि बैटर बहुत पतला न हो। अब एक नॉन-स्टिक पैन में घी गर्म करें। जब घी अच्छे से गर्म हो जाए तब इसमें एक टीस्पून बैटर डालें और थोड़ा सा फैला दें और मीडियम आंच पर दोनों ओर से गोल्डेन ब्राउन होने तक पुए को सेंक लें। इसी तरह बैटर से और पुए बना लें। अब पुओं को चाश्नी में डिप कर, रबड़ी के साथ गरमागरम सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहें। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। पुराने मित्र मिलेगें। शुभांक-4-6-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। विरोधियों सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-3-5-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक ङ्कचताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-2-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): उच्चमनोबल रखकर कार्य करें, सफल होगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। शुभांक-1-3-5

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-5-7-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता हैं। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कलह विवाद का डर बना रहेगा। पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेगें। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कार्यक्षेत्र में विवाद बढ़ेंगे। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभांक-1-4-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-1-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। शुभांक-2-4-6

लॉफिंग ज़ोन

न्यायाधिश (चोर से)- एक ही रात में छह चोरियाँ करने का आरोप है। इस पर तुम्हें क्या कहना है?

चोर मुस्कुराते हुआ बोला- जी हुजूर! मेरे पूज्य ससुरजी कहा करते थे कि मेहनत से कभी भी जी नहीं चुराना चाहिए।

□ □ □

पिछले दिनों सड़क पर धूमधाम से बारात जा रही थी। घोड़े पर दूल्हे मियाँ के मुँह पर पट्टी बँधी थी।

एक राहगीर ने यह देखकर एक बाराती से पूछा : भैया, दूल्हे के मुँह पर पट्टी क्यों बँधी है?

बाराती ने मुस्कुराते हुए कहा- भाई साहब दूल्हा मोहल्ले का नेता है। वह भीड़ देखते ही भाषण देने लगता है।

□ □ □

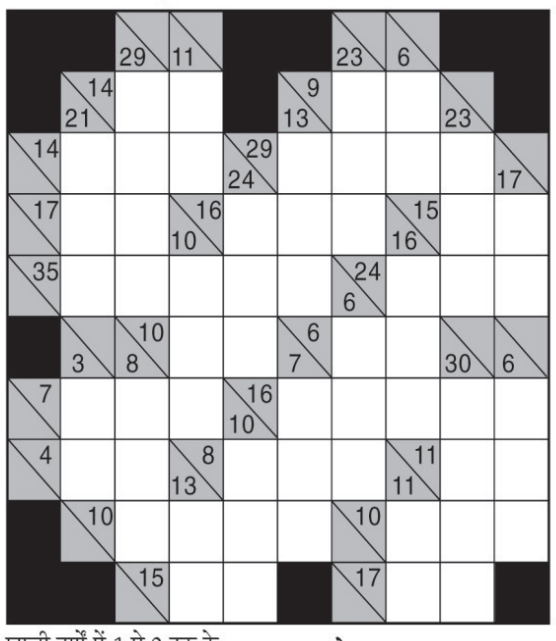

एक बार प्रेमी और प्रेमिका डेटिंग पर गए। बहुत देर घूमने-फिरने के बाद वे एक नितांत स्थान पर बैठ गए। अपने आसपास किसी को न पाकर प्रेमी ने मौके का फायदा उठाना चाहा और प्रेमिका की गाल की ओर अपना मुँह बढ़ाते हुए बोला- चुम्बन क्या है?

शरारत भरे अंदाज में प्रेमिका बोली- चुम्बन! प्यार के गुप्त समझौते पर हस्ताक्षर है।

□ □ □

काकुरो पहेली - 4031

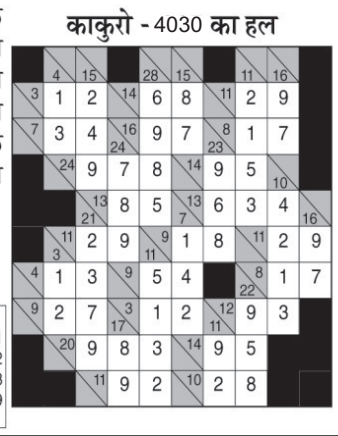

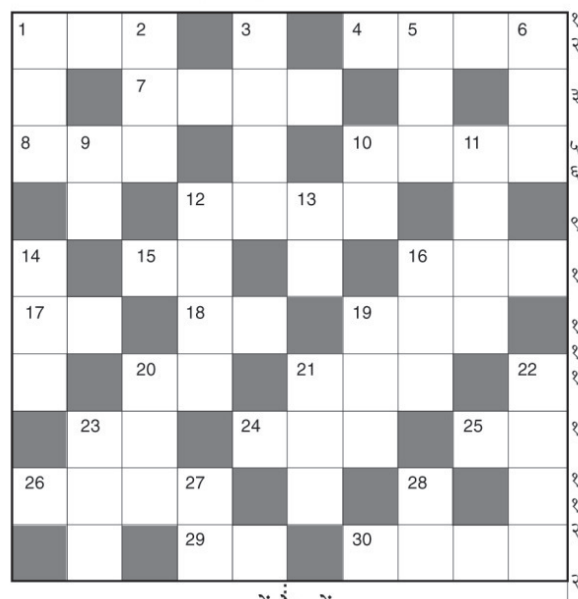

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 4030 का हल

फिल्म वर्ग पहेली-4031

बायें से दायें:-

१. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना, शमिता की फिल्म-३
४. 'भंवरे ने खिलाया फूल' गीत वाली ऋषिकपूर, पद्मिनी की फिल्म-४
७. फिरोजखान, संजय, मनीषा की 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
८. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षय, अमृता राव की फिल्म-३
१०. राजेंद्रकुमार, राखी की 'तुम मेरी हो मेरे सिवा किसी' गीत वाली फिल्म-२,२
१२. 'ऐ सनम इतना बता' गीत वाली जैकी, मिथुन, जूही, दिव्या की फिल्म-४
१५. नाना, शाहरूख, संजय कपूर, करिश्मा की 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१६. 'एहसान तेरा होगा मुझ पर' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा बानो की फिल्म-३
१७. 'बागबान' में अमिताभ की पत्नी ?-२
१८. 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली देव आनंद, माला सिन्हा की फिल्म-२
१९. ऋषिकपूर, कमल हासन, डिम्पल की 'मारिया ओ मारिया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'आते जाते हुए' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूर, राखी, परवीन की फिल्म-२
२१. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की 'तोरा मन दर्पण' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज हमने दिल' गीत वाली नसीर, अतुलअग्निहोत्री, पूजाभट्ट की फिल्म-२
२४. राहुलराय, पूजा भट्ट की 'जो प्यार कर गये' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'साल के बारा महीने' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
२६. संजीवकुमार, शर्मिला की १९७४ की कृष्णन पंजु निर्देशित एक फिल्म-४
२९. 'पति पत्नी और वो' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
३०. 'क्या चीज है मुहब्बत' गीत वाली सुनील शेट्टी, दिव्या की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'जब ना माना दिल' गीत वाली फिल्म-३
२. कुलभूषण, जावेद, शबाना, नंदिता दास की एक फिल्म-३
३. 'नागिन सा रूप है तेरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा, रीना राय की फिल्म-४
५. अमिताभ, वहीदा, जीनत की एक फिल्म-३
६. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-३
९. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'उड़ उड़ उड़ उड़ जाये' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'वो कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका पाल की फिल्म-२
११. 'छुपाना भी नहीं आता' गीत वाली फिल्म-४
१२. अजय देवगन, करिश्मा कपूर की फिल्म-४
१३. जीतेंद्र, कमल सदाना, आयशा, दिव्या की 'तेरी मुहब्बत नें दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१६. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
१९. संजयदत्त, सलमान, माधुरी की फिल्म-३
२०. राजकपूर मीनाकुमारी की 'ऐ चांद जहां वो जाये' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'जैक एण्ड जिल' गीत वाली अजय, उर्मिला की फिल्म-३
२२. 'मैंने प्यार किया' में नायक कौन था-४
२३. 'ऑखों में नींदें ना दिल में' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा की फिल्म-३
२७. फिल्म 'नीलकमल' के संगीतकार कौन थे-२
२८. 'दिलवालों के दिल का करार लूटने' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली-4030

सूडोकु -4031

			4				3	
		6		2		4		
		8			5			
	3						7	
7				4				9
	9						5	
			2			1		
		1		7		6		
	5				3			

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4030 हल

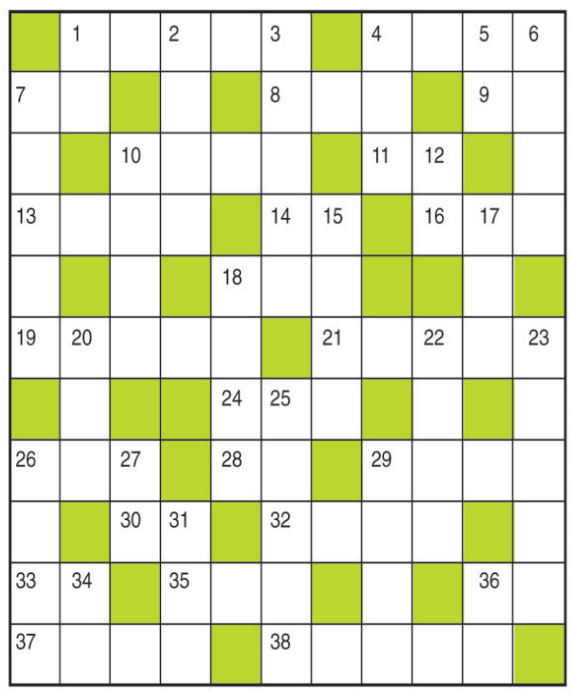

7	8	5	4	2	9	6	3	1
3	6	4	1	5	7	8	9	2
9	2	1	6	3	8	7	4	5
6	5	3	2	8	4	9	1	7
1	7	2	3	9	6	4	5	8
4	9	8	7	1	5	2	6	3
2	4	7	5	6	1	3	8	9
5	3	9	8	4	2	1	7	6
8	1	6	9	7	3	5	2	4

शब्द पहेली - 4031

बाएँ से दाएँ

1.अनाथालय-5
4.जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर-4
7.कमरा,रूम-2
8.फिजूल-3
9.अंग्रेजी शराब-2
10.अनर्गल (अंग्रेजी-4)
11.लक्ष्मी,कमला-2
13.ध्वनिहीनता,शांति-4
14.देवता,देव-2
16.प्रणाम,नमस्कार-3
18.रुधिरहीन,कमजोर-3
19.प्रस्थान करना-3,2
21.पालने वाला,ईश्वर-5
24.प्रेम,चाहना-3
26.वन,अरण्य,जंगल-3
28.विदेशी मदिरा-2
29.छिड़कना-4
30.धूल,मिट्टी-2
32.अंगीकार करना-4
33.छापा,सतत वर्षा-2
35.विरुद्ध-3
36.सुबह,प्रातःकाल-2
37.जोकर,विदूषक-4
38.संन्यासी,साधु-3,2

ऊपर से नीचे

1.इसके सवाल युधिष्ठर ने हल किये थे -2
2.उदारता,बड़प्पन-4
3.पत्नी का नाना-2,3
4.दसवीं राशि -3
5.बहादुर,निडर-2
6.एक मुस्लिम महीना-4
7.कहानी लेखक-5
10.नाव चलाना-2,2
12.सम्मान-2
15.मारकाट,खून खराबा-4
17.पैगंबर, जीवन रक्षक-3
18.कुकर्म,दुष्कर्म-4
20.गाड़ी,यान-3
22.इंकार करना-4
23.रचना करनेवाला, रचयिता -5
25.जीवनसाथी-5
26.कारोबार,व्यवसाय-4
27.मादा का विलोम-2
29.निर्झरणशील-4
31.ढेर,काफी सारा (उर्दू-3)
34.मजा,आनंद-2
36.भोगने वाला,कामी-2

शब्द पहेली 4030 का हल

जेईई मेन फेज-2 का रिजल्ट जारी, गुजरात के निमय पुरोहित की 100 पर्सेंटाइल के साथ ऑल इंडिया में 16वीं रैंक

एजेंसी

गांधीनगर। इंजीनियरिंग में प्रवेश के लिए आयोजित जेईई (जॉइंट एंट्रेंस एग्जामिनेशन) मेन के दूसरे एवं अंतिम चरण का परिणाम घोषित कर दिया गया। इस बार पूरे देश में कुल कुल 26 उम्मीदवारों ने 'परफेक्ट 100' एनटीए स्कोर (पर्सेंटाइल) हासिल किया है। गुजरात के लिए गर्व की बात यह है कि राजकोट के निमय पुरोहित ने 100 पर्सेंटाइल के साथ ऑल इंडिया में 16वीं रैंक प्राप्त की है और वे राज्य के एकमात्र छात्र हैं जिन्होंने यह उपलब्धि हासिल की। निमय पुरोहित पहले चरण में भी गुजरात में टॉपर थे और दूसरे चरण में भी उन्होंने अपनी स्थिति बरकरार रखी। उनके माता-पिता दोनों फिजियोथेरेपिस्ट हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने इंजीनियरिंग क्षेत्र को चुना। निमय का कहना है कि उन्हें छठी कक्षा से ही गणित विषय में रुचि थी, जिसके चलते उन्होंने इंजीनियरिंग को अपना लक्ष्य बनाया। अब वे JEE एडवांस की तैयारी कर रहे हैं और भविष्य में IIT मुंबई से इंजीनियरिंग करने का सपना रखते हैं। देशभर में 100 एनटीए स्कोर प्राप्त करने वाले छात्रों में तेलंगाना और आंध्र प्रदेश से पांच-पांच, राजस्थान से चार, दिल्ली से तीन, जबकि महाराष्ट्र और हरियाणा से दो-दो छात्र शामिल हैं। इसके अलावा चंडीगढ़, बिहार, तमिलनाडु, ओडिशा और गुजरात से एक-एक छात्र ने यह उपलब्धि हासिल की है। वहीं, सूरत के शौर्य खेमका ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑल इंडिया 179वीं रैंक हासिल की है। इस सफलता के पीछे उनकी कड़ी मेहनत रही है। शौर्य ने पिछले पांच महीनों से रोजाना 13 से 14 घंटे पढ़ाई की।

दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में पीजी, डीएनबी और फेलोशिप की 108 सीटें बढ़ाने का प्रस्ताव

नई दिल्ली। दिल्ली में चिकित्सा शिक्षा को नई ऊंचाइयों पर ले जाने और स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में दिल्ली के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने वर्ष 2026 के लिए दिल्ली के विभिन्न सरकारी अस्पतालों और संस्थानों में स्नातकोत्तर (पीजी), डीएनबी और फेलोशिप पाठ्यक्रमों में कुल 108 अतिरिक्त सीटों का प्रस्ताव पेश किया है। इस पहल का उद्देश्य दिल्ली में मेडिकल ट्रेनिंग के दायरे को बढ़ाना और विशेषज्ञ डॉक्टरों की संख्या में वृद्धि करना है, ताकि नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने वर्ष 2026 के लिए राजधानी दिल्ली के विभिन्न सरकारी अस्पतालों एवं संस्थानों में पीजी (एमडी/एमएस) और डीएनबी कोर्स की सीटों की संख्या में 103 सीटें बढ़ाने की अनुशंसा की है। इसके तहत फेलोशिप पाठ्यक्रम के तहत 5 सीटों को भी स्वीकृति प्रदान करने का प्रस्ताव किया गया है। इस प्रकार पीजी, डीएनबी और फेलोशिप के लिए कुल मिलाकर 108 सीटें प्रस्तावित हैं। विभाग के अनुसार दिल्ली के अलग-अलग प्रमुख अस्पतालों के लिए स्नातकोत्तर कोर्स में (एमडी/एमएस) की 67 सीटें और डीएनबी की 36 सीटें प्रस्तावित की गई हैं। तो वहीं, फेलोशिप पाठ्यक्रम के अंतर्गत 05 सीटें प्रस्तावित हैं, जिनमें से 3 सीटें गुरु तेग बहादुर हॉस्पिटल और 2 सीटें दिल्ली स्टेट कैंसर संस्थान के लिए प्रस्तावित हैं।

कॉर्पोरेट जगत में महिलाओं की सुरक्षा पर विहिप की चिंता, उद्योग संगठनों को लिखा पत्र

नई दिल्ली। नासिक में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का षड्यंत्र सामने आने के बाद विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने कॉर्पोरेट जगत में महिलाओं की सुरक्षा और धर्मांतरण से जुड़े मामलों को लेकर गंभीर चिंता जताई है। संगठन के महासचिव बजरंग बागड़ा ने सोमवार को बताया कि हमने देश के प्रमुख उद्योग संगठनों को पत्र लिखकर इस दिशा में ठोस कदम उठाने की मांग की है। विहिप ने फिक्की, सीआईआई, एसोचैम, नैसकॉम समेत अन्य निकायों से कार्यस्थलों को सुरक्षित बनाने की अपील की है। संगठन का कहना है कि इस तरह की घटनाएं न केवल महिलाओं की सुरक्षा पर सवाल खड़े करती हैं, बल्कि कॉर्पोरेट क्षेत्र पर समाज के विश्वास को भी कमजोर करती हैं। बजरंग बागड़ा ने कहा कि टीसीएस नासिक मामले में कुछ कर्मचारियों द्वारा सुनियोजित तरीके से हिन्दू महिला सहकर्मियों को निशाना बनाए जाने की बात बेहद गंभीर है। प्रारंभिक जानकारी यह दर्शाती है कि यह घटनाएं किसी एक व्यक्ति तक सीमित नहीं बल्कि संगठित और योजनाबद्ध तरीके से की गई गतिविधियों का हिस्सा हो सकती हैं। टीसीएस के मानव संसाधन विभाग (एचआर) के कुछ कर्मचारियों की भूमिका पर भी सवाल उठे हैं, जिन पर आरोप है कि उन्होंने ऐसे लोगों की भर्ती और तैनाती में भूमिका निभाई, जो बाद में टारगेट करके युवतियों के शोषण में शामिल पाए गए। यह उच्च प्रबंधन की कमी है कि कई मामलों में महिला कर्मचारियों की शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया गया।

वाहन प्रदूषण पर पीएसी रिपोर्ट के क्रियान्वयन के लिए 31 जनवरी तक का समय

नई दिल्ली। दिल्ली में बढ़ते वाहन प्रदूषण को लेकर विधानसभा सचिवालय ने कड़ा रुख अपनाया है। विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता के निर्देशों के बाद लोक लेखा समिति (पीएसी) की तीसरी रिपोर्ट पर कार्रवाई तेज कर दी गई है। विधानसभा सचिवालय के अनुसार यह रिपोर्ट नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) द्वारा 'दिल्ली में वाहन जनित वायु प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण' पर किए गए प्रदर्शन ऑडिट पर आधारित है। विधानसभा सचिवालय ने दिल्ली के परिवहन मंत्री और परिवहन आयुक्त को औपचारिक पत्र भेजकर सिफारिशों पर जवाब मांगा है। सरकार को निर्देश दिया गया है कि 31 दिसंबर 2026 तक सभी सिफारिशों के क्रियान्वयन की स्थिति स्पष्ट की जाए और इसकी अंतिम रिपोर्ट 31 जनवरी 2027 तक विधानसभा सचिवालय को अनिवार्य रूप से प्रस्तुत की जाए।

तमिलनाडु में अब तक नकदी सहित 1,200 करोड़ की सामग्री जब्त, मतदान से पहले तेज हुई कार्रवाई

एजेंसी

चेन्नई । तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के लिए 23 अप्रैल को होने वाली वोटिंग में अब बस कुछ ही दिन बचे हैं। ऐसे में चुनाव अधिकारियों ने अपनी सख्ती काफी बढ़ा दी है। इसके चलते पूरे राज्य में भारी मात्रा में कैश, सोना, नशीले पदार्थ, शराब और दूसरी प्रलोभन वाली चीजें ज़ब्त की गई हैं। जांच और छापेमारी के दौरान अब तक 1,200 करोड़ रुपये की जब्ती हुई है। चुनाव निगरानी टीमों द्वारा सीधे तौर पर ज़ब्त की गई 500 करोड़ से ज़्यादा की नकदी और कीमती चीजें शामिल हैं। आयकर विभाग और अप्रत्यक्ष कर अधिकारियों जैसी प्रवर्तन एजेंसियों ने स्वतंत्र अभियानों के ज़रिए इस कुल राशि में काफी योगदान दिया है। नकद के अलावा अधिकारियों ने बड़ी मात्रा में शराब और प्रतिबंधित पदार्थ भी ज़ब्त किए हैं, जिससे यह संकेत मिलता है कि अवैध तरीकों से मतदाताओं को प्रभावित करने के लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। कई

इलाकों से प्रलोभन बांटने की खबरें सामने आई हैं, जिनमें कूपन और मुफ्त उपहार शामिल हैं। ये खबरें खास तौर पर शहरी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों से आई हैं। इस कार्रवाई के दौरान आदर्श आचार संहिता और अन्य चुनावी कानूनों के उल्लंघन से जुड़े लगभग 100 मामले दर्ज किए गए हैं।

तिरुवल्लूर में सबसे ज़्यादा और उसके बाद चेन्नई में जब्ती हुई है। यह इस बात का संकेत है कि उन प्रमुख निर्वाचन क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जहां चुनावी मुकाबला कड़ा है। अधिकारियों ने बताया कि पूरे राज्य में 95 प्रतिशत से ज़्यादा मतदाता सूचना पर्चियां पहले ही बांटी जा चुकी हैं। कुछ क्षेत्रों में पहचानी गई कमियों को दूर करने के प्रयास जारी हैं। मतदान के दिन से पहले लगभग पूरी कवरेज सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए गए हैं। कुल 234 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में से 105 को 'अति-संवेदनशील' श्रेणी में रखा गया है, जहां अतिरिक्त निगरानी की आवश्यकता है। इसके अलावा, 5,938 पोलिंग बूथों को संवेदनशील के तौर पर पहचाना गया है, जहां सुचारू और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा कर्मियों और निगरानी तंत्र की तैनाती बढ़ाई गई है। 85 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों सहित दो लाख से अधिक मतदाताओं ने डाक मतपत्र प्रणाली के माध्यम से पहले ही अपने मताधिकार का प्रयोग कर लिया है।

छत्तीसगढ़ में पांच लाख के इनामी नक्सली दारसु ने किया आत्मसमर्पण

एजेंसी

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के अंतागढ़ थाना में परतापुर एरिया कमेटी के एसीएम रैंक के पांच लाख के इनामी नक्सली दारसु ने मुख्यधारा में जुड़ने का निर्णय लेते हुए बिना हथियार के अत्मसमर्पण कर दिया। दारसु के आत्मसमर्पण करने के बाद पुलिस दारसु से अन्य बाकी बचे नक्सलियों के बारे में पूछताछ कर रही है। बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने एक नक्सली के आत्मसमर्पण की पुष्टि की है। उल्लेखनीय है कि जिले में कुछ दिन पहले पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई थी। इस मुठभेड़ में पुलिस ने तेलंगाना कैडर की सक्रिय नक्सली रूपी को मार गिराया था। रूपी के मारे जाने के बाद उसके साथ इस इलाके में सक्रिय 11 नक्सली फरार बताये जा रहे हैं, इन फरार 11 नक्सलियों में से एक दारसु ने आज आत्मसमर्पण कर दिया है।

भाजपा की सरकार बनने पर बंगाल में लागू होगा यूसीसीः स्मृति ईरानी

एजेंसी

कोलकाता । पश्चिम बंगाल में टीएमसी और भाजपा के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने भाजपा के संकल्प पत्र का हवाला देते हुए कहा कि भाजपा की सरकार बनने पर अपने मेनिफेस्टो में किए गए वादों को पूरा किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यूसीसी को लेकर किसी को कोई भ्रम नहीं रखना चाहिए। सरकार आने के बाद बंगाल में यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू होगा। पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने आईएएनएस से बातचीत में टीएमसी सरकार में विफल हुई कानून व्यवस्था पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि बंगाल एकमात्र ऐसा राज्य है, जहां न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाया गया। क्या मुझे इस पर कुछ भी कहने की जरूरत है। पिछले एक दशक में आपने ऐसा कौन सा राज्य देखा है, जहां न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाया गया हो, जहां भारत के राष्ट्रपति मौजूद हों और प्रशासन द्वारा उनके प्रति अनादर दिखाया जाए। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने महिला आरक्षण संशोधन विधेयक पर कहा

कि यह बिल टीएमसी के लिए नहीं था। यह बिल उस आम भारतीय महिलाओं के लिए था, जो अपने राजनीतिक अधिकार और विधायी तौर पर राजनीतिक समानता का आश्वासन चाहती हैं, जैसा कि अब संविधान में निहित है। यह टीएमसी के लिए कोई बिल नहीं था।

उन्होंने कहा कि यह उनके लिए नहीं है, यह देश के लिए है। यह आम भारतीय महिला के लिए है। भारत की संसद तृणमूल के हितों की पूर्ति नहीं करती, बल्कि भारत की जनता के हितों की पूर्ति करती है। महिला आरक्षण को लेकर पूर्व केंद्रीय मंत्री ने प्रेस वार्ता कर टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी पर तंज कसा। उन्होंने टीएमसी पर बंगाल और देश की महिलाओं के साथ धोखा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 30 साल से चले आ रहे संघर्ष को समाप्त करने का फैसला किया और 2023 में संसद के दोनों सदनों में महिला आरक्षण अधिनियम पारित करवाया। आगामी चुनावों में महिलाओं की उम्मीदवारी सुनिश्चित करने की बात कही, लेकिन विपक्ष नहीं चाहता था कि महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़े।

कच्चे जूट की जमाखोरी पर केंद्र सख्त

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में कच्चे जूट की बढ़ती कीमतों और बाजार में इसकी अनुपलब्धता को देखते हुए केंद्र सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। वस्त्र मंत्रालय के अनुसार जूट आयुक्त कार्यालय ने 20 अप्रैल 2026 को एक अधिसूचना जारी कर कच्चे जूट की स्टॉक सीमा को तत्काल प्रभाव से संशोधित कर दिया है। इस कदम का मुख्य उद्देश्य बाजार में जूट का उचित वितरण सुनिश्चित करना और अवैध जमाखोरी पर लगाम लगाना है।

पिछले कुछ महीनों में कच्चे जूट की कीमतों में अप्रत्याशित उछाल देखा गया है, जो सत्र 2025-26 के लिए निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से काफी ऊपर पहुंच गई हैं। विभिन्न हितधारकों द्वारा जताई गई चिंताओं और उद्योग पर मंडराते संकट को देखते हुए यह विनियामक हस्तक्षेप किया गया है। संशोधित आदेश के तहत अलग-अलग संस्थाओं के लिए कई सीमाएं निर्धारित की गई हैं। इनमें पंजीकृत बेलर्स (बेलिंग प्रेस युक्त): स्टॉक की सीमा 'शून्य' कर दी गई है। इन्हें 5 मई 2026 तक अपना पूरा स्टॉक बेचना होगा और 15 मई तक भौतिक डिलीवरी पूरी करनी होगी, अन्य

स्टॉकधारकः बिना मशीन वाले या गैर-पंजीकृत स्टॉकधारकों के लिए भी सीमा 'शून्य' रहेगी और जूट मिलें: प्रसंस्करण इकाइयां अपनी वर्तमान उत्पादन दर के आधार पर अधिकतम 45 दिनों की खपत के बराबर ही स्टॉक रख सकेंगी।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि सभी संस्थाओं को 'जूट स्मार्ट पोर्टल' पर हर 15 दिन में अपने स्टॉक की जानकारी अपडेट करनी होगी। निर्धारित सीमा से अधिक स्टॉक रखने वालों को 5 मई तक उसे बेचना अनिवार्य है।

अधिसूचना में चेतावनी दी गई है कि निर्देशों का पालन न करने वालों के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों को परिसरों के निरीक्षण और रिकॉर्ड की जांच करने के पूर्ण अधिकार दिए गए हैं। साथ ही, राज्य सरकारों से भी इस प्रवर्तन अभियान में सहयोग मांगा गया है। जूट आयुक्त कार्यालय के अनुसार, कीमतों में अस्थिरता से न केवल जूट उद्योग को खतरा है, बल्कि इससे जुड़े लाखों लोगों के रोजगार पर भी संकट आ सकता है। इन उपायों से आपूर्ति श्रृंखला स्थिर होगी, जिससे किसानों, निर्माताओं और उपभोक्ताओं, सभी के हितों की रक्षा हो सकेगी।

मध्य प्रदेश में भीषण गर्मी का कहर, आंधी-तूफान की संभावना; एक किसान की मौत

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश में भीषण गर्मी का असर लगातार बना हुआ है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, राज्य के कई जिलों में तापमान तेजी से बढ़ रहा है और लोग गर्मी से बेहाल हैं। भोपाल स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, राज्य में सबसे अधिक अधिकतम तापमान 44.3 डिग्री सेल्सियस नौगांव (छतरपुर) में दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 19.4 डिग्री सेल्सियस मंदसौर में रिकॉर्ड हुआ। रतलाम, छिंदवाड़ा, मंडला, मलांजखंड और नौगांव में लू की स्थिति बनी रही, जबकि भोपाल, छिंदवाड़ा, मंडला और नर्मदापुरम में गर्म रातें दर्ज की गईं। इसी बीच बैतूल जिले के भीमपुर ब्लॉक में एक किसान की आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, घोड़ीडा गांव के पास टिटवी ग्राम पंचायत क्षेत्र में रविवार शाम यह घटना हुई, जब किसान कुंवरसिंह अपने खेत में काम कर रहा था। अचानक मौसम बदला और तेज गरज-चमक के साथ बारिश शुरू हुई, इसी दौरान वह बिजली की चपेट में

आ गया। पिछले 24 घंटों के दौरान इंदौर संभाग के कुछ स्थानों पर हल्की बारिश दर्ज की गई, जबकि बाकी राज्य में मौसम शुष्क रहा। भोपाल, उज्जैन और चंबल संभाग में अधिकतम तापमान सामान्य से 2.5 से 2.8 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा, जबकि ग्वालियर, रीवा, जबलपुर, शहडोल और सागर संभाग में यह 3.4 से 3.8 डिग्री तक ज्यादा दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान में भी बढ़ोतरी देखी गई है। भोपाल, जबलपुर और शहडोल संभाग में यह सामान्य से 2.4 से 3 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। आईएमडी ने भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, खंडवा, इंदौर और जबलपुर सहित कई जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश, 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं और ओलावृष्टि की संभावना जताई है। किसानों को सलाह दी गई है कि वे फसलों, फल और सब्जियों को ओलावृष्टि और तेज हवाओं से बचाने के लिए आवश्यक सावधानी बरतें। लोगों को भी चेतावनी दी गई है कि आंधी-तूफान के दौरान घर के अंदर रहें, पेड़ों के नीचे खड़े न हों और बिजली के उपकरणों को अनप्लग रखें। आईएमडी के अनुसार, अगले दो दिनों तक तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा, लेकिन इसके बाद 2-3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी हो सकती है। 23 अप्रैल से पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की संभावना है, जिसका असर उत्तर भारत के मौसम पर भी पड़ सकता है। भोपाल और आसपास के क्षेत्रों में आंशिक बादल छाए रहने, हल्की बारिश और 10-12 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने का अनुमान है।

चुनाव 26 : महिला आरक्षण बिल रोकने वालो कों महिलाएं ही देंगी जबाव : हिमंता बिस्वा सरमा

एजेंसी

आसनसोल। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने केंद्र सरकार द्वारा लाए गए महिला आरक्षण दिल पास नहीं होने देने के लिए विपक्षी दलों को निशाने पर लिया। पश्चिम बर्दवान के पांडेश्वर विधानसभा क्षेत्र में पार्टी उम्मीदवार जितेंद्र तिवारी के समर्थन में आयोजित रोड शो में भाग लेने पहुंचे असम के मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि विपक्षी दलों ने मिलकर महिला आरक्षण विधेयक को लंबे समय तक रोके रखा, जिससे देश की महिलाओं में नाराजगी है। उनका कहना था कि अब महिला शक्ति इस मुद्दे पर अपना जवाब देगी और आने वाले चुनाव में इसका असर देखने को मिलेगा। रोड शो में बड़ी संख्या में भाजपा समर्थक और स्थानीय लोग शामिल हुए। सड़कों पर उत्साह का माहौल देखने को मिला और जगह-जगह लोगों ने फूल बरसाकर तथा हाथ हिलाकर उनका स्वागत किया। रोड शो पांडेश्वर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न इलाकों से होकर गुजरा, जहां असम के मुख्यमंत्री ने खुले वाहन से लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। उन्होंने मतदाताओं से सीधे संवाद करते हुए भाजपा उम्मीदवार जितेंद्र तिवारी के पक्ष में मतदान करने की अपील की। पूरे कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे और प्रशासनिक निगरानी भी लगातार बनी रही। रोड शो समाप्त होने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने तृणमूल कांग्रेस पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति कमजोर है और राजनीतिक हिंसा को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि जिन लोगों पर आरोप हैं, वे 29 तारीख से पहले संबंधित थानों में आत्मसमर्पण कर दें।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कारोबारी जॉय कामदार आठ दिन की ईडी हिरासत में, 1100 करोड़ के लेनदेन की जांच तेज

एजेंसी

कोलकाता। कोलकाता के कारोबारी जॉय एस कामदार को कथित धनशोधन मामले में विशेष अदालत ने आठ दिन की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) हिरासत में भेज दिया। गिरफ्तारी के एक दिन बाद ईडी ने उन्हें बैंकशाल स्थित विशेष धनशोधन निवारण अधिनियम अदालत में पेश किया, जहां एजेंसी ने पूछताछ के लिए हिरासत की मांग की।

जॉय कामदार, 'सन एंटरप्राइज' के प्रबंध निदेशक बताए जाते हैं। ईडी ने उन्हें रविवार को धनशोधन निवारण अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया था। अदालत में एजेंसी की ओर से कहा गया कि आरोपित के डिजिटल उपकरणों, बैंक लेनदेन और अन्य दस्तावेजों की जांच में बड़े पैमाने पर संदिग्ध आर्थिक गतिविधियों के संकेत मिले हैं। ईडी ने अदालत को बताया कि जॉय कामदार से जुड़े खातों और कंपनियों के माध्यम से लगभग 1100 करोड़ रुपये के संदिग्ध लेनदेन का पता चला है। एजेंसी का दावा है कि पिछले चार महीनों के दौरान करीब 500 करोड़ रुपये नकद जमा किए गए, जिसकी वैधता और स्रोत की जांच की जा रही है। जांच एजेंसी के अनुसार, आरोपित से जुड़े करीब 25 संदिग्ध कंपनियों का पता चला है, जिनका

इस्तेमाल कथित तौर पर धन के आवागमन और लेयरिंग के लिए किया गया। ईडी ने यह भी दावा किया कि कोलकाता गुजराती एजुकेशन सोसाइटी के बैंक खाते से जॉय से जुड़ी एक कथित फर्जी कंपनी में 40 करोड़ रुपये स्थानांतरित किए गए। अदालत में एजेंसी ने कहा कि आरोपित के सामाजिक माध्यम संवाद और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर अपराध से अर्जित धन के इस्तेमाल की आशंका है। इसी कारण विस्तृत पूछताछ, आमने-सामने जांच और वित्तीय दस्तावेजों के सत्यापन के लिए हिरासत जरूरी है। मामले की जांच में दक्षिण कोलकाता के चर्चित व्यक्ति सोना पप्पू से कथित संबंधों की भी पड़ताल की जा रही है। ईडी का दावा है कि जॉय कामदार की कंपनी से सोना पप्पू की पत्नी के नाम पर एक आग्नेयास्त्र और गोलियां खरीदी गई थीं। इसके अलावा, 'सुप्रीम क्रेडिट कॉरपोरेशन लिमिटेड' नामक कंपनी, जिसमें जॉय के निदेशक होने का दावा किया गया है, और सोना पप्पू से जुड़ी 'एसपी कंस्ट्रक्शन' के बीच लगभग डेढ़ करोड़ रुपये के लेनदेन के दस्तावेज भी जांच एजेंसी को मिले हैं। जांचकर्ताओं ने अदालत को यह भी बताया कि सोना पप्पू की पत्नी से जुड़ी 'हेवन वैली' नामक कंपनी और जॉय से संबंधित संस्थाओं के बीच भी आर्थिक लेनदेन हुआ। हालांकि, सोमा पोद्दार ने इन आरोपों से अनभिज्ञता जताई है।ईडी ने अदालत में कहा कि मामले में कई अन्य संदिग्ध व्यक्तियों की भूमिका की भी जांच की जानी है और जॉय कामदार से पूछताछ के आधार पर आगे और खुलासे हो सकते हैं। अदालत ने दलीलें सुनने के बाद आरोपी को आठ दिन की ईडी हिरासत में भेज दिया।

महिला आरक्षण संशोधन विधेयक का विरोध करना विपक्ष को बहुत भारी पड़ेगाः भजनलाल शर्मा

एजेंसी

जयपुर । राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने संसद में महिला आरक्षण संशोधन विधेयक गिराए जाने को लेकर विपक्ष पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने कहा कि आधी आबादी के हक का विरोध करना विपक्ष को बहुत भारी पड़ेगा। जयपुर में 'जन आक्रोश महिला सम्मेलन' को संबोधित करते हुए सीएम भजन लाल शर्मा ने कहा, 'मैं विपक्ष से पूछना चाहता हूं कि उन्होंने महिलाओं के लिए क्या किया। उन्होंने सिर्फ वोट की राजनीति की। जब महिलाओं को मौका देने का समय आया, तो वे उन्हें मौका भी नहीं दे पाए।' उन्होंने कहा कि चाहे हमारी राज्य सरकार हो या केंद्र सरकार, हम अपनी माताओं और बहनों के उत्थान और कल्याण के लिए निरंतर काम कर रहे हैं, लेकिन 2047 तक 'विकसित भारत' का हमारा सपना हमारी माताओं और बहनों के बिना पूरा नहीं हो सकता। हमारी सरकार आधी आबादी को आगे लाना चाहती है। दुख की

बात है कि विपक्ष ऐसा नहीं सोचता। भजनलाल शर्मा ने परिवारवाद पर निशाना साधते हुए कहा कि हमारी संस्कृति और विचारधारा में माताओं-बहनों को पूजनीय माना गया है। ये परिवारवादी लोग हैं। इन्हें डर लगता है कि जब आम घरों की बहनें आगे आएंगी, तो परिवारवादियों का क्या होगा। कांग्रेस, टीएमसी और सपा परिवार को लेकर चलने वाली पार्टियां हैं, जबकि भाजपा सभी को साथ लेकर चलने में विश्वास रखती है। सीएम ने कहा कि नारी शक्ति का अपमान करना और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लाए गए महिला आरक्षण संशोधन विधेयक का विरोध करना विपक्ष को बहुत भारी पड़ेगा। इन परिवारवादी पार्टियों को नारी शक्ति आने वाले हर चुनाव में सबक सिखाएगी। उन्होंने कहा कि मातृशक्ति का आशीर्वाद ही हमारी असली ताकत है। हम संकल्पबद्ध हैं कि हर बहन-बेटी को उसका मान, सम्मान और अधिकार दिलाकर रहेंगे। राजस्थान भाजपा की ओर से कहा गया कि महिलाओं के अधिकार सुनिश्चित करने के साथ-साथ किसी भी राज्य के अधिकारों से समझौता किए बिना लोकसभा की सीटों को 543 से बढ़ाकर 850 करने का प्रस्ताव रखा गया था, ताकि अतिरिक्त सीटों के माध्यम से 33 प्रतिशत आरक्षण लागू किया जा सके।

इससे न किसी वर्तमान सांसद की सीट जाती और न ही किसी राज्य का हिस्सा कम होता, बल्कि लोकतंत्र और मजबूत होता। इसके बावजूद विपक्ष ने महिलाओं को उनका उचित प्रतिनिधित्व देने में बाधा उत्पन्न की।

साइबर अपराध से निपटने के लिए रियल टाइम तंत्र जरूरी : सीजेआई सूर्यकांत

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के 22वें डीपी कोहली स्मृति व्याख्यान में भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने साइबर अपराधों पर प्रभावी एवं वास्तविक समय में कार्रवाई की जरूरत पर जोर दिया। इस अवसर पर उत्कृष्ट सेवा (एमएसएम) पदक से कुल 23 अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। यहां भारत मंडपम में आयोजित इस कार्यक्रम में सीबीआई के वरिष्ठ अधिकारी, न्यायपालिका के प्रतिनिधि और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ उपस्थित रहे। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि साइबर अपराध अब बेहद संगठित और तेज हो गए हैं, जबकि उनकी जांच और प्रतिक्रिया अभी भी धीमी है। साइबर ठगी आमतौर पर एक कॉल या संदेश से शुरू होती है, जिसमें लोगों को झांसे में लेकर उनकी निजी या बैंकिंग जानकारी हासिल की जाती है और कुछ ही समय में धनराशि कई खातों में

ट्रांसफर कर दी जाती है।

उन्होंने कहा कि इस चुनौती से निपटने के लिए रियल टाइम सूचना साझा करना, संदिग्ध लेन-देन पर तुरंत रोक लगाना और जरूरत पड़ने पर खातों को अस्थायी रूप से फ्रीज करने जैसी व्यवस्थाएं विकसित करनी होंगी। साथ ही कानून प्रवर्तन एजेंसियों, दूरसंचार कंपनियों, डिजिटल प्लेटफॉर्म और वित्तीय संस्थानों के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है, ताकि अपराध को समय रहते रोका जा सके। मुख्य न्यायाधीश ने तकनीकी क्षमता बढ़ाने, डिजिटल फॉरेंसिक को मजबूत करने और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तथा मशीन लर्निंग के उपयोग पर भी बल दिया। उन्होंने 'अभय' जैसे एआई आधारित नोटिस सत्यापन प्लेटफॉर्म की सराहना करते हुए कहा कि यह आम लोगों को फर्जी नोटिस और साइबर धोखाधड़ी से बचाने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधों का सबसे ज्यादा असर आम नागरिकों, विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों पर पड़ता है, इसलिए शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया सरल, त्वरित और संवेदनशील होनी चाहिए। उन्होंने संस्थाओं के बीच समन्वित और एकीकृत तंत्र विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि अपराध की रोकथाम और जांच दोनों को प्रभावी बनाया जा सके।

शेफाली वर्मा टी20आई रैंकिंग में छठे पायदान पर पहुंची, स्मृति मंधाना को लगा झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौजूदा पांच मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में अर्धशतक की बदौलत आईसीसी की नई महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में दो स्थान के फायदे से छठे पायदान पर पहुंच गईं।

शेफाली ने रविवार को डरबन में खेले गए दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में 38 गेंद पर 57 रन बनाए थे लेकिन भारत मेजबान टीम से आठ विकेट से हार गया जिससे श्रृंखला में वह 0-2 से पिछड़ गया। भारत को इसी मैदान पर खेले गए पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय में भी छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा था जिसमें शेफाली ने 34 रन का योगदान दिया था। भारत की उप कप्तान और शेफाली की सलामी जोड़ीदार स्मृति मंधाना अब तक खेले गए दोनों मैच में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद एक स्थान नीचे चौथे स्थान पर खिसक गई हैं। उन्होंने इन मुकाबलों में 13 और 12 रन बनाए। तीसरे स्थान पर अब वेस्टइंडीज की हेले मैथ्यूज हैं।

भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर दो स्थान ऊपर चढ़कर अब शीर्ष 10 में शामिल होने के करीब हैं। वह फिलहाल 11वें स्थान पर हैं। उन्होंने पहले टी20 में नाबाद 47 रन बनाए थे। महिला विश्व कप की स्टार खिलाड़ी जेमिमा रोड्रिग्स को चार स्थान का नुकसान हुआ है। खराब फॉर्म के चलते वह अब बल्लेबाजों की सूची में 14वें स्थान पर खिसक गई हैं। यह श्रृंखला दोनों टीम के लिए आगामी टी20 विश्व कप की तैयारियों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है जो जून में इंग्लैंड और वेल्स में शुरू होने वाला है।

दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोलवार्ट ने भारत के खिलाफ दूसरे मैच में शानदार अर्धशतक लगाने के बाद बल्लेबाजों की सूची में अपना पांचवां स्थान बरकरार रखा है। ऑस्ट्रेलिया की जॉर्जिया वोल शीर्ष पर हैं। दक्षिण अफ्रीका की अन्य खिलाड़ियों में एनेरी डर्कसेन (18 स्थान के फायदे से 33वें स्थान पर) और सुने लुस (आठ स्थान के फायदे से 35वें स्थान पर) ने भी रैंकिंग में लंबी छलांग लगाई है।

भारत की प्रमुख गेंदबाज दीप्ति शर्मा, रेणुका सिंह ठाकुर और अरुंधति रेड्डी गेंदबाजों की रैंकिंग में नीचे खिसक गई हैं। दीप्ति दो स्थान नीचे पांचवें जबकि रेणुका चार स्थान नीचे नौवें स्थान पर हैं। अरुंधति भी तीन स्थान के नुकसान से 12वें स्थान पर खिसक गई हैं और शीर्ष 10 गेंदबाजों की सूची से बाहर हो गई हैं।

ललित मोदी ने दी बीसीसीआई को नसीहत, अपने खिलाड़ियों का सम्मान करें

लंदन (एजेंसी)। आईपीएल के पहले कमिश्नर रहे ललित मोदी ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को नसीहत देते हुए कहा है कि उसे अपने खिलाड़ियों का सम्मान करना चाहिये। ललित मोदी ने कहा है कि इन खिलाड़ियों के अच्छे प्रदर्शन के कारण ही बीसीसीआई को मोटा लाभ होता है। मोदी का कहना है कि बीसीसीआई को उन खिलाड़ियों का सम्मान करना चाहिए, जिन्होंने उसके लिए खजाना भरा है। ललित मोदी ने ये बात इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जेम्स एंडरसन की वीडियो देखकर किया है। उनका कहना है कि भारत में बहुत ही कम ऐसे क्रिकेटर हैं जिनकी विदाई सम्मान के साथ हुई हैं केवल सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ ही दो दिग्गज हैं, जिन्होंने सम्मान के साथ विदायी दी गयी है। वहीं सौरव गांगुली, वीवीएस लक्ष्मण, वीरेंद्र सहवाग जैसे कई खिलाड़ी हैं, जिन्हें विदायी मैच नहीं मिला। हाल ही में विराट कोहली और रोहित शर्मा ने भी सोशल मीडिया पर टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी। इन दोनो को भी कोई विदायी मैच नहीं मिला।

मोदी ने एंडरसन के आखिरी टेस्ट का वीडियो जारी किया है। इस वीडियो में एंडरसन लॉर्ड्स के मैदान पर बीयर का गिलास लेकर बालकनी में प्रशंसकों के सामने आते हैं। प्रशंसकों का धन्यवाद अदा करते हैं और उन्हीं के सामने बीयर का गिलास खत्म करते हैं। इससे पहले ललित मोदी ने तो दावा किया है कि आईपीएल टीमों के कुछ मालिकों ने 2011 में काले जादू तक का इस्तेमाल किया था, जिसका उनके पास पुख्ता सबूत है। इतना ही नहीं, उन्होंने दावा किया है कि वह किसी फिल्म या टीवी सीरीज के जरिए इससे जुड़ी हर चीज का खुलासा करना चाहते हैं।

अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट में सीनियर खिलाड़ियों को आराम दे सकती है बीसीसीआई

-घरेलू क्रिकेट खेल रहे युवाओं को मिलेगा अवसर

मुम्बई (एजेंसी)। अफगानिस्तान के खिलाफ 6 जून से होने एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई आईपीएल खेल रहे अनुभवी खिलाड़ियों को आराम दे सकती है। विशेषकर उन टीमों के खिलाड़ियों को आराम दिया जाएगा जिनकी टीम प्लेऑफ में पहुंचेंगी। ऐसे में इनकी जगह पर घरेलू क्रिकेट खेल रहे युवा खिलाड़ियों को अवसर मिल सकता है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार चयन समिति इस बात पर नजर रखे हुए है कि कौन-से खिलाड़ी आईपीएल में कितने मैच खेल रहे हैं और उनकी टीम प्लेऑफ तक पहुंचती है या नहीं। रिपोर्ट के अनुसार, चयनकर्ता खिलाड़ियों की फिटनेस और काम के बोझ को ध्यान में रखते हुए टीम का चयन करेंगे। खासकर शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को आराम दिया जाना तय है। अगर उनकी आईपीएल टीम जैसे गुजरात टाइटंस या मुंबई इंडियंस प्लेऑफ में पहुंचती हैं, तो इन खिलाड़ियों का टेस्ट खेलना कठिन हो सकता है।

ये टेस्ट मैच विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) से नहीं जुड़ा है। ऐसे में टीम प्रबंधन किसी प्रकार का जोखिम नहीं चाहता। जहां बुमराह को आराम दिया जान तय है। वहीं कप्तान शुभमन स्वयं इस मैच से बाहर हो सकते हैं। ऐसे में कई युवा घरेलू खिलाड़ियों को अवसर मिल सकता है। इसके तहत ही गुरनूर बराड़, मानव सुथार, आकिब नबी, नितीश कुमार रेड्डी और हर्ष दुबे जैसे खिलाड़ियों को टेस्ट डेब्यू का अवसर मिल सकता है। अफगानिस्तान के खिलाफ ये टेस्ट मैच आईपीएल के बाद खेला जाएगा। इसके बाद टीम अगानिस्तान के खिलाफ 3 एकदिवसीय के अलावा आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ सीमिति ओवरों की सीरीज खेलेगी। इसके अलावा भारतीय टीम को जिम्बाब्वे का दौरा भी करना है। इसी को देखते हुए बीसीसीआई सभी खिलाड़ियों को रोटेशन के तहत आराम देना चाहता है।

टी20 विश्व कप मैच फिक्सिंग के तार लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े !

ओटावा (एजेंसी)। टी20 विश्वकप 2026 में न्यूजीलैंड ओर कनाडा मुकाबले को लेकर फिक्सिंग के आरोपों के बाद अब कहा जा रहा है कि इस मामले के तार लॉरेंस बिश्नोई गैंग से भी जुड़े हो सकते हैं। ये कहा जा रहा है कि मैच फिक्सिंग को लेकर संदेह के घेरे में आये कनाडाई टीम के कप्तान दिलप्रीत बाजवा पर लॉरेंज बिश्नोई गैंग का दबाव भी हो सकता है। इससे कनाडाई क्रिकेट धमकियों, चयन में दबाव से लेकर मैच फिक्सिंग के आरोपों से घिर गया है। ऐसे में लॉरेंस बिश्नोई गैंग की जांच भी चल रही है। कनाडा के पब्लिक ब्रॉडकास्टर, कैनेडियन ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन (सीबीसी) की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि बाजवा के जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के नेटवर्क से संबंध हो सकते हैं। या उनपर बिश्नोई ग्रुप की ओर से मैच फिक्स करने के लिए दबाव डाला गया होगा।

सीबीबसी की रिपोर्ट के अनुसार, पिछली जुलाई (2025) में, एक बड़े प्रोविंशियल टूर्नामेंट में जीत के बाद करीब 25 क्रिकेटर ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में एक रेस्टोरेंट में इकट्ठा हुए। इस टूर्नामेंट के दो खिलाड़ी अंदर एक टेबल पर गए, जहाँ कनाडा की टीम का एक स्टार दूसरे ग्रुप के साथ डिनर कर रहा था। सूत्रों के मुताबिक, उन्होंने दावा किया कि वे बिश्नोई गैंग के हैं। साथ ही कहा कि अगर वह दिलप्रीत बाजवा नाम की तरक्की का सहयोग नहीं करते हैं तो इसके परिणाम भुगतने होंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक, जिस मैच पर संदेह है, वह कनाडा का न्यूजीलैंड के खिलाफ ग्रुप स्तर का मैच है। इस मैच में कनाडा के कप्तान दिलप्रीत ने पांचवां ओवर किया जिसमें 15 रन बने और मैच का परिणाम बदल गया। इस ओवर के अलावा

आईसीसी कनाडा के पूर्व कोच खुर्रम चौहान से जुड़े एक रिकॉर्डेड टेलीफोन कॉल की भी जांच कर रहा है। चौहान का आरोप है कि क्रिकेट कनाडा के सीनियर बोर्ड के सदस्यों ने उन पर नेशनल टीम के लिए कुछ खास खिलाड़ियों को चुनने का दबाव डाला था।

कोनोली ने बताया पंजाब किंग्स की सफलत का राज

मुल्लांपुर । आईपीएल के इस सत्र में शानदार प्रदर्शन कर रहे पंजाब पंजाब किंग्स के युवा बल्लेबाज ऑस्ट्रेलिया के कूपर कोनोली ने कहा है कि टीम के अंदर काफी अच्छा माहौल है और सभी एकदूसरे की सहायता कर रहे हैं उसी कारण टीम जीत रही है। साथ ही कहा कि सभी को एकदूसरे के मजबूत पक्ष से सीखने को मिला रहा है। कोनोली ने कहा, हम सभी इस बात पर विचार करते हैं कि एक-दूसरे के लिए क्या फायदेमंद है। हम एक-दूसरे से छोटी-छोटी बातें सीखते हैं। हमें एक-दूसरे से छोटी-छोटी चीजें सीखने से लाभ भी हुआ है। उन्होंने कहा, हम सभी बेहतर होने का प्रयास कर रहे हैं। खेल का भी लक्ष्य होता है कि एक सर्वश्रेष्ठ टीम बनायी जाये। हम एक टीम के रूप में एक-दूसरे से सीख कर अपनी कमियों को दूर कर रहे हैं। कोनोली ने कहा कि टीम की सफलता में कप्तान श्रेयस अय्यर की भी अहम भूमिका है। श्रेयस काफी अच्छी कप्तानी कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में टीम लगातार आगे बढ़ रही है। पंजाब इस सत्र में अब अब अपने 6 में एक भी मैच नहीं हारी है। वह पांच मैच जीती है जबकि एक मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया। टीम अंक तालिक में अभी नंबर एक पर है। कोनोली ले कहा, श्रेयस स्वयं आगे रहकर टीम को प्रेरित करते हैं। वह हमेशा यह प्रयास करते हैं कि टीम के सभी खिलाड़ी सहज महसूस करें। वह खिलाड़ियों को हमेशा बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि सभी खिलाड़ी उत्साहित होकर अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

ऑरेंज कैप की रेस में नंबर एक पर पहुंचने से चूके शुभमन, तिलक ने लगायी छलांग

अहमदाबाद । आईपीएल में गुजरात टाइटंस और मुम्बई इंडियंस के बीच हुए मुकाबले में गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल को खासा नुकसान हुआ है। इस मैच में टीम के हार के साथ ही शुभमन के बल्लेबाजी में असफल रहने से उनका ऑरेंज कैप की रेस में शीर्ष पर आने का प्रयास भी असफल रहा। वहीं मुंबई इंडियंस की ओर से शतक लगाने वाले तिलक वर्मा ऑरेंज कैप की दौड़ में शीर्ष 35 खिलाड़ियों की सूची में शामिल होने में सफल रहे हैं। इस मैच में शुभमन केवल 14 रन ही बना पाए। इससे आईपीएल सत्र के 5 मैचों में उनके कुल 265 रन हो गए हैं। शुभमन अब ऑरेंज कैप की रेस में दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। वहीं सनराइजर्स हैदराबाद के आक्रम बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन 283 रनों के साथ ही पहले नंबर पर बरकरार हैं।

वहीं मुम्बई के तिलक गुजरात के खिलाफ नाबाद 101 रनों की पारी के साथ ही सीधे 33वें स्थान पर पहुंच गये हैं है। तिलक के अब 6 मैचों में कुल 144 रन हो गये हैं। वहीं तीसरे पायदान पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विराट कोहली हैं, जिन्होंने कुल 247 रन बनाए हैं। राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी 246 रनों के साथ चौथे और आरसीबी के रजत पाटीदार 230 रनों के साथ पांचवें स्थान पर काबिज हैं।

शुभमन ने हार के लिए गेंदबाजों को जिम्मेदार बताया, बीच के ओवरों में जरुरत से ज्यादा रन दिये

अहमदाबाद । गुजरात टाइटंस की टीम को यहां मुंबई इंडियंस के खिलाफ हुए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में करारी हार का सामना करना पड़ा है। इस हार से निराश टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने इसके लिए गेंदबाजों का जिम्मेदार बताया। शुभमन ने कहा कि हमने काफी ज्यादा रन दे दिये थे। बीच के ओवरों में हमें अच्छी गेंदबाजी करनी चाहिये थी पर उसमें हम विफल रहे। हमारे गेंदबाज विरोधी टीम पर अंकुश नहीं लगा पाये। इस मैच में टीम की बल्लेबाजी भी खराब रही और वह लक्ष्य का पीछा करते हुए केवल 100 रन ही बना पायी। गुजरात की ओर से कगिसो रबाडा ने पावरप्ले में 3 विकेट लिए, पर तिलक वर्मा के शतक से मुंबई ने 199 रनों का अच्छा खासा स्कोर बना लिया। मैच के बाद गिल ने कहा कि हमारी टीम मुम्बई के बल्लेबाजों को रोक नहीं पायी। पिच थोड़ी धीमी थी जिस पर हमने काफी रन लुटा दिये पर इसके बाद भी हमें इस मैच से काफी कुछ सीखने को मिला है। साथ ही कहा कि यह हार टीम के लिए एक सबक है। सभी को समझना होगा कि एक गलती उन्हें पीछे कर सकती है विशेषकर जब वे घरेल मैदान की जगह पर अन्य स्थलों पर उतरेंगे तब उन्हें सावधान रहना होगा। उन्होंने कहा, 'अब हमारे पास बाहर के कुछ मैच हैं, उम्मीद है कि हम फिर से जीत की राह पर लौटेंग। मुझे लगता है कि विकेट थोड़ा धीमा था। हम सही क्षेत्र में गेंदबाजी नहीं कर पाए। हमें मध्य के ओवरों में लगातार उसी लेंथ पर गेंदबाजी करनी चाहिए थी, जो हम नहीं कर पाए।' वहीं टीम बल्लेबाजी में भी असफल रही जबकि दूसरी पारी में ओस के कारण बल्लेबाजी थोड़ी आसान हो गई थी। इस मैच में मुंबई इंडियंस ने गुजरात को 99 रन से हराया. पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई ने पांच विकेट पर 199 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले 200 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात टीम 100 रन ही बना पायी। इस मैच में जीत के साथ ही मुम्बई की पिछले चार मैचों से हार का सिलसिला जरुर थम गया है।

बुमराह को लंबे इंतजार के बाद मिला सत्र का पहला विकेट, प्रशंसक भी उत्साहित हुए

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुकाबले में मुम्बई इंडियंस के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आखिरकार विकेट मिल ही गया। बुमराह को ये विकेट लंबे इंतजार के बाद मिला है। इस सत्र का ये उनका पहला विकेट है। बुमराह ने पहले ही ओवर में गुजरात के सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन का विकेट लिया। बुमराह को आईपीएल में 325 दिनों के बाद ये विकेट मिला है। उनके इस विकेट पर प्रशंसक भी उत्साहित दिखे। इससे पहले उन्होंने आईपीएल में अपना अंतिम विकेट 2025 क्वालीफायर के दौरान लिया था। बुमराह के इस विकेट से टीम को शुरुआती सफलता मिली और विरोधी टीम पर दबाव बनाने में मदद मिली। यह सिर्फ एक विकेट नहीं था, बल्कि लगभग एक साल के इंतजार के बाद आईपीएल में उनकी वापसी का संकेत था, जो प्रशंसकों के लिए किसी त्योहार से कम नहीं था।

बुमराह ने आईपीएल में अपना अंतिम विकेट 2023 के क्वालीफायर मुकाबले के दौरान लिया था। उसके बाद चोट के कारण उन्हें काफी समय तक क्रिकेट से दूर रहना पड़ा। इस लंबे ब्रेक और फिर मैदान पर जोरदार वापसी ने उनके हर प्रदर्शन को और भी महत्वपूर्ण बना दिया है। यही कारण है कि उनके इस पहले विकेट पर फैंस का उत्साह चरम पर था

इस विकेट की एक और दिलचस्प बात यह है कि इसका मूल्य लगभग 26 लाख रुपये आंका गया है। यह कोई वेतन या नीलामी राशि नहीं है, बल्कि एक विशेष डेटा-आधारित मूल्यांकन है। क्रिकेट विश्लेषकों और डेटा वैज्ञानिकों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले बॉल-लेवल डेटा के अनुसार, सुदर्शन जैसे शीर्ष और प्रभावशाली बल्लेबाज का विकेट लेना, खासकर पारी की शुरुआत में, खेल के परिणामों पर बड़ा प्रभाव डालता है। डिलीवरी का बॉलर-बॉल इम्पैक्ट स्कोर 15.449 रहा, जिसे मौजूदा मैच कन्वर्जन रेट से गुणा करने पर लगभग 25.60 लाख रुपये का मौद्रिक मूल्य प्राप्त होता है।

चेन्नई के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ पर है दबाव : अश्विन

मुम्बई । पूर्व भारतीय क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के खराब प्रदर्शन को लेकर कहा है कि गायकवाड़ इस समय काफी दबाव में हैं, जिसके चलते वे न तो सही निर्णय ले पा रहे हैं और न ही अपनी बल्लेबाजी में प्रभाव छोड़ पा रहे हैं। इसी कारण सीएसके की हालत भी खराब है और अंकतालिका में काफी नीचे है। इस सत्र में ऋतुराज अब तक खेली गई छह पारियों में केवल 82 रन बना पाये हैं, जिसमें उनका औसत सिर्फ 13.67 रहा है। यह आंकड़ा एक कप्तान और प्रमुख बल्लेबाज के लिए निराशाजनक है और टीम प्रबंधन के साथ-साथ प्रशंसकों के लिए भी चिंता का विषय बन गया है। हाल ही में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हुए मुकाबले में भी गायकवाड़ बड़ी पारी खेलने में विफल रहे। इस मैच में गायकवाड़ ने 13 गेंदों पर सिर्फ 19 रन बनाए। हालांकि युवा बल्लेबाज आयुष ने पावरप्ले में टीम को अच्छी शुरुआत दी थी, लेकिन उनके आउट होने के बाद मध्यक्रम दबाव में आ गया, जिसका असर गायकवाड़ की बल्लेबाजी पर भी साफ दिखा और रन गति धीमी पड़ गई। इससे अंत में टीम के हाथ से मैच निकल गया। अश्विन ने गायकवाड़ की खराब फॉर्म की असली वजह बताते हुए कहा, इस मैच में उनके लिए रन बनाने का सबसे अच्छा अवसर था। उन्हें ज्यादा जोखिम लेने की जरूरत नहीं थी क्योंकि टीम पहले ही अच्छी शुरुआत कर चुकी थी। वह समय लेकर अपनी पारी को संभाल सकते थे पर ऐसा नहीं कर पाये। उन्होंने आगे कहा, मुझे ऐसा लगता है कि वह काफी दबाव में हैं और उनका दिमाग सही फैसले नहीं ले पा रहा है।गायकवाड़ से ही टीम को उनसे सबसे ज्यादा उम्मीदें हैं और उनके असफल होने से अन्य खिलाड़ियों पर भी विपरीत प्रभाव पड़ा है। सीएसके ने सीजन की शुरुआत तीन लगातार हार के साथ की थी, हालांकि बाद में दो मैच जीतकर वापसी की, लेकिन सनराइजर्स के खिलाफ मिली हार ने एक बार फिर टीम का मनोबल गिरा दिया है। अश्विन के अनुसार टीम की कमान संभालने का बोझ और व्यक्तिगत प्रदर्शन में गिरावट से भी गायकवाड़ के खेल पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के मार्गदर्शन की कमी भी उन्हें महसूस हो रही है। इससे उनकी उनकी मानसिक स्थिति प्रभावित हुई है।अब सीएसके का अगला मुकाबला 23 अप्रैल को मजबूत मुंबई इंडियंस के खिलाफ है। इसमें कप्तान को पूरी ताकत से उतरना होगा। प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए टीम के लिए इस मैच में जीत जरुरी है। ऐसे में गायकवाड़ को बड़ी पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिलानी होगी। जिससे की उसका अभियान पटरी पर आ सके।

जोकोविच बोले, विराट हैं मेरे अच्छे दोस्त, उनके कारण क्रिकेट को फॉलो कर रहा

-भारत आने की भी इच्छा जतायी

मैड्रिड (एजेंसी)। सर्बियाइ टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने कहा है कि वह विराट कोहली के बड़े प्रशंसक हैं और उन्हीं के कारण क्रिकेट को फॉलो करते हैं। जोकोविच के अनुसार सर्बिया में लोग क्रिकेट के बारे में अधिक नहीं जानते पर विराट से मेरी काफी अच्छी दोस्ती है। विराट कोहली भी समय-समय पर जोकोविच के मैचों को देखने पहुंचते हैं। जोकोविच ने कहा कि जब भी वह कभी भारत जाएंगे तो कोहली उनके साथ जरूर रहेंगे। जोकोविच ने जल्द ही भारत आने की भी बात कही। मैड्रिड में लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवॉर्ड्स 2026 समारोह के दौरान इस टेनिस स्टार ने कहा, विराट कोहली मेरे करीबी दोस्त हैं वह ऐसे शख्स हैं जिनका मैं सम्मान करता हूं, प्रशंसा करता हूं। ईमानदारी से कहें तो उनकी वजह से ही मैंने क्रिकेट को फॉलो करना शुरू किया। मैंने पहले भी इसे फॉलो किया पर उनके जरिये और ज्यादा फॉलो करने शुरू किया। हम संपर्क में रहते हैं और उम्मीद करता हूं कि मैं जब भी आऊंगा वह मेरे साथ हो सकते हैं। हम थोड़ा बहुत टेनिस खेलेंगे और थोड़ा बहुत क्रिकेट। मस्ती करेंगे और खेल का आनंद लेते हुए सकारात्मक और अच्छी बातें फैलाएंगे।

जोकोविच ने कहा कि वह भारत के भी प्रशंसक हैं। साथ ही कहा कि वह जल्द ही भारत आना चाहते हैं। जोकोविच ने कहा, मुझे व्यक्तिगत तौर पर भारतीय टेनिस और दुनियाभर के खेलप्रेमियों से जो समर्थन मिलता रहा है उस पर मेरा हमेशा प्यार, सम्मान और तारीफ का संदेश रहेगा। मेरा संदेश यह भी होगा- बहुत जल्द आपसे भारत में मिलेंगे क्योंकि मुझे वहां जाने की जरूरत है। मैं पिछले कुछ सालों से भारत जाने की अच्छा रखता हूं। मैं खुद को भारतीय लोगों के बहुत करीब पाता हूं। लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवॉर्ड्स 2026 की बात करें तो मैड्रिड में हुए इस भव्य समारोह में टेनिस का दबदबा रहा। कार्लोस अल्काराज और एरिना सबालेंका को क्रमशः स्पोर्ट्समैन और स्पोर्ट्सवुमन ऑफ द ईयर के सम्मान से नवाजा गया।

अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद बोले, मुझे भारत और ऑस्ट्रेलिया ने दिया था खेलने का प्रस्ताव

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान ने कहा है कि उन्हें भारतीय ओर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट से खेलने के साथ ही नागरिकता का प्रस्ताव मिला था पर उन्होंने उसे ठुकरा दिया था क्योंकि वह अपने ही देश अफगानिस्तानी की ओर से खेलना चाहते थे। राशिद के अनुसार वह अपने देश से प्यार करते हैं और उसके लिए समर्पित हैं। राशिद खान ने ये खुलासा अपनी किताब 'राशिद खान- फ्रॉम स्ट्रीट्स टू स्टारडम' में किया है। उन्होंने कहा कि साल 2023 आईपीएल सीजन के दौरान उन्हें अनौपचारिक रूप से प्रस्ताव मिले थे पर मैंने ठुकरा दिये थे। इस किताब में राशिद के हवाले से लिखा है, ÷मुझे ऑस्ट्रेलिया और भारत दोनों से खेलने के प्रस्ताव मिले थे पर मैंने इससे इंकार करते हुए कहा था कि मैं किसी अन्य देश के लिए नहीं खेलूंगा.÷

उन्होंने कहा कि तब आईपीएल के दौरान ही भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक बड़े अधिकारी ने कहा था कि आपके देश अफगानिस्तान की हालत ठीक नहीं है अगर आप चाहें तो भारत में खेल सकते हैं। इससे में हैरान हो गया पर मैंने उन्हें साफ तौर पर मना कर दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वह अपने वतन अफगानिस्तान से बेहद प्यार करते हैं और उसके लिए पूरी तरह समर्पित हैं। उनके लिए, किसी अन्य देश का प्रतिनिधित्व करना उनके अपने देश के गौरव और पहचान से समझौता करने जैसा होता, जिसे वह कभी स्वीकार नहीं कर सकते थे।यह घटना राशिद के चरित्र और उनके मूल्यों को उजागर करती है। एक ऐसे समय में जब कई खिलाड़ी बेहतर अवसरों और सुविधाओं के लिए राष्ट्रीयता बदलने पर विचार करते हैं, राशिद का अपने देश के प्रति यह अटूट समर्पण एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत करता है। उनका यह निर्णय न केवल अफगानिस्तान के क्रिकेट समुदाय के लिए गर्व का विषय है, बल्कि दुनिया भर के खेल प्रेमियों के लिए भी देश प्रेम का एक मजबूत संदेश है।

युवाओं के दम पर पंजाब किंग्स अब किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं : मॉर्गन

लंदन । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान इयोन मॉर्गन ने आईपीएल सत्र में पंजाब किंग्स टीम के अच्छे प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए कहा है कि अब यह टीम अपने कप्तान या किसी एक एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं है, बल्कि युवा प्रतिभाओं के प्रदर्शन पर निर्भर है। मॉर्गन ने कहा है पंजाब किंग्स का ये अंदाज काफी अनूठा है। टीम बहुत ही मजबूत स्थिति में पहुंच गई है जिसमें हर खिलाड़ी अपनी भूमिका निभाना जानता है। टीम में इतनी गहराई है कि वह 230 से 240 रनों का लक्ष्य भी हासिल कर सकती है।।उन्होंने जोर दिया कि इससे प्रमुख खिलाड़ियों पर से अनावश्यक दबाव कम गया है। मॉर्गन ने आगे कहा, जब बाकि बल्लेबाजी इकाई अच्छा प्रदर्शन कर रही होती है, तो टीम पर से दबाव कम होता ही है। उन्होंने युवा बल्लेबाज प्रियांश आर्य ने जिस प्रकार से बल्लेबाजी की है उससे पता चलता है कि टीम में कितन आत्सविश्वास है। वह एक ऐसे खिलाड़ी के तौर पर सामने आते हैं जो साफ सोच रखते हैं और समय के साथ मिलने वाले अवसरों का पूरा लाभ उठा रहे हैं।

सलमान और नयनतारा की अगली फिल्म की शूटिंग शुरू

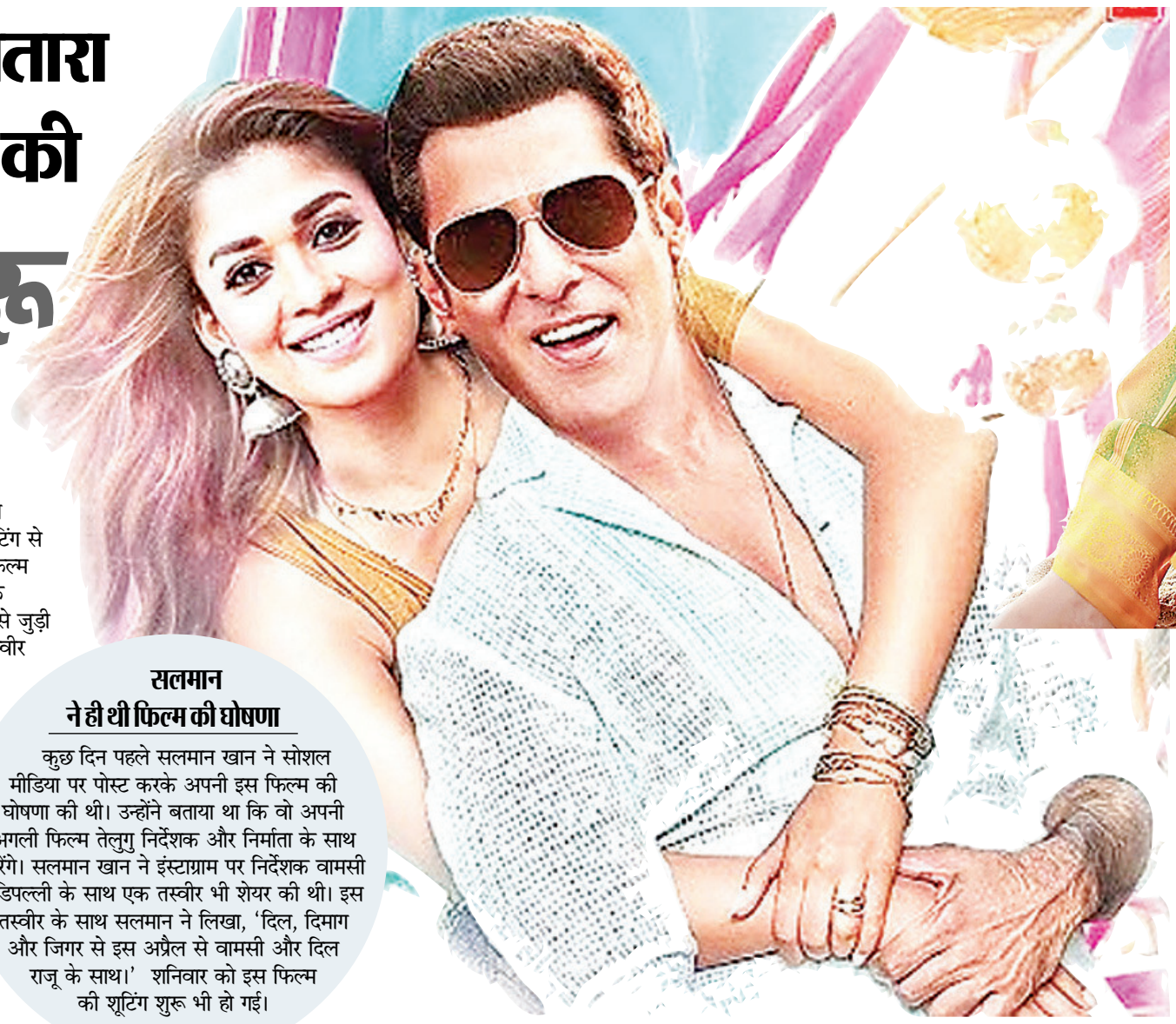

अनिल कपूर समेत कई सेलेब्स ने जाहिर की खुशी

सलमान खान फिल्म 'मातृभूमि' के बाद साउथ एक्ट्रेस नयनतारा के साथ अगली फिल्म करेंगे। इस फिल्म की शूटिंग से जुड़ा अपडेट मेकर्स ने साझा किया है। सलमान की इस फिल्म के लिए बॉलीवुड एक्टर्स एक्साइटेड दिख रहे हैं। निर्देशक वामशी ने इंस्टाग्राम पर सलमान खान की आगामी फिल्म से जुड़ी जानकारी साझा की है। निर्देशक ने एक क्लैपरबोर्ड की तस्वीर अपलोड की, जिस पर 'मुहूर्त' लिखा हुआ था। इस तरह वामशी ने फैंस को बताया कि सलमान खान और नयनतारा की एक्शन ड्रामा फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है। शनिवार को इसका मुहूर्त शॉट किया गया।

कई सेलेब्स ने शूटिंग को लेकर जाहिर की खुशी

डायरेक्टर वामशी की पोस्ट और सलमान खान की फिल्म को लेकर कई बॉलीवुड सेलेब्स उत्साहित दिखे। इस पोस्ट पर रिएक्शन देते हुए अनिल कपूर ने लिखा, 'वामशी, आपको बहुत-बहुत शुभकामनाएं।' इसी तरह नम्रता शिरोडकर ने भी कमेंट किया, 'बहुत-बहुत बधाई।' सलमान के फैंस ने भी इस पोस्ट को खूब लाइक किया है।

सलमान ने ही थी फिल्म की घोषणा

कुछ दिन पहले सलमान खान ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके अपनी इस फिल्म की घोषणा की थी। उन्होंने बताया था कि वो अपनी अगली फिल्म तेलुगु निर्देशक और निर्माता के साथ करेंगे। सलमान खान ने इंस्टाग्राम पर निर्देशक वामसी पेडिपल्ली के साथ एक तस्वीर भी शेयर की थी। इस तस्वीर के साथ सलमान ने लिखा, 'दिल, दिमाग और जिगर से इस अप्रैल से वामसी और दिल राजू के साथ।' शनिवार को इस फिल्म की शूटिंग शुरू भी हो गई।

पार्वती कृष्णा योगा के नाम पर हो रहीं ट्रोल

सोशल मीडिया पर पार्वती कृष्णा को कई लोग फॉलो करते हैं, वह बतौर एक्सपर्ट फेस योगा सिखाती हैं। इसी वजह से वह एक विवाद का हिस्सा बन गईं और नेटिजंस द्वारा ट्रोल भी की जा रही हैं। जानिए, क्या है ये पूरा मामला? और पार्वती कृष्णा का फिल्मी दुनिया से क्या रिश्ता है? पार्वती कृष्णा सोशल मीडिया पर दावा करती हैं कि वह फेस योगा से शॉर्प जॉलाइन बनाने में लोगों की मदद करती हैं। इससे चेहरा काफी हद तक बदल सकता है। लेकिन यह बात कुछ लोगों को हजम नहीं हुई। नेटिजंस ने फेस योगा से चेहरे में बदलाव की बात को नाकार और इसे गुमराह करने जैसा बताया। खासकर एक यूट्यूबर चंद्रशेखर रमेश ने पार्वती कृष्णा के दावों की आलोचना की।

पार्वती ने दिया ट्रोल्स को जवाब

जब पार्वती कृष्णा की सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग ज्यादा होने लगी तो एक इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए उन्होंने जवाब दिया। इसमें उनका कहना है कि वह एक फेस योगा की एक्सपर्ट हैं, उनके पास सर्टिफिकेट भी है। वह कई लोगों की इस मामले में मदद कर चुकी हैं। ट्रोल करने वालों पर भी पार्वती ने निशाना साधा है, इसमें यूट्यूबर चंद्रशेखर रमेश भी शामिल हैं। पार्वती के इंस्टाग्राम वीडियो पर कुछ लोगों ने उन्हें सपोर्ट भी किया है।

फिल्मों से क्या है पार्वती कृष्णा का कनेक्शन

पार्वती कृष्णा एक दक्षिण भारतीय अभिनेत्री हैं। वह मलयालम फिल्मों में अभिनय करती हैं। साल 2014 में 'एंजल' नामक की फिल्म से पार्वती ने अपना करियर शुरू किया। फिल्मों के अलावा टीवी सीरियल भी किए। इसमें 'ईश्वरन साक्षीयायी' और 'रात्री माजा' जैसे सीरियल शामिल हैं। पार्वती ने कई शो भी होस्ट किए। मलयालम का पॉपुलर शो 'किडिलम' को भी वह होस्ट कर चुकी हैं।

पांच साल में बनाया भारत में सबसे बड़ा रिकॉर्ड

संजय की चार फिल्मों ने ली 1000 करोड़ क्लब में एंट्री

बॉलीवुड के एक मशहूर अभिनेता के नाम बड़ा रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। उनकी अलग-अलग चार फिल्मों ने 1000 करोड़ क्लब में एंट्री ली है। ऐसा कोई खान स्टार या साउथ का स्टार नहीं कर सका।

यह आम राय है कि बॉक्स ऑफिस पर खान स्टार्स और साउथ के बड़े अभिनेताओं का दबदबा रहता है। हालांकि इस बार मामला थोड़ा अलग है। पिछले कुछ वर्षों में एक एक्टर ने ऐसा रिकॉर्ड बनाया है जो लोगों को हैरान कर रहा है। उन्होंने अलग-अलग भाषाओं की फिल्में की हैं। उनकी चार फिल्में 1000 करोड़ क्लब में पहुंची हैं।

अभिनेता ने खान और साउथ के कलाकारों को छोड़ा पीछे

यह कोई और अभिनेता नहीं बल्कि बॉलीवुड के जाने-माने अभिनेता संजय दत्त हैं। उनकी चार अलग-अलग फिल्मों ने 1000 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की है। इस रिकॉर्ड की खास बात यह है कि कई बड़े स्टार्स ऐसा रिकॉर्ड नहीं बना पाए हैं। इस लिस्ट में आमिर खान, शाहरुख खान और प्रभास जैसे सितारे हैं। हालांकि संजय दत्त इन सब लोगों से आगे हैं। कई सितारों की एक या दो ही फिल्में 1000 करोड़ क्लब तक पहुंची हैं। लेकिन संजय दत्त की एक नहीं चार फिल्में 1000 करोड़ क्लब तक पहुंची हैं।

इन फिल्मों ने कमाए 1000 करोड़ रुपये से ज्यादा

संजय दत्त ने 'केजीएफ चैप्टर 2' (2022) में अपने विलेन के किरदार से काफी चर्चा बटोरी। संजय दत्त की यह पहली फिल्म थी जिसने 1000 करोड़ क्लब में एंट्री मारी थी। इसके बाद 'जवान' ने 1100 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की। इसमें शाहरुख खान लीड रोल में थे। 'धुरंधर' (2025) में भी संजय दत्त नजर आए थे। इस फिल्म ने 1300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया। इसी तरह से 'धुरंधर 2' (2026) ने एक महीने में 1700 करोड़ रुपये से भी ज्यादा का कलेक्शन किया है।

संजय दत्त के नाम बड़ा रिकॉर्ड

इस तरह से संजय दत्त अकेले ऐसे अभिनेता हैं, जिनकी 4 फिल्मों ने 1000 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार किया है। उनका ये रिकॉर्ड काफी खास माना जा रहा है।

अक्षय कुमार बोले- मेरा बेटा 4500 की नौकरी कर रहा

एक्टर अक्षय कुमार अपनी फिल्म 'भूत बंगला' से फैंस को खूब हंसा रहे हैं। उन्होंने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया है कि उनके बेटे को फिल्मों में आने में कोई दिलचस्पी नहीं है और वो फैशन में अपना करियर बना रहा है।

अक्षय कुमार का बेटा आरव भाटिया

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार दो दशकों से अधिक समय से अपनी फिल्मों से लोगों का मनोरंजन कर रहे हैं। उनकी पत्नी ट्विंकल खन्ना भी कुछ समय के लिए फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा थीं। हालांकि, एक्टर ने हाल ही में खुलासा किया कि उनके बेटे आरव को फिल्मों में कोई दिलचस्पी नहीं है और वह फैशन में अपना करियर बना रहे हैं। उन्होंने ये भी बताया कि वो खुद कमा भी रहे हैं। अक्षय कुमार ने कहा कि उनका बेटा उनसे बहुत अलग नहीं है और आगे कहा, 'हम दोनों में बहुत समानता है। उसे फिटनेस का शौक है, और मुझे भी। वह लंबा है और बहुत ही फोकस्ड है। उसे काम करना पसंद है। लेकिन वह फिल्मों में नहीं आना चाहता। उसकी ऐसी कोई योजना नहीं है। वह फैशन में अपना करियर बनाना चाहता है।' वह बेचारा आज भी 4500 रुपये की नौकरी कर रहा है। अच्छी बात है, क्यों नहीं? वह गांवों में जाकर वहां से फैशन सीख रहा है, अलग-अलग तरह के प्रिंट्स वगैरह। मैं उसे ज्यादा उपदेश नहीं देता, लेकिन मैंने उसे हिदायत दी है कि किसी को नुकसान न पहुंचाए।

आरव भाटिया कौन हैं?

आरव भाटिया का जन्म 2002 में हुआ था और वे अक्षय कुमार और ट्विंकल खन्ना के सबसे बड़े बेटे हैं। 15 साल की उम्र में वे उच्च शिक्षा के लिए विदेश चले गए और फिलहाल लंदन के एक विश्वविद्यालय में पढ़ाई कर रहे हैं। उनकी छोटी बहन नितारा (जन्म 2012) अक्सर ट्विंकल के सोशल मीडिया पर नजर आती हैं, जबकि आरव लाइमलाइट से दूर रहना पसंद करते हैं।

सनी देओल-आमिर खान की फिल्म 'लाहौर 1947' का बदला जाएगा टाइटल

सनी देओल की अपकमिंग फिल्म 'लाहौर 1947' लंबे वक्त से चर्चा में है. कुछ समय पहले ऐसी खबरें सामने आई थीं, जिनमें दावा किया गया था कि इस फिल्म का नाम बदल सकता है. लेकिन ये महज अफवाह निकली. लेकिन अब एक बार फिर 'लाहौर 1947' का नाम बदले जाने की खबर सामने आई है.

सनी देओल ने 2026 की शुरुआत में 'बॉर्डर 2' बवाल काट दिया था. इसके बाद सनी देओल के पास कई बड़े फिल्ममेकर्स से ऑफर मिल रहे हैं. एक्टर के पास बहुत सी फिल्में लाइनअप में शामिल हैं. सनी देओल इस साल 'गबरू', 'लाहौर 1947' और 'रामायण' से बॉक्स ऑफिस पर धमाका करने वाले हैं. हाल ही में ऐसी मीडिया रिपोर्ट्स सामने आईं, जिनमें दावा किया गया कि सनी देओल की 'लाहौर 1947' का नाम बदला जाएगा. लेकिन इनमें कोई सच्चाई नहीं थी. इसी बीच अब खबर मिली है कि वाकई में सनी देओल की फिल्म का नाम बदलने की पूरी तैयारी है.

'बॉर्डर 2' के बाद सनी देओल की 'लाहौर 1947' की अनाउंसमेंट की गई थी, जिसके बाद से ही फैंस में इसे लेकर जबरदस्त क्रेज है. ये फिल्म 13 अगस्त को थिएटरों में रिलीज होने वाली है. सनी देओल की इस फिल्म को आमिर खान प्रोड्यूस कर रहे हैं और राजकुमार संतोषी डायरेक्ट कर रहे हैं. बीते दिनों खुद आमिर खान ने बताया था कि 'लाहौर 1947' का नाम नहीं बदला जा रहा है. लेकिन अब खबर सामने आई है कि 'लाहौर 1947' का नाम बदला जा रहा है और इसका नया टाइटल भी पता चल गया है.

लाहौर 1947 का बदलेगा नाम?

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 2026 की मच अवेटेड फिल्म 'लाहौर 1947' का नाम बदलने के बारे में सोचा जा रहा है. राजकुमार संतोषी के डायरेक्शन में बनी सनी देओल और आमिर खान की फिल्म 'लाहौर 1947' का नाम बदलकर अब 'बंटवारा 1947' किया जा सकता है. हालांकि, अभी तक मेकर्स ने कोई ऐलान नहीं किया है लेकिन ऐसी उम्मीद है कि जल्द ही मेकर्स 'बंटवारा 1947' पर मुहर लगा सकते हैं.

सोनाली ने बिग बॉस मराठी पर लगाए गंभीर आरोप

अभिनेत्री सोनाली राउत ने बिग बॉस मराठी सीजन 6 के निर्माताओं पर शो के दौरान अस्वच्छ (अनहाइजीनिक) रहने की स्थिति का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि खराब वातावरण के कारण उन्हें खुजली की बीमारी हो गई। उन्होंने किचन से लेकर वॉशरूम तक में गंदगी होने और मरे हुए चूहे और कॉकरोच मौजूद होने के आरोप लगाए थे। सोशल मीडिया पर सोनाली ने अपने शरीर पर, पीठ, बांहों, पैरों और धड़ सहित, चकत्ते और निशान दिखाते हुए वीडियो साझा किए।

एक ही वॉशरूम इस्तेमाल करते थे 17 कंटेस्टेंट

सोनाली राउत ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा की। इसमें उन्होंने स्थितियों को दयनीय बताया, जिसमें रसोई में चूहे किराने का सामान कुतर रहे थे और खाने में कॉकरोच पाए जा रहे थे। साथ ही पोस्ट में सोनाली ने अपनी कुछ तस्वीरें भी साझा की हैं, जिसमें उन्होंने अपने शरीर पर निकले दाने, निशान और चकत्ते दिखाए।

गर्मियों की छुट्टियों का लोकप्रिय हिल स्टेशन है कोडईकनाल

तमिलनाडु का कोडईकनाल हिल स्टेशन समुद्रतल से 2100 मीटर ऊपर खूबसूरत पलानी पहाड़ों पर स्थित है। मदुरै से करीब 120 किलोमीटर दूर यह हिल स्टेशन प्रकृति का बेहतरीन नजारा प्रस्तुत करता हैं। कोडईकनाल पहुंचते ही नाशपाती के बड़े-बड़े उद्यान और कलात्मक ढंग से लगाई गई इनकी शाखाएं आकर्षित करती हैं। कोडई में प्रकृति की छटा देखते बनती है। पहाड़ों के पीछे चमकते तारे कोई संदेश देते नजर आते हैं। ऐसा लगता है मानो धरती पर स्वर्ग उतर आया हो।

कोडईकनाल का अर्थ है- जंगल ही जंगल। इसे प्रकृति ने तमिलनाडु को तोहफे में दिया है। दक्षिणी भारत का यह हिल स्टेशन भीड़-भाड़ से बिल्कुल दूर है। यहां की ताजी हवा, अद्भुत दृश्य और परम शांति इसे बाकी हिल स्टेशन से अलग करती है। गार्मियों में कोडईकनाल दक्षिणी भारत के हिल स्टेशनों में सर्वश्रेष्ठ है।

कोडईकनाल में देखने के लिए बहुत कुछ है। वैसे तो कोइईकनाल हिल स्टेशन अपने आप में ही इतना आकर्षक है कि कोई भी पर्यटक यहां आने के बाद इसे अपनी स्मृतियों में संजो कर रखता है। वह आजीवन कोडईकनाल की यात्रा को नहीं भूलता। भीड़-भाड़ से अलग यहां का शांत वातावरण पर्यटकों को देखकर ऐसा लगता है मानो हम प्रकृति की गोद में बैठे हैं।

यहां स्थित 24 हेक्टेयर की भूमि पर स्टार के आकार में बनी झील पर्यटकों को लुभाती है। इसे हर पर्यटक देखना चाहता है। इस झील को देखकर हर कोई चकित हो जाता हैं। यहां का फ्लोरा और फायना म्यूजियम काफी प्रसिद्ध है। शहर से छह किलोमीटर दूर इस म्यूजियम में आर्किड और दूसरी प्रजाति के पौधे की लगभग 300 किस्में देखी जा सकती हैं।

यहां एस्ट्रोफिजिकल आबजरवेट्री 1889 में बनाया गया था। यह लैब इस क्षेत्र के सबसे ऊंचे स्थान पर स्थित है। इसे मौसम-विज्ञान संबंधी जानकारी लेने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। साथ ही इसमें एक छोटा सा संग्रहालय भी है। झील के पूर्वी हिस्से में ब्रयंत वनस्पति का पार्क है। इसका नाम ब्रिटिश अधिकारी के नाम पर रखा गया था। इस पार्क के फूल बाहर भेजे जाते हैं। हर साल मई में यहां उद्यान प्रदर्शनी भी लगाई जाती है।

झील से तीन किलोमीटर उत्तर की तरफ भगवान मुरुगन को समर्पित एक छोटा मंदिर भी देखने लायक है। इसे देखने भी काफी लोग जाते हैं।

कोडईकनाल में कई झरने हैं, जिन्हें देख कर पर्यटक प्रसन्न हो जाते हैं। इन झरनों में बीयर शोला फॉल, सिल्वर कैसकेड़ फेयरी फॉल और ग्लेन फॉल खास हैं। ये झरने यहां आने वाले पर्यटकों के लिए पिकनिक स्पॉट भी हैं। स्टार झील से लगभग एक किलोमीटर दूर कोकर्स वॉक है, जिसे लेफ्टिनेंट कोकर्स के नाम पर रखा गया है। यहां पर एक टेलिस्कोप हाउस भी है जहां से हर पर्यटक घाटी के प्राकृतिक दृश्य को साफ-साफ देख सकता है। साथ ही शहर की खूबसूरती भी निहार सकता है। इसके अलावा पिलर रॉक्स भी देखने लायक है।

कोडईकनाल गर्मी की छुट्टियों यानी मई-जून के लिए बेहतरीन हिल स्टेशन है। आप विमान या ट्रेन से यहां पहुंच सकते हैं। सड़क मार्ग से भी वहां जाया जा सकता है। उत्तर भारत की बार-बार यात्रा से उकता गए हों, तो आप इस बार दक्षिण का रूख कर सकते हैं।

एक ऐसा नगर जहां खजाने से धन निकाला नहीं जाता था

अगर आप पर्यटन के साथ ही ऐतिहासिक स्थलों को देखने में भी रुचि रखते हैं तो कर्नाटक के विजयनगर आइए। दक्षिण रेलवे के होसपेट रेलवे स्टेशन से 12 किलोमीटर की दूरी पर विजयनगर नामक गांव है। यह गांव मध्य युग में एक विशाल हिंदू साम्राज्य की राजधानी था। इस साम्राज्य के अंतर्गत दक्षिण भारत का अधिकांश भाग था। इसके अधीन साठ बंदरगाह थे। उनसे विभिन्न देशों को काफी आयात-निर्यात होता था। मसालों और सूती वस्त्रों के व्यापार पर विजयनगर का एकाधिकार था।

यहां के राजाओं का विशेष खजाना स्वर्ण मुद्राओं से भरा रहता था। खजाने में हमेशा धन जमा किया जाता था। वहां से धन कभी निकाला नहीं जाता था। इस राज्य ने 250 वर्षों तक दक्षिण भारत के चार मुसलमानी राज्यों- अहमदनगर, गोलकुंडा, बीदर और बीजापुर को आगे नहीं बढ़ने दिया। इन राजाओं के शासकों ने कई बार विजयनगर पर हमला किया, लेकिन उन्हें सदैव मुंह की खानी पड़ी। यही नहीं विजयनगर ने उनकी मिलीजुली सेनाओं या अलग-अलग सेनाओं को हमेशा जबरदस्त शिकस्त दी।

अंत में चारों मुस्लिम शासित राज्यों ने विजयनगर के विरुद्ध एक महागठबंधन बनाया। उन्होंने आपसी विवाह संबंधों से गठबंधन को मजबूत बनाया। फिर उन्होंने एक विशाल सेना के साथ इस्लाम की पुर्नस्थापना के लिए विजयनगर पर आक्रमण किया। दोनों सेनाओं के बीच राक्षसी और तांगड़ी गांवों के मैदान में 23 जनवरी 155 के दिन निर्णायक युद्ध हुआ। विजयनगर के 90 वर्षीय सेनापति आलिया राम राय पकड़े गए और कत्ल कर दिए गए।

तीसरे दिन विजयी सेनाओं ने विजयनगर में प्रवेश किया। उन्होंने उसे पांच महीनों तक लूटा-खसोटा, उसमें आग लगाई, निदर्यता के साथ राजप्रासादों, सरकारी इमारतों, निजी घरों और मंदिरों की कुल्हाड़ियों, हथौड़ों और संबल से तोड़ा। गुप्त धन निकालने के लिए अधिकांश घरों के फर्श खोद दिए गए। भूवैज्ञानिक न्यू बोल्ड को 1845 में 120 वर्ग मील क्षेत्र में विजयनगर साम्राज्य की राजधानी विजयनगर के अवशेष मिले। इस समय भी 60 वर्गमील क्षेत्र में राजधानी और उसके उपनगरों के अवशेष दिखाई देते हैं। इनमें से 25 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को विश्व विरासत स्थल घोषित किया गया है।

नगर में अब केवल एक मंदिर की पूजा होती है। इसे विरूपाक्ष मंदिर या परम्पति मंदिर कहते हैं। यह मंदिर बड़े सुंदर, प्राकृतिक परिवेश में स्थित है। हेमकूट पर्वत से इसका अत्यंत सुंदर, विहंगम दृश्य नजर आता है।

यहां देखने लायक बहुत कुछ है लेकिन वह इतने बड़े क्षेत्र में फैला है कि उसे एक या दो दिन में नहीं देखा जा सकता। इसे देखने और समझने के लिए पांच-छह दिन चाहिए। यहां के दर्शनीय स्थलों में हजार राम मंदिर भी प्रमुख है। यह विजयनगर के नरेशों का निजी मंदिर था। इसकी दीवारों और स्तंभों पर रामायण की कथा अंकित की गई है। दूसरा मनोहारी मंदिर विट्ठल मंदिर है। विजयनगर शैली में बना यह मंदिर दर्शनीय है।

जीवन के हर रंग देखने को मिलते हैं कोलकाता में

भारत के दूसरे महानगरों की तरह क्या आपने रात में जगमग कोलकाता को देखा है? अगर नहीं तो किसी भी सीजन में इस ऐतिहासिक शहर को देखने का कार्यक्रम जरूर बनाएं। यह दिल्ली से पहले इस देश की राजधानी रही है। पिछले दिनों विद्या बालन की फिल्म 'कहानी' में दर्शकों ने कोलकाता शहर को देखा है। खासकर उस गीत 'आमी सोत्ती बोलती' में, जिसे उषा उत्थुप ने स्वर दिया है। इस गीत में सम्पूर्ण कोलकाता की झांकी है। जिसमें कहा गया है कि यह शहर 'स्ट्रांग और पावरफुल' है मगर फिर भी बेबस है। इस शहर की इससे बड़ी व्याख्या क्या हो सकती है कि यह चलता रहता है मगर कहीं जाता नहीं। दरअसल कोलकाता अपने सीने में अंग्रेजों के जुल्म से लेकर बंगाल के विभाजन के दर्द को भी समेटे हुए है। इस शहर की सड़कों पर जीवन की खुशियों से लेकर दरिद्रता की उदासी भी दिखाई देती है। बावजूद इसके यह ऐसा शहर है जहां जीवन के हर रंग हैं।

हुगली नदी के किनारे बसा यह शहर सदियों से कवियों, लेखकों, फिल्म प्रोड्यसरों और नोबल पुरस्कार विजेता का जनक माना जाता है। एक बार इस शहर को देखने के बाद यहां की खूबसूरत यादें भुलाएं नहीं भूलतीं। कोलकाता में संस्कृति के कई रूप देखने को मिलते हैं। यहां अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, मेट्रो, सर्कुलर रेल और ग्राउंड रेल यानी हर तरह की परिवहन सुविधा है। सियालदह स्टेशन भारत का सबसे बड़ा रेल हब है।

कोलकाता का इतिहास ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के समय को भी दर्शाता है। 1690 में कोलकाता में पहली बार ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी आई थी और उसने 1772 में कोलकाता को अपनी राजधानी बनाया। जॉब चारनॉक को कोलकाता का जनक कहा जाता है। 1857 में यहां पहला आधुनिक भारतीय विश्वविद्यालय बना। स्वतंत्र संग्राम के दौरान आजादी के लिए राष्ट्रीय आंदोलन की शुरूआत भी यहीं से की गई थी।

कोलकाता में देखने के लिए बहुत कुछ है। यहां का विक्टोरिया मेमोरियल को दूसरा ताजमहल माना जाता है। इसे कोलकाता की शान कहा जाता है। ब्रिटिश शासक लार्ड कर्जन ने रानी विक्टोरिया को समर्पित करते हुए सफेद मकराना पत्थर से यह घर बनवाया था। आज यहां का बगीचा युवाओं के लिए बेहद लोकप्रिय जगह है। शाम में हिंदी और बंगाली में होने वाले साउंड और लाइट शो भी देखने लायक हैं। इसके अंदर उस समय की खूबसूरत चीजें रखी गई हैं।

विश्व का सबसे बड़ा बिड़ला इटालियन शैली की बेहतरीन कारीगरी है। जिसमें अनोखे जीवाश्म, मिस्र की ममी और बहुत सारी चीजें रखी गई हैं। हावड़ा ब्रिज, भारत का सबसे बड़ा पुस्तकालय नेशनल लाइब्रेरी, सांइस सिटी, ईडन गार्डन, रवींद्र सरोवर यह सब कोलकाता में देखे जा सकते हैं। 1876 में बना कोलकाता का चिड़ियाघर 16 हेक्टेयर की भूमि में फैला है। यहां बनी झील साइबेरियन पक्षियों के लिए बेहतरीन जगह है।

कोलकाता की मेट्रो भारत की पहली भूमिगत रेल थी। हालांकि यह अब तक सिर्फ यह एकतरफा रूट पर चलती है। 'कोलकाता ट्रामवे' भारत की एक अकेली ऐसी सेवा है जो सिर्फ कोलकाता में चलती है और एशिया की सबसे पुरानी विद्युत से चलने वाली ट्राम नेटवर्क है। इस शहर के रिक्शे भी अनोखे है। इन रिक्शों को इंसान खींचते हैं। हालांकि 2006 में ऐसे रिक्शों पर पांबदी लग गई थी। मगर रिक्शा यूनियन के 35 हजार सदस्य इसे आज भी चला रहे हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि रिक्शों की दूरी कम कर दी गई है।

कोलकाता में दशहरा उत्सव बेहद धूम-धाम से मनाया जाता है। खूबसूरत पंडाल और भव्य प्रतिमाएं दुर्गापूजा को बेहद आकर्षक बनाती हैं। यहां का कालीघाट मंदिर हिंदुओं का शक्ति-पीठ माना जाता है। किवदंती के अनुसार इस जगह पर देवी पार्वती की उंगली कट कर गिर गई थी और तबसे यह शक्तिपीठ बन गया। 1809 में इस जगह पुनर्निर्माण किया गया और अब यहां शक्ति की देवी की पूजा की जाती है। 1847 में हुगली नदी के किनारे बना दक्षिणेश्वर काली मंदिर और बेलूर मठ भी दर्शनीय हैं। इसके अलावा रामकृष्ण मिशन इंस्टीट्यूट ऑफ कल्चर और नैखोडा मस्जिद भी देखी जा सकती हैं। बिड़ला प्लेनेटेरियम के बगल में है संत पॉल कैथेड्रल चर्च, जो 1839 और 1847 के बीच बना था। इस गिरजाघर की खूबसूरती देखते बनती हैं। इसके अलावा सेंट जॉन चर्च, अरमेनियम चर्च, ओल्डमिशन चर्च और ग्रीक औरथोडॉक्स चर्च भी देखने लायक हैं। अरमेनियम चर्च कोलकाता में ईसाइयों का सबसे पुराना गिरजाघर है।

कोलकाता भारत के सभी बड़े शहरों से रेल और हवाई यातायात से जुड़ा है। इसलिए यहां आसानी से पहुंचा जा सकता है। किसी भी मौसम में कोलकाता घूमने जाया जा सकता है। रात हो या दिन यह शहर हर समय खूबसूरत लगता है। रात की रोशनी में नहाए कोलकाता को देखना, एक जीवन जीने के समान है।